किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

दैनिक हिन्दी समाचार समाज जागरण RNI NO. UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 273 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 12 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

ब्रह्मोस मिसाइल, अत्याधुनिक रडार और पनडुब्बी रोधी प्रणाली से लैस युद्धपोत, रक्षा मंत्री बोले- आत्मनिर्भर भारत की नई पहचान

समुद्र में भारत की बढ़ी ताकत

नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस महेन्द्रगिरि'

आईएनएस महेन्द्रगिरि की खास बातें

- ✔ प्रोजेक्ट-17ए का छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट
- ✔ 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित
- ✔ लगभग 6,670 टन विस्थापन
- ✔ 28 नॉट तक की अधिकतम गति
- ✔ ब्रह्मोस मिसाइल से लैस किए जाने की क्षमता
- ✔ आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और पनडुब्बी रोधी प्रणाली
- ✔ वायु रक्षा, समुद्री निगरानी और एचएडीआर अभियानों में सक्षम

समाज जागरण

विशाखापत्तनम। भारतीय नौसेना की समुद्री शक्ति को शनिवार को ऐतिहासिक मजबूती मिली, जब स्वदेशी तकनीक से निर्मित अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेन्द्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना के पूर्वी बेड़े में शामिल कर लिया गया। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युद्धपोत को राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसे भारत की बढ़ती रक्षा आत्मनिर्भरता और आधुनिक जहाज निर्माण क्षमता का प्रतीक बताया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आईएनएस महेन्द्रगिरि केवल एक युद्धपोत नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह युद्धपोत तटीय क्षेत्रों से लेकर गहरे समुद्री इलाकों तक देश के समुद्री हितों और रणनीतिक सीमाओं की प्रभावी सुरक्षा करेगा।

उन्होंने बताया कि इस फ्रिगेट को दुनिया की सबसे घातक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल ब्रह्मोस से लैस किया जा सकता है। इसके अलावा इसमें अत्याधुनिक मल्टी-फंक्शन रडार, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टॉरपीडो लॉन्चर, एकीकृत पनडुब्बी रोधी रक्षा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और क्लोज-इन वेपन सिस्टम जैसी आधुनिक युद्ध क्षमताएं मौजूद हैं, जो इसे किसी भी समुद्री चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाती हैं।

आईएनएस महेन्द्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए के तहत भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट है। इससे पहले आईएनएस नीलगिरि, उदयगिरि, हिमगिरि, तारागिरि और दुनागिरि को नौसेना में शामिल किया जा चुका है। इस परियोजना के तहत तैयार किए जा रहे युद्धपोत भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किए गए इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने किया है। लगभग 6,670 टन विस्थापन वाले इस युद्धपोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह करीब 28 नॉट की गति से समुद्र में संचालन कर सकता है तथा वायु रक्षा, सतह एवं पनडुब्बी रोधी युद्ध, समुद्री निगरानी, समुद्री अवरोधन और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) जैसे अभियानों में अहम भूमिका निभाएगा।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आईएनएस महेन्द्रगिरि के शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक बढ़त और अधिक मजबूत होगी तथा भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

ईरान की कथित धमकियों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़ा दावा, क्षेत्रीय तनाव फिर बढ़ा

ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी:

'हत्या की कोशिश हुई तो 1,000 मिसाइलों से होगा जवाब'

मुख्य बातें

- ट्रंप ने ईरान को दी कड़ी चेतावनी।
- हत्या की कोशिश होने पर 1,000 मिसाइलों से जवाब देने का दावा।
- इजरायल से मिली खुफिया जानकारी की जांच कर रहे अमेरिकी अधिकारी।
- सीएनएनः ठोस साजिश की पुष्टि नहीं, केवल सामान्य चर्चा का उल्लेख।
- अमेरिका-ईरान तनाव फिर बढ़ने के संकेत।

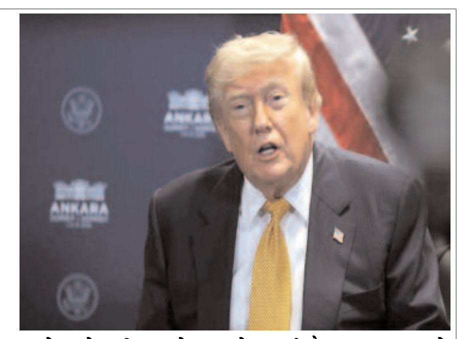

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी हत्या या हत्या की कोशिश की गई तो अमेरिका ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करेगा। ट्रंप ने दावा किया कि ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए 1,000 मिसाइलें पहले से तैनात हैं और आवश्यकता पड़ने पर इसके बाद हजारों अन्य मिसाइलें भी दागी जा सकती हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर शनिवार को जारी अपने संदेश में ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान की सरकार उनके खिलाफ दी गई कथित धमकियों को अमल में लाती है, तो अमेरिकी सेना तत्काल और व्यापक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक हुआ तो सैन्य अभियान एक वर्ष या उससे अधिक समय तक चलाया जा सकता है।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान अमेरिका विरोधी नारे लगाए जाने और कुछ स्थानों पर ट्रंप के खिलाफ हिंसक नारों व पोस्टरों की खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं के बाद दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव और बढ़ गया है।

इस बीच द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी अधिकारी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ईरान की संभावित साजिश से जुड़ी इजरायल द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा कारणों से ट्रंप की हालिया यात्रा के दौरान अतिरिक्त एहतियाती कदम भी उठाए गए।

हालांकि अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, साझा की गई खुफिया जानकारी में ईरान के कट्टरपंथी तत्वों के बीच ट्रंप के खिलाफ सामान्य स्तर की चर्चा का उल्लेख था, लेकिन किसी ठोस और पुष्ट हत्या की साजिश की पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के इस बयान और सामने आई रिपोर्टों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है। फिलहाल अमेरिकी और इजरायली एजेंसियां उपलब्ध खुफिया सूचनाओं की जांच कर रही हैं, जबकि ईरान की ओर से इन दावों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

अवैध खनन पर प्रशासन का बड़ा शिकंजा, ट्रैक्टर जब्त, 12 नावें ध्वस्त

डोंक नदी से 2500 सीएफटी बालू जब्त, कई स्थानों पर संयुक्त छापेमारी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज, 11 जुलाई (समाज जागरण ब्यूरो)। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर शनिवार को अवैध खनन, बालू के अवैध परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया गया, 12 नावों को ध्वस्त कर दिया गया तथा करीब 2500 सीएफटी अवैध बालू बरामद की गई।

जिला खनन विभाग की टीम ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर पोठिया प्रखंड के महानंदा एवं डोंक नदी घाट के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की। अभियान में पोठिया, पहाड़कट्टा, छत्तरगाछ एवं चीचुआबाड़ी थाना पुलिस के साथ किशनगंज के अंचलाधिकारी और राजस्व अधिकारी भी शामिल रहे।

छापेमारी के दौरान अवैध बालू परिवहन में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पहाड़कट्टा थाना में खड़ा कराया गया। वहीं डोंक नदी के सतनहरी पुल के समीप अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही थर्मोकोल से बनी 11 नावें तथा लोहे की एक नाव को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान सतनहरी पुल के आसपास डोंक नदी किनारे चार अलग-अलग स्थानों से लगभग 2500 सीएफटी बालू भी जब्त की गई। जब्त बालू को सुरक्षा की दृष्टि से पोठिया थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार, इस कार्रवाई से जुड़े सभी मामलों में संबंधित लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, बालू के अवैध परिवहन और भंडारण के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

रनवे विस्तार के लिए हटेगी 136 साल पुरानी बांकड़ा मस्जिद

कोलकाता। कोलकाता एयरपोर्ट के एयरसाइड क्षेत्र में स्थित 136 वर्ष पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद (बांकड़ा मस्जिद) को रनवे विस्तार परियोजना के लिए दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। मस्जिद के कारण एयरपोर्ट के दूसरे रनवे के विस्तार का कार्य लंबे समय से लंबित था।

प्रशासन ने शनिवार से मस्जिद के लिए एंट्री पास जारी करना बंद कर दिया है तथा फिलहाल नमाज अदा करने पर भी रोक लगा दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थानीय विधायक सौरभ शिकदार ने मस्जिद समिति और स्थानीय लोगों से बातचीत कर शांति बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

आजादी के दशकों बाद भी सड़क का इंतजार, बारिश में कट जाता है गांव का संपर्क

मोहरा टपरियन के ग्रामीणों का छलका दर्द; बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी, आंदोलन की चेतावनी

उदय सिंह लोधी

समाज जागरण, जिला संवाददाता पन्नाः विकास के दावों के बीच पन्ना जिले के पवई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ककरा के अंतर्गत आने वाला मोहरा टपरियन गांव आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा का इंतजार कर रहा है। आजादी के दशकों बाद भी गांव तक सड़क नहीं पहुंचने से ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही गांव तक पहुंचने वाला कच्चा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ऐसे में गांव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से लगभग कट जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने

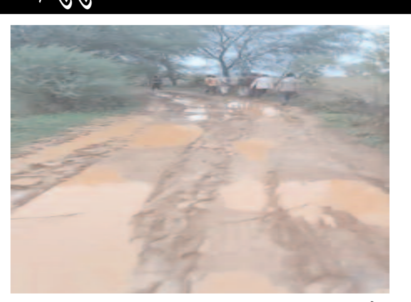

वाले बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को उठानी पड़ती है। कई बार मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को पैदल या वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखी जा रही है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। चुनाव के दौरान सड़क बनाने के वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही यह मुद्दा ठंडे बस्ते में चला जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क नहीं होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। उनका मानना है कि सड़क किसी भी गांव के विकास की पहली शर्त है और इसके अभाव में क्षेत्र का समुचित विकास संभव नहीं है। ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन से शीघ्र पक्की सड़क निर्माण की मांग करते हुए कहा है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

दतिया में बीजेपी का बड़ा दांव, ज्योतिरादित्य सिंधिया बने मुख्य चुनाव प्रभारी

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद संगठन का नया फैसला, आशुतोष तिवारी के चुनाव अभियान की संभालेंगे कमान

समाज जागरण डेस्क भोपाल : दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक और बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को दतिया विधानसभा उपचुनाव का मुख्य चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है।

भाजपा संगठन का यह फैसला चुनावी रणनीति को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने सिंधिया को दतिया में चुनाव अभियान की पूरी जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि उपचुनाव को प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा है। सिंधिया की नियुक्ति के बाद प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं का दौर

तेज हो गया है।

इस बीच, पार्टी नेतृत्व के बुलावे पर पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा भोपाल में मौजूद हैं। हालांकि, पार्टी की ओर से उनके भविष्य को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

गौरतलब है कि भाजपा ने दतिया विधानसभा सीट पर टिकट वितरण के दौरान सभी को चौंकाते हुए पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। इस फैसले के बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक हलचल और असंतोष की खबरें भी सामने आई थीं।

अब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मुख्य चुनाव प्रभारी बनाए जाने के बाद माना जा रहा है कि भाजपा चुनावी प्रबंधन, संगठनात्मक समन्वय और प्रचार अभियान को नई गति देने की कोशिश करेगी। उपचुनाव में पार्टी की रणनीति और सिंधिया की सक्रिय भूमिका पर राजनीतिक दलों की नजरें टिकी हुई हैं।

भारत के लिए सस्ता हुआ रूसी तेल का आयात, टैंकर किराए में 30 लाख डॉलर तक की गिरावट

जून के मुकाबले घटी समुद्री ढुलाई लागत, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव से फिर बढ़ सकते हैं दाम

समाज जागरण बिजनेस डेस्क

नई दिल्ली: भारत के लिए रूस से कच्चे तेल का आयात अब और किफायती हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ अब उसे भारत तक लाने की समुद्री ढुलाई लागत (फ्रेट) में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। जून की तुलना में एक कार्गो को भारत लाने का खर्च करीब 30 लाख डॉलर (लगभग 26 करोड़ रुपये) तक कम हो गया है।

बाजार सूत्रों के अनुसार, रूस के यूराल क्रूड से भरे टैंकर को भारत के पश्चिमी तट तक पहुंचाने का किराया जून में करीब 1.1 करोड़ डॉलर था, जो अब घटकर 70 से 80 लाख डॉलर के बीच आ गया है। इससे भारतीय रिफाइनरियों और रूसी निर्यातकों, दोनों को राहत मिलने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी के मौसम में समुद्री परिवहन की मांग कम होने और टैंकरों की उपलब्धता बढ़ने से ढुलाई बाजार पर दबाव घटा है। इसके अलावा एशियाई बाजार में कमजोर मांग और प्रतिस्पर्धी ढंग से तेल की पर्याप्त आपूर्ति के कारण भी परिवहन लागत में कमी आई है।

स्वेजमैक्स टैंकरों का किराया भी घटा

सूत्रों के मुताबिक, रूस के नोवोरोसिस्क बंदरगाह से भारत तक लगभग 1.40 लाख टन कच्चा तेल लाने वाले स्वेजमैक्स टैंकरों का किराया भी पिछले महीने के लगभग 1.5 करोड़ डॉलर से घटकर अब करीब 1.05 करोड़ डॉलर रह गया है। जानकारों का मानना है कि इस गिरावट से भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को आयात लागत कम करने में मदद मिलेगी, जिससे ऊर्जा क्षेत्र को भी लाभ मिल सकता है।

फिर बढ़ सकती है ढुलाई लागत

हालांकि, विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते यह राहत स्थायी नहीं भी रह सकती। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। यदि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होता है, तो वैश्विक स्तर पर टैंकर किराए में फिर तेज बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर भारत सहित उन देशों पर पड़ेगा, जो बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करते हैं।

विदेश से भारत की संप्रभुता-सुरक्षा के खिलाफ डिजिटल वार

संजय सक्सेना,लखनऊ

दुनिया में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी देशों को कमजोर करने के लिए सीमा पर सेना उतारी जाती थी, अब वही काम मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किया जा रहा है। इस युद्ध में न तो टैंक दिखाई देते हैं और न ही मिसाइलें, लेकिन इसका असर किसी पारंपरिक युद्ध से कम नहीं होता। इसका लक्ष्य दुश्मन के शहरों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि उसके समाज में अविश्वास, भय और विभाजन पैदा करना होता है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे बड़ा डिजिटल समाज भी बन चुका है, पिछले एक दशक से इसी अदृश्य युद्ध का प्रमुख निशाना बना हुआ है। भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या 95 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों भारतीय मोबाइल पर समाचार देखते हैं, राय बनाते हैं और उसे आगे भी भेजते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सूचना को हथियार बनाकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने की सबसे अधिक कोशिश होती है। सुरक्षा एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि सीमा पार बैठे संगठित नेटवर्क भारतीय नामों, तस्वीरों और स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल कर ऐसे फर्जी खाते तैयार करते हैं, जिन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता कि उसके सामने बैठा व्यक्ति वास्तव में किसी दूसरे देश से अभियान चला रहा है।

इस डिजिटल हमले की पहली गंभीर झलक 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों में दिखाई दी। हिंसा भड़काने के लिए पाकिस्तान का नहीं, बल्कि दूसरे देश का एक पुराना वीडियो उत्तर प्रदेश का बताकर प्रसारित किया गया। जांच में वीडियो फर्जी निकला, लेकिन तब तक समाज में तनाव फैल चुका था। यही वह दौर था जब पहली बार यह महसूस किया गया कि मोबाइल स्क्रीन पर चलने वाला झूठ जमीन पर खून-खराबे की वजह बन सकता है। इसके बाद 2017 और 2018 में बच्चा चोरी की अफवाहों ने पूरे देश को झकझोर दिया। व्हाट्सएप पर कुछ सेकंड के वीडियो और झूठे संदेशों ने ऐसी दहशत फैलाई कि असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, त्रिपुरा और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भीड़ ने निर्दोष लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस जांच में अधिकांश मामलों में कोई संगठित बच्चा चोरी गिरोह नहीं मिला, लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें इतनी मजबूत हो चुकी थीं कि सच की कोई कीमत नहीं रह गई थी।

कोरोना महामारी के दौरान यह सूचना युद्ध और खतरनाक हो गया। किसी समुदाय को संक्रमण फैलाने वाला बताया गया, कहीं झूठे घरेलू इलाज वायरल किए गए, तो कहीं वैक्सीन को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया। वास्तविक मुद्दों के साथ-साथ हजारों ऐसे वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं जिनका घटना से कोई संबंध नहीं था। कुछ पुराने वीडियो नए बताकर वायरल किए गए तो कुछ तस्वीरों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया। किसान आंदोलन के दौरान तथाकथित टूलकिट विवाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या भारत के आंतरिक आंदोलनों को विदेशी डिजिटल नेटवर्क दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कई डिजिटल कड़ियों की जांच की और यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रणनीतिक अभियान चलाने का औजार भी बन चुका है।

2023 में मणिपुर हिंसा ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। कई ऐसे वीडियो, जो महीनों पुराने थे या दूसरे देशों के थे, उन्हें मणिपुर का बताकर वायरल किया गया। एक फर्जी वीडियो ने हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के मन में भी गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया। यह दिखाता है कि डिजिटल दुष्प्रचार अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे देश का माहौल प्रभावित कर सकता है। 2024 के आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस युद्ध को नया आयाम दिया। नेताओं की आवाज बदलकर भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो बनाए गए और ऐसे संदेश प्रसारित किए गए जिन्हें सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में डीपफेक लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव ने इस खतरे को वास्तविक रूप में सामने ला दिया। जैसे ही सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बाढ़ आ गई। गाजा युद्ध के दृश्य भारत-पाक संघर्ष बताकर चलाए गए। पुराने विस्फोटों के वीडियो को ताजा सैन्य कार्रवाई बताया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों ने भ्रम और बढ़ा दिया। कुछ विदेशी खातों ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के झूठे दावे किए, जबकि दूसरी ओर भारतीय कार्रवाई को लेकर भी मनगढ़ंत वीडियो फैलाए गए। बाद में सरकारी एजेंसियों ने ऐसे अनेक दावों का खंडन किया और बड़ी मात्रा में भ्रामक सामग्री को हटाने की कार्रवाई की।

विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक डिजिटल युद्ध का सबसे बड़ा हथियार 'बॉट नेटवर्क' हैं। हजारों स्वचालित खाते एक ही समय में एक जैसा संदेश प्रसारित करते हैं। इससे किसी झूठे विषय को भी ऐसा दिखाया जाता है, जैसे पूरा देश उसी पर चर्चा कर रहा हो। इसके साथ ही भुगतान लेकर काम करने वाले ट्रोल समूह, नकली समाचार वेबसाइटें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं कि सामान्य नागरिक के लिए सच और झूठ में अंतर करना कठिन हो जाता है। इस पूरे खेल का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सोशल मीडिया पर जितना अधिक विवाद होगा, उतनी अधिक पहुंच मिलेगी। पहुंच बढ़ेगी तो विज्ञापन और कमाई भी बढ़ेगी। यही कारण है कि कुछ प्रभावशाली खाते बिना किसी सत्यापन के सनसनीखेज सामग्री साझा करते हैं। कई बार उन्हें यह भी पता नहीं होता कि उनका साझा किया गया संदेश किसी विदेशी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा बन चुका है।

भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी नियमों को सख्त बनाया, सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही बढ़ाई और डीपफेक जैसी नई चुनौतियों को लेकर लगातार परामर्श जारी किए। साइबर सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल कानून इस लड़ाई को नहीं जीत सकते। जब तक नागरिक स्वयं डिजिटल रूप से जागरूक नहीं होंगे, तब तक किसी भी विदेशी अभियान को रोकना कठिन रहेगा। आज सबसे बड़ी आवश्यकता डिजिटल साक्षरता की है। लोगों को यह सिखाना होगा कि किसी वीडियो का स्रोत कैसे जांचें, किसी तस्वीर की वास्तविकता कैसे परखें और किसी वायरल संदेश पर विश्वास करने से पहले आधिकारिक पुष्टि क्यों जरूरी है। यदि समाज तथ्य जांच की आदत विकसित कर ले, तो दुष्प्रचार की सबसे मजबूत कड़ी अपने आप टूट जाएगी। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक समरसता है। इसलिए विदेशी दुष्प्रचार का पहला निशाना भी यही बनता है। डिजिटल युद्ध का उद्देश्य केवल झूठ फैलाना नहीं, बल्कि भारतीयों के बीच भरोसा खत्म करना है। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक और स्वचालित प्रचार तंत्र इस चुनौती को और गंभीर बनाएंगे। ऐसे दौर में सीमा पर तैनात सैनिक जितने आवश्यक हैं, उतना ही जरूरी हर वह नागरिक भी है जो मोबाइल पर आए हर संदेश को आंख बंद करके सच नहीं मानता।

यूरेनियम डील से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता भारत

महेन्द्र तिवारी

दुनिया इस समय ऊर्जा परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। एक ओर जलवायु परिवर्तन की चुनौती देशों को कोयले और पेट्रोलियम जैसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिए मजबूर कर रही है, तो दूसरी ओर तेजी से बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहनों और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने बिजली की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचा दिया है। ऐसे समय में परमाणु ऊर्जा एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के केंद्र में आ गई है। अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देश अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रमों का विस्तार कर रहे हैं। इसी वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर अंतिम मुहर लगना केवल एक व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य की विकास यात्रा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान क्षमता की तुलना में यह कई गुना अधिक है और इसे हासिल करने के लिए नए परमाणु बिजलीघरों का निर्माण, आधुनिक रिएक्टरों की स्थापना और दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति आवश्यक होगी। सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि परमाणु ऊर्जा भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का प्रमुख आधार बनेगी तथा इसे विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है।

यहीं पर ऑस्ट्रेलिया का महत्व सामने आता है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बड़े ज्ञात यूरेनियम भंडार वाले देशों में गिना जाता है। लंबे समय तक वहां से भारत को यूरेनियम निर्यात का मार्ग विभिन्न नीतिगत और कानूनी कारणों से अवरुद्ध रहा, लेकिन अब प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद भारत को वहां से दीर्घकालिक और विश्वसनीय ईंधन आपूर्ति का रास्ता खुल गया है। इससे भारत की नागरिक परमाणु परियोजनाओं को स्थिर ईंधन उपलब्ध होगा और भविष्य में बनने वाले नए रिएक्टरों को भी आवश्यक संसाधन मिल सकेंगे।

भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में प्राकृतिक यूरेनियम के सीमित भंडार हैं। भारत ने घरेलू स्तर पर यूरेनियम की खोज और उत्पादन बढ़ाने के प्रयास अवश्य किए हैं, लेकिन बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए केवल घरेलू संसाधनों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को लगातार ईंधन चाहिए और यदि आपूर्ति बाधित हो जाए तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया जैसा भरोसेमंद साझेदार भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नया आधार प्रदान करता है।

यह समझौता केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। परमाणु तकनीक का उपयोग चिकित्सा, कैंसर उपचार, कृषि अनुसंधान, खाद्य संरक्षण, अंतरिक्ष विज्ञान, औद्योगिक परीक्षण तथा उच्च स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान में भी होता है। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम, आधुनिक अनुसंधान संस्थान और कई उच्च तकनीकी परियोजनाएं परमाणु विज्ञान से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। इसलिए यूरेनियम की स्थिर उपलब्धता देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को भी मजबूती देगी।

हालांकि इस समझौते को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि यह इतने वर्षों तक लंबित क्यों रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु सहयोग समझौता वर्ष 2014 में हो चुका था, लेकिन उसके बाद भी वास्तविक यूरेनियम आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसका सबसे बड़ा कारण परमाणु अप्रसार संधि यानी एनपीटी से जुड़ी ऑस्ट्रेलिया की पुरानी नीति थी। भारत इस संधि का सदस्य नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया लंबे समय तक केवल उन्हीं देशों को यूरेनियम निर्यात करता था जो एनपीटी के सदस्य थे। बाद में भारत के जिम्मेदार परमाणु रिकॉर्ड, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी व्यवस्था तथा असैन्य और सैन्य परमाणु कार्यक्रमों के स्पष्ट पृथक्करण को देखते हुए दोनों देशों ने सहयोग का रास्ता निकाला। इसके बाद भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों, निगरानी व्यवस्था और ईंधन के केवल शांतिपूर्ण उपयोग से जुड़े प्रावधानों को अंतिम रूप देने में वर्षों लग गए। अब जाकर यह प्रक्रिया पूरी हुई है।

भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा शांतिपूर्ण उपयोग पर आधारित रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह विश्वास कायम किया है कि वह असैन्य परमाणु ईंधन का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन और अन्य नागरिक उद्देश्यों के लिए करेगा। यही कारण है कि आज अनेक देश भारत के साथ परमाणु क्षेत्र में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ यह समझौता भी इसी भरोसे का परिणाम माना जा रहा है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, हाई स्पीड रेल, स्मार्ट शहर और डिजिटल अवसंरचना के विस्तार के कारण बिजली की मांग कई गुना बढ़ने वाली है। सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन इनकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनका उत्पादन मौसम पर निर्भर रहता है। सूर्य न होने या हवा कम चलने पर उत्पादन घट जाता है। इसके विपरीत परमाणु ऊर्जा चौबीसों घंटे निरंतर बिजली उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि विकसित देश भी नवीकरणीय ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को समानांतर रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह समझौता केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, साइबर सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। यूरेनियम समझौता इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय है। इससे दोनों देशों के बीच विश्वास और आर्थिक सहयोग भी बढ़ेगा।

इंडो पैसिफिक क्षेत्र में बदलते भू राजनीतिक समीकरणों ने भी इस समझौते को विशेष महत्व दिया है। चीन की बढ़ती सक्रियता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े जोखिमों के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे लोकतांत्रिक देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देश केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि समान रणनीतिक सोच वाले सहयोगी के रूप में भी उभर रहे हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत केवल एक देश पर निर्भर रहने की नीति नहीं अपना रहा। भारत पहले से कनाडा, कजाखस्तान और अन्य देशों के साथ भी यूरेनियम आपूर्ति को लेकर सहयोग बढ़ा रहा है। विभिन्न स्रोतों से ईंधन उपलब्ध होने का अर्थ है कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने पर भी भारत की ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी। यह विविधीकरण ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

कुछ लोगों का मानना है कि इस समझौते के बाद भारत में बिजली संकट हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह निष्कर्ष पूरी तरह सही नहीं होगा। केवल यूरेनियम उपलब्ध हो जाने से बिजली उत्पादन स्वतः नहीं बढ़ जाता। इसके लिए नए परमाणु संयंत्रों का निर्माण, वित्तीय निवेश, प्रशिक्षित मानव संसाधन, सुरक्षा मानकों का पालन, बिजली प्रसारण नेटवर्क और समयबद्ध परियोजना प्रबंधन भी आवश्यक हैं। परमाणु बिजलीघर बनने में कई वर्ष लगते हैं और प्रत्येक परियोजना अत्यधिक तकनीकी एवं पूंजी आधारित होती है। इसलिए इस समझौते को एक महत्वपूर्ण आधार अवश्य माना जा सकता है, लेकिन इसे संपूर्ण समाधान नहीं कहा जा सकता।

इसके बावजूद इस समझौते का दीर्घकालिक महत्व असंदिग्ध है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है तो उसे विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्याप्त ऊर्जा की आवश्यकता होगी। परमाणु ऊर्जा इस लक्ष्य का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकती है। ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाला यूरेनियम भारत की ऊर्जा नीति को स्थिरता देगा, स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को गति देगा, कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता करेगा और देश की औद्योगिक तथा तकनीकी प्रगति को नया आधार प्रदान करेगा।

वास्तव में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ यह यूरेनियम समझौता केवल दो देशों के बीच ईंधन का लेनदेन नहीं है। यह ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास, वैज्ञानिक प्रगति, रणनीतिक साझेदारी और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया दूरदर्शी कदम है। आने वाले वर्षों में जब भारत अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का तेजी से विस्तार करेगा, तब इस समझौते का महत्व और अधिक स्पष्ट दिखाई देगा। यह सौदा भारत को केवल बिजली उत्पादन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा राजनीति और स्वच्छ विकास की दिशा में भी अधिक आत्मविश्वास और मजबूती के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा।

दलित राजनीति की नई जंग, आमने-सामने मायावती और चंद्रशेखर

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित नेतृत्व को लेकर जो बहस लंबे समय से भीतर ही भीतर चल रही थी, वह अब खुलकर सामने आ गई है। मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के बाद आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद के आंदोलन और उस पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया ने इस बहस को नई दिशा दे दी है। मायावती ने बिना नाम लिए ऐसे आंदोलनों को मगरमच्छ के आंसू और संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से जोड़ते हुए दलित समाज को सड़क की बजाय संविधान और न्यायपालिका के रास्ते पर चलने की सलाह दी। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि जब समाज पर अत्याचार हो रहा हो, तो केवल अदालतों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है। यह विवाद केवल दो नेताओं की बयानबाजी नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति में नेतृत्व और रणनीति की नई लड़ाई का संकेत है।

मायावती का राजनीतिक दर्शन हमेशा सत्ता के जरिए सामाजिक परिवर्तन का रहा है। कांशीराम ने जिस मास्टर चाबी का सिद्धांत दिया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए मायावती लगातार कहती रही हैं कि सत्ता हासिल किए बिना बहुजन समाज का स्थायी उत्थान संभव नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि बसपा सड़क जाम, हिंसक प्रदर्शन और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी राजनीति में विश्वास नहीं करती। उनका कहना है कि गरीब, मजदूर और बेरोजगार नौजवान यदि आंदोलनों के दौरान मुकदमों में फंसेंगे, तो उनका भविष्य बर्बाद होगा और इसका सबसे ज्यादा नुकसान बहुजन समाज को ही उठाना पड़ेगा। यह संदेश केवल वर्तमान आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले बसपा की पूरी राजनीतिक रणनीति का संकेत भी माना जा रहा है।

दिलचस्प यह है कि मायावती के इस बयान का समर्थन बीजेपी के वरिष्ठ नेता संगीत सोम ने भी किया। उन्होंने कहा कि समाज को दलालों और उकसाने वालों से बचना चाहिए। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के खिलाफ भी उन्होंने तीखा हमला बोला। इस समर्थन ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी,

क्योंकि लंबे समय से विपक्ष मायावती पर बीजेपी के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। हालांकि, बसपा लगातार इन आरोपों को खारिज करती रही है और खुद को सभी दलों से समान दूरी रखने वाली पार्टी बताती है।

अगर पिछले डेढ़ दशक का राजनीतिक इतिहास देखें, तो तस्वीर और भी रोचक दिखाई देती है। वर्ष 2007 में मायावती ने सर्वजन सामाजिक इंजीनियरिंग के सहारे उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। यह बसपा का स्वर्णकाल माना जाता है। लेकिन 2012 में पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा पहली बार शून्य सीट पर पहुंची। 2017 विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल 19 सीटों तक सिमट गई। 2019 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके बसपा ने 10 लोकसभा सीटें जरूर जीतीं, लेकिन गठबंधन ज्यादा समय नहीं चला। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट जीत सकी और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी फिर शून्य पर पहुंच गई। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, 2007 में करीब 30 प्रतिशत वोट पाने वाली बसपा का वोट प्रतिशत अब लगभग 10 से 13 प्रतिशत के बीच सिमट चुका है। यह गिरावट दलित राजनीति में बदलते समीकरणों की सबसे बड़ी कहानी कहती है।

यहीं से चंद्रशेखर आजाद की राजनीति का विस्तार शुरू होता है। 2017 के सहारनपुर शब्बीरपुर हिंसा के बाद भीम आर्मी के जरिए उन्होंने दलित युवाओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल जाना, फिर बाहर आकर सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन, दलित अत्याचार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहना उनकी राजनीति का आधार बना। 2020 में आजाद समाज पार्टी का गठन और 2024 में नगीना लोकसभा सीट से अकेले चुनाव जीतना इस बात का संकेत था कि दलित राजनीति में अब नया नेतृत्व भी जगह बना रहा है। खास बात यह रही कि उन्होंने यह जीत किसी बड़े गठबंधन के बिना हासिल की। इसके बाद से वह उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार, पंजाब और दूसरे राज्यों में भी संगठन विस्तार की कोशिश कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दलित वोट अब पहले जैसा एकमुश्त नहीं रहा। जाटव समुदाय का बड़ा हिस्सा आज भी बसपा के साथ जुड़ा माना जाता है, लेकिन गैर-जाटव दलितों में पिछले एक दशक में बड़ा बदलाव आया है। एक हिस्सा बीजेपी की कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व के कारण उसके साथ गया, जबकि दूसरा हिस्सा स्थानीय आंदोलनों और चंद्रशेखर जैसे नए नेताओं की ओर आकर्षित हुआ। यही कारण है कि दलित राजनीति अब केवल बसपा बनाम बाकी दल नहीं रह गई, बल्कि उसके भीतर भी प्रतिनिधित्व की नई लड़ाई शुरू हो गई है।

मायावती इस बदलाव को अच्छी तरह समझती हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों में उन्होंने लगातार संगठन को मजबूत करने, अकेले चुनाव लड़ने और कार्यकर्ताओं को आंदोलन की बजाय बूथ स्तर पर जुटने का संदेश दिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि बसपा किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी और 2027 का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। पार्टी लगातार ह्रासर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्न और कानून-व्यवस्था को अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी बताकर पुराने सामाजिक समीकरणों को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, चंद्रशेखर आजाद की राजनीति पूरी तरह आंदोलन आधारित दिखाई देती है। उनका तर्क है कि केवल चुनाव जीतने से सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा, बल्कि सड़क पर संघर्ष भी जरूरी है। यही वैचारिक अंतर आज दोनों नेताओं के बीच सबसे बड़ा राजनीतिक फर्क बन गया है। एक तरफ मायावती संविधान, अदालत और सत्ता की राजनीति पर भरोसा जताती हैं, तो दूसरी तरफ चंद्रशेखर संविधान के साथ-साथ जन आंदोलन को भी बराबर जरूरी मानते हैं। ललिता गौतम हत्याकांड के बाद दोनों नेताओं की प्रतिक्रियाओं ने इस अंतर को पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट कर दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल 2027 को लेकर है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक जमीन तैयार होनी शुरू हो चुकी है। बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता बचाने की तैयारी में है, समाजवादी पार्टी 2024 की लोकसभा सफलता को विधानसभा में दोहराना चाहती है और कांग्रेस भी संगठन विस्तार में जुटी है। ऐसे में दलित वोट किस दिशा में जाएगा, यह चुनाव का निर्णायक कारक बन सकता है। यदि बसपा अपना पारंपरिक वोट बैंक बचाने में सफल रहती है, तो मुकाबला त्रिकोणीय बन सकता है। लेकिन यदि चंद्रशेखर गैर-जाटव दलित युवाओं और आंदोलनकारी राजनीति को और मजबूत आधार दे देते हैं, तो बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि अपने ही सामाजिक आधार के भीतर से खड़ी होती दिखाई दे सकती है। यानी, मौजूदा विवाद केवल एक बयान या एक आंदोलन का नहीं है। यह उस बड़े राजनीतिक परिवर्तन का संकेत है, जिसमें उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति पहली बार दो अलग-अलग रास्तों के बीच खड़ी दिखाई दे रही है एक रास्ता मायावती का, जो सत्ता को परिवर्तन का माध्यम मानता है, और दूसरा चंद्रशेखर आजाद का, जो सड़क के संघर्ष को राजनीतिक ताकत में बदलना चाहता है। 2027 का चुनाव शायद यह तय करेगा कि बहुजन राजनीति की अगली पीढ़ी किस रास्ते पर आगे बढ़ेगी।

उसूल भूल गए... ?

सादगी की राहों पर जो चुपचाप बढ़ गया,
ईमान का दीप बनकर अँधेरों से लड़ गया।
जिनके महलों में भी "सेवा" का ही शोर है,
इस हिसाब में हर सुविधा का कोई छोर है।

कुर्सी मिली तो जनता का ही नाम भूल गए,
भत्तों की 'फेहरिस्त' में सारे उसूल भूल गए।
एक जनाब पैदल चलकर मिसाल लिख रहे,
बाकी तो लाल बत्ती में भी सवाल लिख रहे।

रिश्वत की धूल से जब 'आईना' धुंधला हुआ,
सच का चेहरा देख के हर चेहरा मिला हुआ।
यहाँ गांधी के नाम पे भाषण तो रोज हो गए,
गांधी के रास्ते मगर आज भी कम से हो गए।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

नोएडा में अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 35 पव्वों के साथ एक गिरफ्तार

सेक्टर-24 थाना पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई

संदीप गर्ग समाज जागरण` नोएडाः उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त गौतमबुद्ध नगर के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में 10 जुलाई 2026 को आबकारी विभाग एवं थाना सेक्टर-24 पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान रविंद्र पुत्र रामबीर को अवैध रूप से शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से दोस्ताना ब्रांड की 35 पव्वा (200 एमएल) उत्तर प्रदेश मार्का देशी शराब, कुल 7 बल्क लीटर बरामद की गई।

आरोपी के विरुद्ध थाना सेक्टर-24 में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। जिला आबकारी विभाग ने बताया कि जनपद में अवैध शराब की बिक्री, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

विहिप के 'सेवा सप्ताह' पर हनुमान प्रखंड में हुआ भव्य पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पौधों की देखरेख का लिया संकल्प

समाज जागरण संदीप गर्ग

समाज जागरण नोएडाःविश्व हिंदू परिषद (विहिप) एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार को नोएडा महानगर के हनुमान प्रखंड में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के प्रांत, विभाग और जिला स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में छायादार, औषधीय और फलदार पौधे रोपे गए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेरठ प्रांत के सहसंयोजक उपेंद्र मिश्रा एवं प्रांत विद्यार्थी प्रमुख समर सिंह उपस्थित रहे। दोनों पदाधिकारियों ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाए।

इस अवसर पर उपेंद्र मिश्रा ने कहा कि 'सेवा सप्ताह' केवल सामाजिक सेवा का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के प्रति समाज को जागरूक करने का भी माध्यम है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विभाग मंत्री ललित भारद्वाज, विभाग संयोजक सुमित यादव, जिला अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, जिला मंत्री दिनेश महावर, जिला संयोजक विनोद चौहान, जिला सहसंयोजक विनोद सिंह, जिला प्रचार प्रमुख राहुल दुबे, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख नीतेश शर्मा, जिला सह प्रचार प्रमुख नितिन कुमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने जिला मंत्री दिनेश महावर को उनके अवतरण दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई एवं देखरेख का सामूहिक संकल्प लिया।

नोएडाः अवैध तमंचा और कारतूस के साथ शातिर आरोपी गिरफ्तार

सेक्टर-39 पुलिस ने महर्षि आश्रम के पास से दबोचा, कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः थाना सेक्टर-39 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनिल शाह पुत्र भूदेव शाह के रूप में हुई है। उसे महर्षि आश्रम के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से ग्राम

महमूदपुर, थाना अमरपुर, जिला बांका (बिहार) का निवासी है तथा वर्तमान में ग्राम सलारपुर, थाना सेक्टर-39, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। उसकी उम्र 37 वर्ष बताई गई है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामद अवैध हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

16 जुलाई को नोएडा में निकलेगी भव्य भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा

इस्कॉन नोएडा की तैयारियां पूरी, देश-विदेश से छह हजार से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः

इस्कॉन नोएडा के तत्वावधान में 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शाम 4 बजे सेक्टर-18 स्थित गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर अट्टा मार्केट, सब मॉल, डीएम चौक, स्टेडियम, चौड़ा चौक और अडोब चौक होते हुए शाम 7 बजे इस्कॉन नोएडा मंदिर पहुंचेगी।

रथ यात्रा से पूर्व भगवान जगन्नाथ को पारंपरिक रूप से 56 भोग अर्पित किए जाएंगे तथा महाआरती का आयोजन होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करेंगे और मार्ग में प्रसाद का वितरण किया जाएगा। समापन पर इस्कॉन नोएडा मंदिर में सभी श्रद्धालुओं के लिए डिनर प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

आयोजकों के अनुसार, यह रथ यात्रा वैदिक परंपरा के अनुरूप उसी तिथि पर निकाली जाएगी, जिस दिन ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ रथ

यात्रा आयोजित होती है। इस वर्ष इस्कॉन अपनी स्थापना के 60 वर्ष भी पूर्ण कर रहा है, जिसके चलते आयोजन को विशेष रूप से भव्य बनाया जा रहा है।

रथ यात्रा में अमेरिका, कनाडा, रूस, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न देशों से भक्तों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा और नोएडा के विधायक पंकज सिंह को प्रमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, देश-विदेश से करीब 6,000 श्रद्धालुओं के रथ यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है।

गीता रघुवंशी को भावभीनी श्रद्धांजलि, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित शोकसभा में पत्रकारों, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों ने दी श्रद्धांजलि

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः चेतना मंच के संस्थापक एवं संपादक आर.पी. रघुवंशी के छोटे भाई तथा नोएडा बार एसोसिएशन (डीड राइटर्स एंड एडवोकेट्स) के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष चौधरी सचिन कुमार एडवोकेट की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती गीता रघुवंशी के निधन पर शनिवार को सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। शोकसभा में बड़ी संख्या में पत्रकारों, अधिवक्ताओं, समाजसेवियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने दिवंगत गीता रघुवंशी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि गीता रघुवंशी का व्यक्तित्व सरल, सहज और आत्मीय था। उनका निधन परिवार ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, सचिव जगदीश शर्मा, नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना, वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन शर्मा, अकरम, राजेश शर्मा, सुरेश चौरसिया, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे, बबलू चौहान, दिनेश गौड़, सुधाकर द्विवेदी, देवेन्द्र प्रभात, प्रमोद पंडित, संदीप गर्ग, वरुण श्रीवास्तव, विनय जोशी, किसान नेता अशोक चौहान, ए.के. लाल, शिवकुमार, गिरीश नारायण, मनोहर त्यागी, नीलम भागी, नवरत्न फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव, हरवीर चौहान, चेतना मंच के प्रबंधक शीशपाल सिंह, अरुण सिन्हा, देवदत्त शर्मा, आनंद मिश्रा, सुभाष भाटी, अंजना भागी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नोएडा में अवैध शराब पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 40 पव्वों के साथ एक गिरफ्तार

सेक्टर-24 पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई, 8 बल्क लीटर देशी शराब बरामद

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्ध नगर के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में 11 जुलाई 2026 को आबकारी विभाग एवं थाना सेक्टर-24 पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अरुण पुत्र रामभरोसे को अवैध रूप से देशी शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से दोस्ताना ब्रांड की 40 पव्वा (200 एमएल) उत्तर प्रदेश मार्का देशी शराब, कुल 8 बल्क लीटर बरामद की गई।

आरोपी के विरुद्ध थाना सेक्टर-24 में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। जिला आबकारी विभाग ने बताया कि जनपद में अवैध शराब की बिक्री, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सूरजपुर में लापता हुए चार बच्चों को नोएडा पुलिस ने सकुशल खोजा, परिजनों को सौंपा

संदीप गर्ग समाज जागरण ग्रेटर नोएडाः थाना सूरजपुर क्षेत्र में खेलते समय घर से कहीं चले गए चार बच्चों को नोएडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार, चारों बच्चों के खेलते-खेलते घर से लापता होने की सूचना मिलने पर परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। सूचना मिलते ही थाना सूरजपुर पुलिस और मिशन शक्ति 5.0 टीम तत्काल सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर सघन खोज अभियान चलाया। अथक प्रयासों के बाद सभी चारों बच्चों को सुरक्षित तलाश कर लिया गया।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

नोएडा जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर उठे गंभीर सवाल, मरीजों से दुर्व्यवहार और इलाज में लापरवाही के आरोप

सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए महासचिव ने वीडियो जारी कर लगाए गंभीर आरोप, मुख्यमंत्री, डीएम और सीएमओ से की कार्रवाई की मांग

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः नोएडा के सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महासचिव एवं डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने अस्पताल प्रशासन पर मरीजों के साथ दुर्व्यवहार, इलाज में लापरवाही, गंदगी और अव्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया है और मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

संजीव कुमार के अनुसार, 9 जुलाई 2026 की रात करीब 10 बजे वह अपनी घरेलू सहायक (मेड) की बेटी को भर्ती कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे थे। उसी दौरान एक सड़क दुर्घटना में घायल महिला को उसके परिजन इलाज के लिए अस्पताल लेकर आए। उनका दावा है कि घायल महिला को करीब 45 मिनट तक डॉक्टर ने नहीं देखा, जबकि ड्रेसिंग रूम में केवल प्राथमिक पट्टी की जा रही थी। उनका कहना है कि मरीज के परिजन डॉक्टर से तत्काल जांच की मांग करते रहे, लेकिन संतोषजनक उपचार नहीं मिलने पर वे नाराज होकर मरीज को दूसरे अस्पताल ले गए।

संजीव कुमार का आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर मरीजों का स्वयं परीक्षण करने के बजाय दूर से दवाइयां और जांच लिख रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनकी मौजूदगी में कई मरीजों को समय पर चिकित्सकीय परीक्षण नहीं मिला। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यदि उन्होंने मौके पर वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू नहीं की होती तो बहस कर रहे मरीज के परिजनों के साथ अस्पताल कर्मियों द्वारा अभद्र व्यवहार या मारपीट भी

हो सकती थी।

उन्होंने अपनी घरेलू सहायक की बेटी के इलाज को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि अस्पताल में भर्ती कराने के लिए उन्हें पूर्व सीएमएस डॉ. अजय अग्रवाल तथा डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष एन.पी. सिंह की सिफारिश लेनी पड़ी। आरोप है कि भर्ती के समय न तो मरीज का रक्तचाप (बीपी) जांचा गया और न ही चिकित्सक ने स्वयं उसका समुचित परीक्षण किया। अगले दिन भी उपचार व्यवस्था में सुधार नहीं होने और डॉक्टरों तथा नर्सिंग स्टाफ के व्यवहार से परेशान होकर मरीज की मां ने अपनी बच्ची को अस्पताल से छुट्टी दिलाने की इच्छा जताई।

शिकायत में अस्पताल की साफ-सफाई पर भी सवाल उठाए गए हैं। संजीव कुमार का दावा है कि वार्डों में गंदी चादरें बिछी थीं, कई स्थानों पर गंदगी फैली हुई थी, दुर्गंध आ रही थी और अस्पताल की दूसरी मंजिल के कॉरिडोर में आवारा कुत्ते घूमते

दिखाई दिए। उनका कहना है कि यह स्थिति सरकारी अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

संजीव कुमार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार करने तथा यदि आरोप सही पाए जाएं तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक एवं समय पर उपचार मिलना प्रत्येक सरकारी अस्पताल की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

समाज जागरण इस मामले में जिला अस्पताल सेक्टर-39 के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं स्वास्थ्य विभाग का पक्ष भी प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। संबंधित अधिकारियों का पक्ष प्राप्त होते ही उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

नोएडाः बिसरख पुलिस ने गांजा तस्कर को दबोचा, 1.1 किलो अवैध गांजा बरामद

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः थाना बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान भरत पुत्र ओमी के रूप में हुई है। उसे नया हैबतपुर से पीर की ओर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। आरोपी न्यू हैबतपुर, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर का निवासी है तथा उसकी उम्र 37 वर्ष बताई गई है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी शातिर प्रवृत्ति का अपराधी है और उसके विरुद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामद 1.1 किलोग्राम अवैध गांजा को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

नोएडाः सेक्टर-20 पुलिस ने शातिर वाहन चोर को दबोचा, चोरी की बाइक व अवैध चाकू बरामद

चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार भी बरामद, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट व बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः थाना सेक्टर-20 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, चोरी करने में प्रयुक्त औजार तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय रॉय पुत्र ब्रोजेन रॉय के रूप में हुई है। उसे डीएनडी रोड, सेक्टर-17 नोएडा से गिरफ्तार किया गया। आरोपी वर्तमान में ग्राम सफाबाद, थाना सेक्टर-113, नोएडा में रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास राय नगर, थाना कालियागंज, जिला उत्तर दिनाजपुर (पश्चिम बंगाल) है। उसकी उम्र 29

वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की चोरी की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक अवैध चाकू तथा वाहन चोरी में प्रयुक्त तीन पेचकस, एक चाबी, तीन पाना, एक शिकंजा, एक टेस्टर, एक छोटी हथौड़ी और प्लग खोलने के दो उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 317(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही आरोपी के आपराधिक इतिहास और अन्य घटनाओं में उसकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

सफाई कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं पर एनसीएफ ने जताई चिंता, समाधान के लिए संवाद का दिया भरोसा

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों के सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को नोएडा सिटीजन फोरम (एनसीएफ) की कार्यकारी अध्यक्षा शालिनी सिंह से मुलाकात कर अपनी वर्षों से लंबित समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। पर्थला गांव स्थित बबलू पर्चा के आवास पर हुई बैठक में कर्मचारियों ने 14 जुलाई 2026 को प्रस्तावित कार्य बहिष्कार एवं धरना-प्रदर्शन की जानकारी देते हुए अपना मांगपत्र भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में वेतन विसंगतियों का समाधान, लंबित बकाया वेतन का भुगतान, बोनस, चिकित्सा सुविधाएं, ठेकेदारी प्रथा का विरोध, सफाई कर्मचारियों के लोकतांत्रिक चुनाव तथा अन्य कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना था कि कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष समस्याएं रखने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला, जिसके चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

शालिनी सिंह ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि किसी भी कर्मचारी की न्यायसंगत मांगों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से अपील की कि 14 जुलाई को प्रस्तावित आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और कानून के दायरे में रहकर किया जाए, ताकि आम नागरिकों को असुविधा न हो और उनकी मांगें प्रभावी ढंग से प्रशासन एवं सरकार तक पहुंच सकें।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपनी जायज मांगों के लिए

लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना चाहिए और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या हिंसा से बचना चाहिए। शालिनी सिंह ने भरोसा दिलाया कि यदि आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा तो नोएडा के सामाजिक संगठन भी उनके साथ खड़े होंगे। साथ ही, एनसीएफ कर्मचारियों और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित कर समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सकारात्मक प्रयास करेगा।

बैठक में राधे पर्चा, नितिन चौटाला, राहुल वाल्मीकि, अर्जुन वाल्मीकि, अरुण पर्चा, संदीप बैनीवाल, नरेश गहलोत, अर्जुन सिंह, नितिन, रवि, संतोष सहित वाल्मीकि समाज के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इकरोटिया सादात में 24 मोहर्रम पर इमाम जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम का शबीहे ताबूत हुआ बरामद।

समाज जागरण

संभल। असमोली विकासखंड के गांव इकरोटिया सादात में 24 मोहर्रम के अवसर पर शिया समुदाय के चौथे इमाम हजरत इमाम जैनुल आबेदीन (अलैहिस्सलाम) की याद में शुक्रवार देर शाम इमामबाड़ा बाबुल मुराद में मजलिस आयोजित की गई। मजलिस में मौलाना मुबाशिर रजा ने अपने बयान में कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने करबला में सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए महान कुबार्नी दी, जबकि इमाम जैनुल आबेदीन (अ.स.) ने अपने सब्र, इबादत और शिक्षाओं से पैगाम-ए-करबला को दुनिया तक पहुंचाया।

मजलिस के बाद पूरी रात देश के विभिन्न शहरों से आई अंजुमनों ने नोहा-ख्वानी और मातम कर इमाम हुसैन को पुरसा पेश किया। शनिवार तड़के करीब 4 बजे इमाम जैनुल आबेदीन (अ.स.) का शबीहे ताबूत बरामद किया गया, जिसकी जियारत के लिए आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। इसके बाद निकले जुलूस में भी अंजुमनों ने नोहा-मातम किया। सुबह करीब 6 बजे जुलूस इमामबाड़ा परिसर में ही संपन्न हुआ। आयोजन पूरे एहतराम, अनुशासन और धार्मिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी की एक अभिनव पहल स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ जे वी इण्टर कॉलेज में किया वृक्षारोपण।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। धरती को हरा भरा बनाने पर्यावरण को संतुलित करने और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल की शुरूआत की गई है।

इस महा अभियान के तहत हर वर्ग और हर समूह की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, इसी क्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य और ब्लॉक प्रमुख लक्ष्मी नारायण यादव के साथ जे०वी०इंटर कॉलेज अली नगर केंजरा में पहुंचकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 'माता-रानी और श्री गणेश' स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि धरती को जीवंत और हरा भरा बनाए रखने के लिए समाज के हर नागरिक का योगदान जरूरी है, स्वयं सहायता समूह की हमारी बहनें मातृशक्ति की प्रतीक है, जब एक मां किसी पौधे को सींचती है, तो वह केवल एक पेड़ नहीं बल्कि आने वाली पीढियों के लिए जीवन रोपती है। इस महा अभियान में आपकी सहभागिता अनिवार्य है, आपकी सक्रिय भागीदारी से महिलाएं स्वयं गौरवान्वित और सशक्त महसूस करेगी, जब मातृशक्ति अभियान से जुड़ेगी, तभी यह एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर एक जन आंदोलन का रूप लेगा।

इस अभियान में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी प्रतिभाग किया और जिलाधिकारी के नेतृत्व में सभी ने एक स्वर से धरती को हरा भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण हेतु अपने को कृत संकलित किया।

मुख्य विकास अधिकारी और डीसीएनआरएलएम ने भी समूह की दीदीयों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आज हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख रही है, पर्यावरण संरक्षण में भी हमारी दीदियां अग्रणी भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर डीएफओ भानेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सतेंद्र सिंह और खंड विकास अधिकारी नवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

सिरसा नदी में नहाने गया 8 वर्षीय बालक डूबा, गोताखोरों की मदद से शव को निकाल।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना रजावली क्षेत्र के गांव उम्मरगढ़ में शनिवार दोपहर सिरसा नदी में नहाने के दौरान एक आठ वर्षीय बालक के डूब जाने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ नदी किनारे एकत्र हो गई और बालक की तलाश शुरू कर दी गई।

जानकारी के अनुसार उम्मरगढ़ निवासी अनस पुत्र चमन खां (8 वर्ष) शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे सिरसा नदी के पास देखा गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते लापता हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रजावली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों और स्थानीय ग्रामीणों तथा गोताखोरों की मदद से नदी में बालक की तलाश की गई बड़ी मुश्किल से बालक का शव नदी के दलदल में मिला ग्रामीणों ने शव को नदी से बाहर निकाला शव को देख परिजनों में को हराम मच गया घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में चिंता का माहौल बना हुआ है इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वह बालक के जीवित होने की आस में सरकारी ट्रामा सेन्टर लेकर आई जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराए घर ले गए हैं।

टूटी पुलिया बन रही हादसों का कारण, ग्रामीणों ने प्रशासन से ठीक कराने की की मांग

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर lलगातार बारिश के बीच शाहबाजपुरझमंडावर मार्ग स्थित नहर की जर्जर पुलिया एक बार फिर बड़े हादसे की वजह बनते-बनते बची। स्थानीय लोगों के अनुसार शनिवार को सुमन देवी पत्नी अमरदीप गाव गंजालपुर निवासी अपने तीन बच्चों को लेकर स्कूटी से मंडावर से शहबाजपुर की ओर आ रही थीं। तभी सामने से तेज रफ्तार अल्टो कार आने पर स्कूटी सवार ने बचने का प्रयास किया और संतुलन बिगड़ने से स्कूटी पुलिया के किनारे नहर में जा गिरी।

गनीमत रही कि आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल सहायता कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना में बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। पुलिया की ईंटें उखड़ चुकी हैं, किनारे टूटे हुए हैं, और सुरक्षा रेलिंग भी नहीं है। इससे पहले भी इसी पुलिया पर एक ट्रक पलट चुका है, फिर भी अब तक स्थायी निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि किसी बड़ी जनहानि का इंतजार किए बिना तत्काल इस जर्जर पुलिया का पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

मुस्कान खान को व्यापारी एकता परिषद महिला मोर्चा से नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर जनपद बिजनौर के नजीबाबाद तहसील के साहनपुर मे व्यापारी एकता परिषद की एक सभा संपन्न हुई सभा का संचालन जिला महामंत्री प्रशांत चौधरी ने किया जिसमे नजीबाबाद तहसील के साहनपुर निवासी मुस्कान खान को व्यापारी एकता परिषद महिला मोर्चा से नगर अध्यक्ष नजीबाबाद मनोनीत किया गया और नगर की कई महिलाओ को संगठन में सदस्य दिलाई गई नगर अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर मुस्कान खान ने बताया कि यह उनके लिए गर्व की की बात है की व्यापारी एकता परिषद ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हे इस पद से सम्मानित किया उन्होंने बताया कि वह इस पद की गरिमा रखते हुए पूरी ईमानदारी और लगन के साथ कार्य करेगी और संगठन को ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगी प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि हमारा व्यापारी एकता परिषद संगठन एक ईमानदार और संघर्ष करने वाला संगठन है हमारा संगठन हमेशा छोटे बड़े सभी व्यापारियों के हित में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है और किसी भी तरह का उत्पीड़न व्यापारी पर बर्दाश्त नहीं करता और हमारा संगठन बहुत कम समय में कामयाबी की ऊंचाइयों पर है और हम व्यापारियों के हितों की लड़ाई हमेशा लड़ते आए है और लड़ते रहेंगे इस अवसर पर व्यापारी एकता परिषद संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा मुरादाबाद मंडल प्रभारी इंजीनियर मोहम्मद काशीफ जिला मंत्री राजीव कुमार नगर अध्यक्ष नजीबाबाद सचिन सिंघल जिला महामंत्री प्रशांत चौधरी जिला प्रभारी बिजनौर तारीख मसरूर मंडल उपाध्यक्ष मुरादाबाद अजहर बुखारी नगर उपाध्यक्ष नजीबाबाद ऐश्वर्या दुष्यंत सिंह और मोहम्मद शाहरुख साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी व फिजा नाहीद गुलनाज साफिया अफसाना राधा आदि महिलाएं बड़ी संख्या में मौजूद रही

एक वृक्ष मां के नाम अभियान को देंगे गति-अजय कुमार शर्मा

समाज जागरण

संभल। हिंदू जागृति मंच, भारतीय इतिहास संकलन समिति, दिव्य गंगा सेवा मिशन एवं केमिस्ट एसोसिएशन की संयुक्त बैठक में वृक्षारोपण सप्ताह मनाने का संकल्प लिया। जिसके अंतर्गत रविवार 12 जुलाई से शनिवार 18 जुलाई तक सार्वजनिक स्थानों पर एक वृक्ष मां के नाम अभियान को गति देते हुए वृक्षारोपण सप्ताह जोर शोर से उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा।

नगर के तिरंगा मार्केट में संपन्न हुई उक्त संगठनों की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय इतिहास संकलन समिति के जिला अध्यक्ष एवं हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण से कराहती हुई भारत माता की एक ही आवाज है प्रदूषण से मुक्त करो। इसके लिए हम सबको चाहिए कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, वृक्षों की सुरक्षा करें और वृक्षों को काटने से बचाएं। इसके लिए हिंदू जागृति मंच, भारतीय इतिहास संकलन समिति, दिव्य गंगा सेवा मिशन एवं केमिस्ट एसोसिएशन के कार्यकताओं के द्वारा 12 जुलाई से 18 जुलाई तक वृक्षारोपण सप्ताह मनाने का आह्वान किया और बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित एक वृक्ष मां के नाम अभियान को गति देते हुए सड़क किनारे, पार्कों, श्मशान घाट, तीर्थ, मंदिरों अन्य जहां जरूरी होगा वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए आम जनमानस का अपेक्षित सहयोग भी लिया जाएगा। हिंदू जागृति युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष वैभव गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण सप्ताह के अंतर्गत प्रतिदिन 200 पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति के मार्गदर्शन में नगरीय परिवेश अथवा ग्रामीण अंचल स्थित सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता स्थानीय सामाजिक जनों के सहयोग से पूर्ण करेंगे। बैठक में पंकज सांख्यधर, राजेंद्र गुर्जर, सुभाष चंद्र शर्मा, अतुल कुमार शर्मा, अरविंद शंकर शुक्ला, राहिल भारतीय, अंकुश त्यागी, मनोज गुप्ता, कमल शर्मा, रूप किशोर शर्मा,शलभ रस्तोगी आदि ने वृक्षारोपण अभियान में पूर्ण सहयोग करने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता अजय कुमार शर्मा ने की संचालन उमेश श्रीमाली ने किया।

ट्रॉमा सेंटर में चार घंटे तक एक्स-रे के लिए तड़पा घायल, हुआ हंगामा

- छत से गिरने पर कराया गया था भर्ती, मशीन और बिजली का हवाला देकर टालते रहे कर्मचारी
- पैसे होते तो प्राइवेट अस्पताल ले जाती- बहन

समाज जागरण

फिरोजाबाद। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल व्यवस्था का एक और मामला शनिवार को ट्रॉमा सेंटर में सामने आया। छत से गिरकर घायल हुए युवक को एक्स-रे कराने के लिए करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। आरोप है कि एक्स-रे कक्ष पर कभी बिजली नहीं होने तो कभी मशीन के लोड नहीं लेने की बात कहकर उन्हें लगातार टाल दिया गया। इलाज में हो रही देरी से नाराज परिजन ने ट्रॉमा सेंटर में हंगामा कर दिया, जिससे अस्पताल में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। थाना उत्तर क्षेत्र के नगला मिर्जा छोटा निवासी अरविंद (32) शुक्रवार रात छत से गिरकर घायल हो गया था। शनिवार सुबह उसकी बहन राखी उसे उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद एक्स-रे कराने के लिए लिखा। राखी का आरोप है कि सुबह करीब 10 बजे से भाई को स्ट्रेचर पर लेकर एक्स-रे के लिए इंतजार कर रही हैं, लेकिन दोपहर दो बजे तक जांच नहीं हो सकी। एक्स-रे कक्ष पर मौजूद कर्मचारियों ने कभी बिजली नहीं होने तो कभी मशीन के लोड नहीं लेने की बात कहकर उन्हें वापस भेज दिया।

राखी ने भावुक होकर कहा कि यदि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी होती तो वह भाई का इलाज किसी निजी अस्पताल में कराती। मजबूरी में सरकारी अस्पताल आईं, लेकिन यहां भी समय पर इलाज नहीं मिल रहा है। इलाज में देरी से आक्रोशित बहन ने ट्रॉमा सेंटर में करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। शोर-शराबा होने पर अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। इस दौरान कई मरीजों के तीमारदार अपने मोबाइल फोन से पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते नजर आए।

बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामिग्री को आनलाइन बेचने वाला दबोचा

- पकड़े गये युवक के विरुद्ध पास्को एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर शुरू की जांच
- पकड़े गये आरोपी को न्यायालय के आदेश पर भेजा गया सलाखों के पीछे

समाज जागरण

शिकोहाबाद। थाना पुलिस ने बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री के ऑनलाइन व्यापार में संलिप्त एक युवक को मोबाइल सहित किया गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह कार्यवाही एनसीआरपी पोर्टल के एनसीएमईसीटैब पर प्राप्त इनपुट के आधार पर त्वरित कार्यवाही की गई। टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से स्केम वीडियो बेचने एवं यूपीआई के जरिए भुगतान प्राप्त करने की जानकारी हुई। इस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध पोस्को एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि नोडल अधिकारी साइबर क्राइम राजेश गुनावत के पर्यवेक्षण में थाना पुलिस द्वारा बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री के ऑनलाइन व्यापार की जानकारी हुई तो पुलिस ने थाने पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। जांच में पाया गया कि थाना क्षेत्र निवासी विजय निवासी ओम

नगर टेलीग्राम ग्रुप (लड़की और लड़की के चैटिंग ग्रुप) के माध्यम से बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री (स्केम) बेचने का कार्य कर रहा था। पकड़े गये युवक द्वारा 200 में बड़ी संख्या में स्केम (सीएसईएएम) वीडियो उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया जा रहा था तथा भुगतान प्राप्त करने हेतु यूपीआई एवं अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों एवं प्रारम्भिक जांच के आधार पर थाना पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा धारा पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार द्वारा की जा रही है । उन्होंने बताया कि विवेचना के दौरान शनिवार को पुलिस टीम को सूचना मिली कि असुआ मोड़ पर बाल योन शोषण से जुड़ी सामिग्री बेचने वाला आरोपी कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी ने अपना नाम विजय राजपूत निवासी ओम नगर बताया। इस प्रकरण में आरोपित द्वारा बाल यौन शोषण संबंधी अश्लील सामग्री का संग्रहण, ऑनलाइन प्रसारण एवं बिक्री किये जाने के संबंध में अग्रिम इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है तथा प्रकरण में अन्य संभावित व्यक्तियों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

पत्रकार प्रेस महासंघ में विकास शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी, उत्तर प्रदेश पश्चिमी अध्यक्ष बनाए गए

पत्रकारिता और संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी, जिले में पत्रकारों ने जताई खुशी

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर / पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे चांदपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार विकास शर्मा को पत्रकार प्रेस महासंघ (दिल्ली) द्वारा बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने उन्हें उत्तर प्रदेश पश्चिमी अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। इस मनोनयन के बाद पत्रकारों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर है और उन्हें लगातार बधाइयाँ मिल रही हैं।

पत्रकार प्रेस महासंघ (पीपीएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिशा-निर्देश पर जारी मनोनयन पत्र में कहा गया है कि विकास शर्मा की कर्मठता, निष्ठा एवं पत्रकारिता के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। संगठन ने उनसे अपेक्षा व्यक्त की है कि वे पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन के विस्तार तथा समाजहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे।

मनोनयन पत्र के अनुसार विकास शर्मा संगठन को अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ पत्रकारिता के मूल्यों को बढ़ावा देने, लेखन एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यह मनोनयन अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। पत्र की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक, सूचना निदेशक, जिलाधिकारी बिजनौर, पुलिस अधीक्षक बिजनौर तथा जिला सूचना अधिकारी को भी प्रेषित की गई है।

विकास शर्मा के इस मनोनयन को जनपद बिजनौर सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पत्रकारों के लिए सम्मानजनक उपलब्धि माना जा रहा है। पत्रकारों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पत्रकारों के अधिकारों और हितों की आवाज को नई मजबूती मिलेगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

समाज जागरण

संभल। थाना असमोली पुलिस द्वारा शनिवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असमोली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों, साइबर अपराध से बचाव तथा विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षक विजेंद्र कुमार, आरक्षी निशांत, महिला आरक्षी रीनू तथा महिला होमगार्ड रश्मी ने महिलाओं को वूमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एंबुलेंस सेवा-108, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 एवं साइबर हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही साइबर ठगी से बचाव और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

प्री-प्राइमरी कार्यशाला में फिरोजाबाद ने परचम लहराया।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जनपद फिरोजाबाद के लिए गर्व का क्षण तब आया, जब पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, लखनऊ में आयोजित

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कोर ग्रुप मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत प्री-प्राइमरी क्षमता संवर्धन एवं संवाद कार्यक्रम में जनपद फिरोजाबाद की टीम ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यह सम्मान प्रशिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, नवाचारी शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया गया।

जनपद फिरोजाबाद का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में प्री-प्राइमरी नोडल एसआरजी जया शर्मा, डायट प्रवक्ता जयमाला, जिला समन्वयक प्रदीप कुमार, एआरपी विवेक थापक तथा नोडल शिक्षक अर्चना वर्मा शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान टीम के उत्कृष्ट कार्य एवं प्रभावी प्रस्तुति की विशेष सराहना की गई। प्रशिक्षण प्रभारी शिखा शुक्ला ने टीम फिरोजाबाद की सक्रियता, अनुशासन, नवाचारी शिक्षण दृष्टिकोण एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे अन्य जनपदों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, समर्पण, उत्कृष्ट समन्वय तथा गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। इस सफलता से जनपद फिरोजाबाद का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित हुआ है तथा प्रारंभिक बाल शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रेरणा और उत्साह का संचार हुआ है।

गुरुदेव के चातुर्मास हेतु हुआ कार्यालय का शुभारम्भ।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जैन धर्म के वैज्ञानिक संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 निर्भय सागर जी महाराज ससंघ के 41वें पावन वषायोग के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से श्री छदामीलाल जैन महावीर जिनालय, फिरोजाबाद में वषायोग कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। वषायोग समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार दिनांक 9 जुलाई (गुरुवार) सायं 6:30 बजे मंदिर प्रांगण में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिक, धर्मप्रेमी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री अनुप चन्द्र जैन (एडवोकेट) एवं श्री सौरभ जैन (शास्त्री) अपने विचार व्यक्त किये। वहीं कार्यालय उद्घाटन का शुभ कार्य श्री विनोद कुमार जैन 'मिलेनियम' (अध्यक्ष, दिगम्बर जैन परिषद) एवं श्री मुकेश कुमार जैन (अध्यक्ष, अखिल भारतीय प.पू. महासभा) द्वारा किया गया।

चित्र अनावरण का सौभाग्य श्री राहुल जैन (सिटीजन) एवं श्री अशोक कुमार जैन (तुलसी विहार) को प्राप्त हुआ। जबकि दीप प्रज्वलन श्री वीरेन्द्र कुमार जैन 'भदावर' एवं श्री राजीव जैन (अछ्उ) के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन (राजू डेकोरेटर), श्री ललितेश जैन (दुर्गेश ग्लास), श्री संजय जैन (बल्ले) एवं डॉ. मनीष जैन उपस्थित रहेंगे।

वषायोग समिति ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ तथा आचार्य श्री के 41वें पावन वषायोग को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएँ। इस आयोजन का संचालन परम पूज्य वैज्ञानिक संत आचार्य श्री 108 निर्भय सागर जी महाराज वषायोग समितिझ2026 द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजन में श्री दिगम्बर जैन परिषद, फिरोजाबाद, आचार्य श्री 108 निर्भय सागर दिगम्बर जैन पाठशाला परिषद एवं सकल जैन समाज, फिरोजाबाद का सहयोग रहेगा।

तेज हवा और बारिश के चलते कई स्थानो पर गिरे पेड़, सड़को पर यातायात बाधित

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना। बुधवार की देर शाम से तेज हवा के साथ लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से सरकारी अर्ध सरकारी कार्यालयो में जलभराव होने से जनजीवन प्रभावित हो गया तथा अनेक स्थानों पर पेड़ टूट कर गिरने से आवागमन बाधित रहा।

मौसम की पहली बारिश से शरीर को झुलसा देने वाली भीषण गर्मी से लोगों ने राहत की सांस ली है। बुधवार की देर शाम से तेज हवा के साथ हो रही लगातार बारिश से जहां सरकारी अर्द्ध सरकारी मुख्य मार्गों और मौहल्लों में जल भराव होने से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है वही एक दो स्थानों पर पेड़ टूट सड़क पर गिरने से नगीना धामपुर मार्ग 2 घंटे अवरूद्ध रहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कॉलोनी में खड़ा जामुन का पेड़ जड़ से टूट कर खाली पड़े मकान पर जा गिरा जब रात 12 बजे एक फार्मासिस्ट इमरजेंसी मैं सड़क हादसे में घायल कै इलाज के लिए जा रहा था, वो फार्मासिस्ट जाते समय बाल बाल बच गया।

उधर नेशनल हाईवे 74 स्थित रामलीला ग्राउंड के पास एक पेड़ टूट कर मुख्य मार्ग पर पेड़ के सड़क पर गिरने से आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पडा। बाद में सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर पड़े पेड़ को हटवाकर आवागमन शुरू कराया।

घर में घुसकर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला करने के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। गांव तितरवाड़ा निवासी सादा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके मकान के सामने सोनी की दुकान व मकान है। कुछ दिन पूर्व सोनी ने उनके साथ मारपीट की थी, जिस पर उन्होंने कोतवाली में तहरीर दे दी थी। उसके बाद से आरोपी उनके साथ रंजिश रखते थे। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे विपक्षी कौसर, सोनी, सिददा, कल्लू, महिला परवीन, रेशमा व सनव्वर हाथों में लाठी–डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए उसके बेटे जावेद, बेटी सना और पत्नी सलमो के ऊपर हमला कर दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। शोर–शराबा होने पर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

संघर्ष में एक पक्ष ने दर्ज कराया मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। गांव रामड़ा में हुए संघर्ष के मामले में एक पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। गांव रामड़ा में दो पक्षों में घर के पास दुकान के सामने खड़े होकर छींटाकशी को लेकर संघर्ष हुआ था, जिसमें चार लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने 14 लोगों का शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया था। एक पक्ष के जाबिर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे गांव के ही दो सगे भाई वशी और सालिम के अलावा अफसरून व रहीम खान लाठी–डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके भाई राशिद के घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके भाई राशिद, भाभी जाहिदा और भतीजे साहिब के ऊपर लाठी–डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। बाद में आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मजदूरी के रुपये मांगने पर युवक को पीटा

समाज जागरण

कैराना। मजदूरी के रुपये मांगने पर एक युवक के साथ मारपीट की गई। गांव मोहम्मदपुर राई निवासी उमर फारूक ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करके परिवार का पेट पालता है। उसके विपक्षी अफलातून पर मजदूरी के 20 हजार रुपये बकाया थे। गुरुवार शाम करीब चार बजे उसका बेटा रिहान अपने दोस्त आशु के साथ अफलातून के पास रुपये मांगने गया। इस दौरान अफलातून, सावेज, नदीम और आरिफ ने उसके बेटे के ऊपर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में उसका बेटा रिहान गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी में गए युवक को लाठी–डंडों से पीटा

समाज जागरण

कैराना। शादी में गए युवक के साथ लाठी–डंडों से मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कराया। मोहल्ला आलदरम्यान निवासी ऊषा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गुरुवार शाम करीब पांच बजे उसका बेटा विशाल पड़ोस में ललित के मामा की शादी में गया हुआ था। इस दौरान मोहल्ले के ही दो सगे भाई कपिल व निखिल के अलावा रोली तथा विकास ने उसके बेटे को लाठी–डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसका बेटा बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क हादसों में मजदूर की मौत, तीन घायल

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) दो अलग–अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि तीन युवक घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

शनिवार प्रातः करीब दस बजे गांव मामौर निवासी 21 वर्षीय सुफियान अपने साथी गांव के ही सौरभ के साथ बाइक द्वारा हरियाणा के पानीपत के निंबरी में कंबल फैक्ट्री में मजदूरी के लिए जा रहा था। पानीपत रोड पर मवी–हैदरपुर फ्लाईओवर के पास दूसरी बाइक से भिड़ंत हो गई, जिस कारण वे दोनों घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक सवार मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस ने घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने सुफियान को मृत घोषित कर दिया। जबकि सौरभ का उपचार किया गया। मजदूर की मौत पर परिजनों में कोहराम मच गया। सुफियान चार भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके दो बहनें भी हैं। पिता नूरमोहम्मद भी मजदूरी करते हैं। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दूसरे हादसे में झिंझाना क्षेत्र के गांव रोटन निवासी नदीम व आमवाली निवासी सुमित सनौली फैक्ट्री जा रहे थे।

गांव पंजीठ के पास पिकअप गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी, जिस कारण दोनों घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें रेफर कर दिया।

थाना समाधान दिवस में पहुंची सिर्फ दो शिकायत, टीम गठित कर जांच के निर्देश

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

शनिवार को थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस में फरियादियों की संख्या बेहद कम रही। समाधान दिवस के दौरान दो शिकायत दर्ज हुई, जिसके निस्तारण के लिए अधिकारियों ने संयुक्त टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए। शनिवार को थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस में नायब तहसीलदार सतीश यादव और प्रभारी उप निरीक्षक अमित कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं। मोहल्ला गुजरान निवासी नौशाद पुत्र मारूफ ने एक महिला समेत तीन लोगों पर उसकी जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। दूसरी और कस्बा निवासी वसीम ने अपने पड़ोस के व्यक्ति

पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया।शिकायत पर कार्रवाई करते हुए निस्तारण के लिए अधिकारियों ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, मेरठ ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

समाज जागरण कांधला।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ रेफर कर दिया। मेरठ ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। बाइक सवार की मौत से परिजनों में कोहराम मच हुआ है। शनिवार को शामली निवासी 35 वर्षीय सुनील वर्मा अपनी बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से बागपत जनपद के कस्बा बड़ौत गए थे। कार्य पूरा करने के बाद वह बाइक से शामली लौट रहे थे। जैसे ही वह थाना क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित राज गार्डन के निकट पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ रेफर कर दिया, लेकिन मेरठ ले जाते समय रास्ते में ही सुनील ने दम तोड़ दिया।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजन बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव को अपने साथ घर ले गए। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना परिसर में आज लगाए जाएंगे 1100 पौधे, प्रभारी निरीक्षक ने लिया जायजा

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार को जनपद सहित पूरे प्रदेश में पौधारोपित किए जाएगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत थाना कांधला परिसर में भी करीब 1100 पौधे रोपे जाएंगे। इसे लेकर शनिवार को थाना परिसर में तैयारियां की गईं। पौधारोपण के लिए गड्ढे खोदने का कार्य कराया गया तथा पौधों के संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने थाना परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न रहे और पौधों के लिए खाद, पानी व अन्य आवश्यक संसाधनों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और लगातार कम होते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है, तभी वृक्षारोपण अभियान का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक आगे आएं और अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें।

वार्ड-11 में चला विशेष सफाई अभियान, फॉगिंग व दवा छिड़काव कराया

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

नगर पालिका परिषद की टीम ने वार्ड सभासद के साथ मिलकर संचारी रोग नियंत्रण एवं स्वच्छता अभियान के तहत वार्ड-11 में विशेष सफाई अभियान चलाया। सफाई कर्मचारियों ने गलियों व सार्वजनिक स्थानों की सफाई, नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग कर मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के उपाय किए अभियान की निगरानी सफाई निरीक्षक शैसिल मलिक, सफाई लिपिक अमरेश कुमार और सफाई नायक राशिद खान ने की। वार्ड सभासद प्रदीप भार्गव के सहयोग से पूरे क्षेत्र में सफाई कार्य कराया गया। नगर पालिका लिपिक ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए स्वच्छता, दवा छिड़काव और फॉगिंग अभियान नगर भर में आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भाई पर घर में घुसकर आत्महत्या का प्रयास करने का आरोप, बहन ने मांगी पुलिस सुरक्षा

समाज जागरण कांधला।

कस्बे की एक महिला ने अपने भाई पर घर में घुसकर आत्महत्या का प्रयास करने और उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।कस्बा निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि वह कस्बे में किराये के मकान में रहती है। आरोप है कि उसका भाई उसके घर पहुंचा और धारदार हथियार से स्वयं को घायल कर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद महिला ने तत्काल डायल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गया।पीड़िता ने आशंका जताई है कि उसका भाई

उसे झूठे मामले में फंसाने का प्रयास कर सकता है।महिला ने पुलिस से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महानिदेशक पर्यटन ने 12 जुलाई को होने वाले महायज्ञ–2026, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक कर की समीक्षा

समाज जागरण

मीरजापुर /महानिदेशक पर्यटन उ0 प्र0/नोडल अधिकारी वृक्षारोपण डॉ वेदपति मिश्रा ने अष्टभुजा गेस्ट हाउस सभागार में 12 जुलाई को को होने वाले महायज्ञ एवं एक पेड़ मां के नाम के उद्देश्य व जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा नोडल अधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 97लाख 61 हजार 6 सौ लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि सभी सम्बन्धित विभागो को मांग पत्र के अनुसार पौध उपलब्ध करा दिया गया है यह भी बताया गया कि जिन विभागो द्वारा किस प्रकर प्रजाति के पौध की आवश्यकता थी उनको वहीं पौध उन्हें उपलब्ध करा दिया गया है। महानिदेशक पर्यटन उ0प्र0/नोडल अधिकारी वृक्षारोपण महायज्ञ ने सभी सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि आप लोगो द्वारा जिन-जिन स्थानों को चिन्हित किया गया है उन सभी स्थानों पर लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जो पौध लगाए जा रहे है वे जीवित रहे। उन्होंने कहा कि सभी पौधो की शत प्रतिशत जियोटैगिंग व सम्बधित पोर्टल पर फोटोग्राफ अपलोड उसी दिन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इसकी मानिटरिंग शासन स्तर से की जायेगी अतएव हर घंटे जियो टैगिंग व सम्बन्धित पोर्टल पर फोटोग्राफ की मानिटरिंग की जाएगी। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने नोडल अधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है जिस प्रजातियो के पौध विलुप्त हो रहे है उनका भी पौध रोपण के माध्यम से जीवंत किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार, अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज अजीत कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सराफा व्यवसायी के यहां चोरी पर सोनार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जताई संवेदना, तीन दिन में खुलासे का मिला आश्वासन

समाज जागरण

मीरजापुर / लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा बाजार में सराफा व्यवसायी के यहां हुई लाखों रुपये के आभूषणों की चोरी की घटना के बाद अखिल भारतीय सोनार समाज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार सोनी शुक्रवार को बरौंधा बाजार पहुंचे। उन्होंने पीड़ित व्यवसायी से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।बीते छह-सात जुलाई की रात बरौंधा बाजार निवासी सराफा व्यवसायी लालचंद सोनी पुत्र हीरालाल के प्रतिष्ठान में चोरों ने सीसीटीवी कैमरे का केबल काटकर डीवीआर निकाल लिया तथा दुकान में रखे सोने-चांदी के लाखों रुपये मूल्य के आभूषण चोरी कर लिए। चोर आभूषण निकालने के बाद खाली डिब्बे मकान के पीछे फेंक गए। घटना के संबंध में पीड़ित की तहरीर पर लालगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। घटना की सूचना मिलने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार सोनी ने मौके पर पहुंचकर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा कराने की मांग की। इस पर मंत्री ने तीन दिन के भीतर घटना का खुलासा कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान भाजपा मंडल गड़बड़ा के उपाध्यक्ष सौरभ कुमार प्रजापति भाजयुमो उपाध्यक्ष मनीष कुमार सोनी, पंकज सोनी,

राजेन्द्र मोदनवाल, राम चंद्र सोनी, सत्य प्रकाश पटेल, अरूण कुमार गुप्ता, मोनू कोल सैकड़ो की संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर लगने साइकिल सवार की रास्ते में मौत

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के आगरा मुरादाबाद हाईवे गांव ईटाऊआ पर साइकिल सवार गांव बाघऊ निवासी मुश्ताक पुत्र नजीर 60 वर्ष को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। राहगीर सूचना पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर अलीगढ़ रेफर कर दिया। परिजन उपचार को ले जाते समय घायल मुस्ताक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया जहां परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं दी गई है तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी

दबंग युवक ने बुजुर्ग पर किया धारदार हथियार से हमला

समाज जागरण

संभल। बच्चों के बाहर खेलने से गुस्साए युवक ने गंदी-गंदी गालियां देकर धमकाना शुरू कर दिया, बच्चों की मां और उसके पति ने गालियां देने का विरोध किया तो आरोपी युवक ने धारदार हथियार सिर के पीछे मारकर लहू लुहान कर दिया, पीड़ित युवती ने युवक की मां पर उसके पति के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए नखासा थाने में मां बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए नामजद तहरीर दी है,ठंडी कोठी दीपा सराय निवासी गुंजा फिरदौस पत्नी नजीब अख्तर ने नखासा थाने को दी तहरीर में बताया कि सुबह 9:00 बजे उसके बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे तभी इसी मोहल्ले का रहने वाला अपराधी प्रवृत्ति का जमशेद उसके बच्चों को भद्दी भद्दी गलियां देते हुए जान से मारने की धमकियां देने लगा, जब बाहर आकर उसने जमशेद के गालियां देने का विरोध किया तो वह आग बबूला हो गया,आरोप है कि जमशेद और उसकी मां रेशमा परवीन उसपर भी हमलावर हो गए, चीख पुकार सुनकर उसके पति नजीब अख्तर दौड़े दौड़े बाहर आए और उन्होंने भी जमशेद और उसकी मां को गलियां ना देने के लिए समझाया परंतु मां बेटे भद्दी भद्दी गालियां देने से बाज नही आए, पीड़िता गुंजा फिरदौस ने कहा कि जब उसके पति ने जमशेद और उसकी मां रेशमा परवीन को ज्यादा समझाया तो आरोप है कि जमशेद ने धारदार हथियार से सिर के पीछे वार कर पति को लहूलुहान कर दिया, पति के सिर में बहुत गहरी चोटे आई हैं, पीड़ित गुंजा फिरदौस ने यह भी आरोप लगाया कि पति पर हमला कर जमशेद जान से मारने की धमकियां देकर वहां से फरार हो गया, उसके पति नजीब अख्तर को घायल अवस्था में आस-पड़ोस के लोगो की मदद से थाने और उसके बाद जिला अस्पताल लाया गया जहां से गंभीर सिर में चोटों को देखते हुए डॉक्टरो ने मुरादाबाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

साप के काटने से किशोर अचेत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव में सर्पदंश से एक किशोर अचेत हो गया। स्वजनों ने उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया। उपचार के बाद किशोर की हालत सामान्य बताई जा रही है। रबी 14 वर्षीय पुत्र मूलचंद रात मे भोजन करने के बाद घर में चारपाई पर सो रहा था। शनिवार भोर में किसी समय चारपाई पर चढ़े सर्प ने उसे डस लिया। कुछ देर बाद किशोर की हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों उसे निजी वाहन से रबी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया ले गए। वहां तैनात चिकित्सक ने उसका उपचार किया। चिकित्सक के अनुसार समय पर उपचार मिलने से किशोर की हालत अब सामान्य है।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी, दी तहरीर

समाज जागरण

बबराला थाना व नगर में स्थित रेलवे लाईन पार शिवपुरी मौहल्ले में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से एक किसान की बाइक चोरी हो गई शिकायत के बाद पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू दी है बता दें कि बबराला नगर के लोहिया कालोनी निवासी नारायन सिंह लगनी वाली साप्ताहिक बाजार बबराला में शुक्रवार को देर शाम बाइक लेकर सब्जी खरीदने गए थे जिसके बाद सब्जी खरीदने के कुछ मिनटों बाद बाइक पर वापस लौटे तो बाइक मौके से गायब थी इधर-उधर का भी तलाश किया लेकिन कोई अता पता नहीं चला हालांकि पीड़ित नारायण ने बबराला थाने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात बाइक चोर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ऑकलैंड में आयोजित "किया ओरा मोदी" कार्यक्रम में न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की विशाल सभा को संबोधित किया। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री, माननीय क्रिस्टोफर लक्सन भी विशेष रूप से उपस्थित थे। 10,000 से अधिक भारतीय प्रवासियों की सभा में गर्मजोशी, ऊर्जा और उत्साह था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत प्रधानमंत्री लक्सन को उनकी गरिमामय उपस्थिति और कीवी-भारतीय समुदाय के कल्याण सहित द्विपक्षीय साझेदारी के लिए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए की। उन्होंने समुदाय द्वारा किए गए विशेष स्वागत की सराहना की। भारतीय समुदाय एक सक्रिय शक्ति के रूप में उभरा है और न्यूजीलैंड में जीवन के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करते हुए अपनी संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए समुदाय की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति (अराजनैतिक) द्वारा भूमि अधिग्रहण मुद्दे को लेकर 5 वे दिन भी जारी रहा धरना

समाज जागरण

चंदौसी राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति (अराजनैतिक) द्वारा भूमि अधिग्रहण मुद्दे को लेकर 5 वे दिन राहुल कश्यप के नेतृत्व में धरना जारी रहा धरने पर बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया तथा किसानों ने अपनी अपनी समस्याएं पदाधिकारियों के सामने रखी जिसमें मुख्य समस्याएं किसने की ज्यादातर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने के संबंध में थी जिस पर जिला अध्यक्ष राहुल कश्यप ने सभी किसानों को धरना स्थल पर संबोधित करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव होने वाला है किसान पदाधिकारी इस सरकार का समर्थन करेंगे रिपोर्ट जो स्वामीनारायण आयोग की रिपोर्ट लागू करने का एजेंडा शामिल हो जिस पर धरना स्थल पर मौजूद सभी किसानों ने एक राय जारी की आगे जिला अध्यक्ष ने कहा कि सभी किसान जिस दिन महापंचायत हो अपने-अपने क्षेत्र से भारी संख्या में ट्रैक्टर ट्रालियों को लेकर सभी धरना स्थल पर पहुंचे बिजली खाद खेती से संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण अधिकारियों की मौजूदगी में कराया जाएगा भाई किसान मोर्चा की चंदौसी के नगर अध्यक्ष चीनू जैन

ने कहा कि आज किसानों की समस्याएं अनेक है उनके लिए किसान हर आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग ले तभी किसानों की समस्याओं का समाधान होगा प्रशासन चाहे कितने भी मुकदमे लगाए किसी बात से ना ही हम डरने वाले किसान हैं उन्होंने आगे कहा कि आज का प्रशासन किसानों के हित में काम ना करके सरकार की सरकार की चापलूसी में लगे रहते है इस मौके पर अमर सिंह तोमर उदय पाल सिंह रामेश्वर दयाल शर्मा वीरेंद्र तोमर अनिल कुमार तोमर नरेश

शर्मा भीकम जाटव लेखराज मौर्य महावीर सिंह अजय कुमार सुदेश कुमार सुदेश नरेश शर्मा हरिओम शर्मा रामेश्वर पाल रामप्रसाद मौर्य मनोज कुमार बबलू महेंद्र मौर्य आदि लोग मौजूद रहे

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

नोएडा में विदेशी नागरिकों से साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

बिसरख पुलिस ने 6 लैपटॉप, 7 मोबाइल और अन्य उपकरण किए बरामद, अमेरिकी नागरिकों को बनाते थे निशाना

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः थाना बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से विदेशी नागरिकों के साथ साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से ठगी में प्रयुक्त 6 लैपटॉप, 7 मोबाइल फोन, एक हेडफोन, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा 5,200 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकिब अमीन, चर्चित शर्मा, कृष्णा देव वर्मन, एंजल देव वर्मन, रंजना सुनार और रेखा के रूप में हुई है। सभी को थाना बिसरख क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। अधिकांश आरोपी वर्तमान में बिसरख क्षेत्र की चेरी काउंटी सोसायटी में रह रहे थे।

ऐसे करते थे साइबर ठगी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गूगल पर वायरस हटाने, बग फिक्स करने और साइबर सिक्योरिटी से संबंधित फर्जी विज्ञापन चलाते थे। जब कोई विदेशी नागरिक इंटरनेट पर तकनीकी सहायता के लिए नंबर

खोजता था, तो वह आरोपियों द्वारा दिए गए फर्जी नंबरों तक पहुंच जाता था। इसके बाद आरोपी स्वयं को सोशल सिक्योरिटी अधिकारी बताकर विशेष रूप से अमेरिकी नागरिकों को झांसे में लेते और विभिन्न तरीकों से साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

आईटी एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मु.अ.सं. 458/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी में मुकदमा दर्ज किया है। बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कर गिरोह के नेटवर्क और ठगी की कुल रकम का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

सस्ते सोलर पैनल का झांसा देकर 15.5 लाख की ठगी, साइबर क्राइम पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत कार्रवाई, कई राज्यों में दर्ज हैं शिकायतें

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः गौतमबुद्धनगर की थाना साइबर क्राइम पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सस्ती कीमत पर सोलर ऊर्जा पैनल लगाने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड, एक चेकबुक और 'HRIDHAAN' फर्म का विजिटिंग कार्ड बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन कुमार (24 वर्ष), निवासी झिलमिल, शाहदरा (दिल्ली) तथा अभिषेक शर्मा (36 वर्ष), निवासी ग्रेटर नोएडा वेस्ट, थाना बिसरख के रूप में हुई है।

ऐसे करते थे ठगी

जांच में सामने आया कि आरोपी नामचीन कंपनियों के सोलर पैनल कम कीमत पर लगाने का झांसा देकर लोगों से एडवांस भुगतान ले लेते थे, लेकिन न तो सोलर पैनल लगाते थे और न ही पैसे वापस करते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी नोएडा और एनसीआर के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी कार्यालय खोलकर लोगों को अपना शिकार बनाते थे।

पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने अब तक करीब 15.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। इनके खिलाफ उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में कुल आठ शिकायतें दर्ज हैं।

मुकदमा दर्ज, जांच जारी

थाना साइबर क्राइम में आरोपियों के खिलाफ मु.अ.सं. 216/2026 के तहत धारा 318(4), 319(2), 238(सी), 61(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं या नहीं।

पुलिस की साइबर सलाह

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सोलर पैनल या अन्य योजनाओं के नाम पर मिलने वाले आकर्षक प्रस्तावों से सतर्क रहें। किसी भी ऑनलाइन भुगतान से पहले संबंधित कंपनी की सत्यता की जांच अवश्य करें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

अम्रपाली प्रिंसली एस्टेट में अवैध अतिक्रमण के विरोध में निकला कैंडल मार्च

कॉमन एरिया पर कब्जे का आरोप, निवासियों ने पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाः नोएडा के सेक्टर-76 स्थित अम्रपाली प्रिंसली एस्टेट में कॉमन एवं स्टिल्ट एरिया में कथित अवैध अतिक्रमण के विरोध में रविवार को बड़ी संख्या में निवासियों ने शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। विभिन्न टावरों के निवासी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और सोसाइटी के साझा क्षेत्रों पर किए गए कथित अतिक्रमण को लेकर अपनी नाराजगी जताई।

कैंडल मार्च के दौरान निवासी सोसाइटी के उस मेंटेनेंस कार्यालय के बाहर एकत्र हुए, जिसके बारे में उनका आरोप है कि उसका निर्माण सार्वजनिक एवं स्टिल्ट क्षेत्र में अतिक्रमण कर किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय के बाहर मोमबत्तियां जलाकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया और मांग की कि सार्वजनिक क्षेत्रों से सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं। साथ ही भविष्य में किसी भी निर्माण से पहले नियमों और निवासियों के अधिकारों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

प्रदर्शन में शामिल निवासियों का कहना था कि जिस संस्था का दायित्व सोसाइटी में नियमों का पालन कराना और अवैध अतिक्रमण रोकना है, यदि वही सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण को बढ़ावा देगी तो इससे लोगों का कानून और व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होगा।

निवासियों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि सोसाइटी के साझा क्षेत्रों की सुरक्षा, पारदर्शिता, कानून के शासन और सभी निवासियों के समान अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने संबंधित प्राधिकरणों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कुछ निवासियों ने एओए (अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन) पर भी मनमाने ढंग से कार्य करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि वित्तीय लेन-देन, ठेकों के आवंटन और संबंधित एजेंसियों की जानकारी निवासियों के साथ साझा नहीं की जाती, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

निवासियों के अनुसार, इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उप-पंजीयक (डिप्टी रजिस्ट्रार) कार्यालय द्वारा एओए के अभिलेखों एवं वित्तीय रिकॉर्ड के ऑडिट के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं।

कैंडल मार्च शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने लोकतांत्रिक और कानूनसम्मत तरीके से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे भी आवाज उठाने का संकल्प लिया।

(नोटः खबर में लगाए गए आरोप प्रदर्शनकारी निवासियों के हैं। एओए या संबंधित पक्ष का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।)

नोएडाः सेक्टर-39 पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा, चोरी की पीतल की मूर्तियां और अवैध तमंचा बरामद

सेक्टर-40 के घर में चोरी की वारदात का खुलासा, आरोपी के खिलाफ पहले भी दर्ज हैं कई मुकदमे

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडाःथाना सेक्टर-39 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो पीतल की मूर्तियां, एक पीतल का घड़ा तथा एक अवैध तमंचा और .315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान समीर पठान पुत्र तैय्यब पठान के रूप में हुई है। उसे सर्विस रोड स्थित बस स्टॉप के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से कोतवाली, बुलंदशहर का निवासी है और वर्तमान में खजूर कॉलोनी, सेक्टर-45, नोएडा में रह रहा था। उसकी उम्र करीब 22 वर्ष बताई गई है।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह

रात के समय घरों में घुसकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। पुलिस के अनुसार, उसके कब्जे से बरामद करीब 1 किलोग्राम और 12 किलोग्राम वजन की दो पीतल की मूर्तियां तथा लगभग 7 किलोग्राम वजन का पीतल का घड़ा सेक्टर-40 स्थित एक घर से बीती रात चोरी किए गए थे। यह बरामदगी थाना सेक्टर-39 में दर्ज मुकदमा संख्या 328/2026 से संबंधित है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा और .315 बोर का एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 305(ए), 317(2) बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार समीर पठान का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ थाना सेक्टर-39 में चोरी और आर्म्स एक्ट से संबंधित कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहा है या नहीं।

ग्रेटर नोएडा में विदेशी साइबर ठग गिरफ्तार, 67 एटीएम कार्ड, 5 लाख नकद और कार बरामद

मेट्रिमोनियल साइट और महंगे गिफ्ट के नाम पर करता था ठगी, एनसीआरबी में मिले 43 शिकायतों के रिकॉर्ड

संदीप गर्ग समाज जागरण ग्रेटर नोएडाः थाना सूरजपुर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी में संलिप्त एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 67 एटीएम/डेबिट कार्ड, 16 मोबाइल फोन (8 स्मार्टफोन व 8 की-पैड फोन), डोंगल, 5 लाख रुपये नकद तथा एक होंडा सिटी कार बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओयोटोला ओरेमेड (Oyotola aremade) पुत्र बेंजामिन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से लागोस (नाइजीरिया) का निवासी है और वर्तमान में ग्रेटर नोएडा में रह रहा था। आरोपी को ओमिक्रॉन-3 सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया।

स्टूडेंट वीजा पर आया, साइबर ठगी का रैकेट चलाता था

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी स्टूडेंट वीजा पर भारत आया था। वह लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर सिम कार्ड खरीदवाता और बैंक खातों की

जानकारी हासिल कर इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से साइबर ठगी को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मेट्रिमोनियल वेबसाइटों पर शादी का झांसा, दोस्ती कर महंगे गिफ्ट भेजने का लालच तथा कस्टम ड्यूटी के नाम पर रकम वसूलने जैसी साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पीड़ितों से बैंक खातों में पैसे मंगवाने के बाद वह मोबाइल बैंकिंग और एटीएम के माध्यम से रकम निकाल लेता था।

43 शिकायतें मिलीं, आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने बताया कि आरोपी से बरामद एटीएम और डेबिट कार्डों की जांच के दौरान एनसीआरबी पोर्टल पर 43 शिकायतें दर्ज मिली हैं। आरोपी के खिलाफ थाना सूरजपुर में मु.अ.सं. 383/2026 के तहत धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क, बैंक खातों, अन्य सहयोगियों और ठगी से अर्जित धनराशि की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोग देश के विभिन्न राज्यों में सक्रिय हैं या नहीं।

ग्रेटर नोएडाः इकोटेक-1 पुलिस ने अवैध शराब तस्कर को दबोचा, 105 पव्वे देशी शराब बरामद

बीट पुलिसिंग के दौरान कार्रवाई, आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

संदीप गर्ग समाज जागरण ग्रेटर नोएडाः थाना इकोटेक प्रथम पुलिस ने बीट पुलिसिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 105 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास पुत्र सत्यप्रकाश के रूप में हुई है। उसे एएमआर मॉल कट तिराहा, ग्राम घरबरा के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से जारथल, थाना मिरहची, जनपद एटा का

निवासी है और वर्तमान में ग्राम खानपुर, थाना कासना, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। उसकी उम्र 25 वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 105 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद कर जब्त कर लिए हैं। आरोपी के विरुद्ध थाना इकोटेक प्रथम में मु.अ.सं. 0078/2026 के तहत धारा 60 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस का कहना है कि जनपद में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में 14.90 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत बीटा-2 पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई, 4 मोबाइल फोन बरामद

संदीप गर्ग समाज जागरण ग्रेटर नोएडाः थाना बीटा-2 पुलिस और एसओजी ग्रेटर नोएडा की संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत कार्रवाई करते हुए 14.90 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रीतम पुत्र कांची रावल, निवासी घोड़ी बछेड़ा, थाना दादरी (गौतमबुद्धनगर) तथा सन्नी ठाकुर पुत्र सुरेश ठाकुर, निवासी साहिबाबाद (गाजियाबाद) के रूप में हुई है। दोनों को थाना बीटा-2 क्षेत्र के अल्फा-2 से गिरफ्तार किया गया।

जांच में ऐसे हुआ खुलासा

पुलिस के अनुसार, एनसीआरपी और समन्वय पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से प्राप्त साइबर ठगी की शिकायतों की जांच के दौरान बैंक खातों और

डिजिटल साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि 10 सितंबर 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति ने साउथ इंडिया बैंक के साथ 49.39 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी।

जांच के दौरान पता चला कि ठगी की राशि तीन अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी, जिनमें से 14.90 लाख रुपये आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एक खाते में पहुंचे। यह बैंक खाता आरोपी प्रीतम के नाम पर पंजीकृत पाया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि प्रीतम ने अपने साथी सन्नी ठाकुर के साथ मिलकर संगठित तरीके से साइबर ठगी को अंजाम दिया।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना बीटा-2 में मु.अ.सं. 252/2026 के तहत धारा 112 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधियों के नेटवर्क की जांच जारी है और जल्द ही इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

पेटेंट बदल देगा ऊंटों की सूरत-सीरत

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के डॉ. मुकुल सैन प्रतिभा के धनी, नवाचार के प्रति उनका नजरिया बेमिसाल, 2024 से लेकर 2026 तक 12 आईपीआर ग्रांटेड, इनमें से 10 आईपीआर भारतीय हैं, कनाडा से 01 कॉपीराइट भी उनकी उपलब्धियों में शुमार, डॉ. सैन की झोली में आधा दर्जन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस है, देश-विदेश में 28 शोध पत्रों के संग-संग अब तक दो किताबें भी हो चुकी हैं प्रकाशित

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के डॉ. मुकुल सैन ने नवाचार में ऊंची छलांग लगाई है। डॉ. सैन ने घुमन्तू ऊंट पालकों के लिए जीवनदायिनी सरीखा डिजाइन पेटेंट यूके से प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है, इन दिनों राजस्थान में न केवल ऊंटों का जीवन संकट में है, बल्कि घुमन्तू पालकों की रोजी-रोटी पर भी दांव लगा है। यूं तो ऊंटों की संख्या राजस्थान में सर्वाधिक है। एक आंकड़ें के मुताबिक हिन्दुस्तान में कुल ऊंटों का 85 प्रतिशत ऊंट केवल राजस्थान में पाए जाते हैं। यह बात दीगर है, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, यूपी आदि में भी ऊंटों का पालन किया जाता है। एक दर्जन पेटेंट अपनी झोली में रखने वाले डॉ. सैन ने इनके दर्द को संजीदगी से समझा है। इस पेटेंट से उन्होंने रेगिस्तान का जहाज कहे जाने वाले ऊंटों और उनके कारोबारियों के लिए आशा की किरण जगा दी है। डॉ. सैन को सोलर असिसटेड मोबाइल कैमल डेयरी मिल्किंग मशीन का यूके के इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स ऑफिस से डिजाइन पेटेंट मिला है। यदि यह जमीनी हकीकत में बदलता है तो डिजाइन की गई इस मशीन में रेगिस्तान में भी 04 डिग्री तापमान तक घुमन्तू ऊंटों का दूध स्टोर किया जा सकता है। 20 लीटर क्षमता के डिजाइन की लागत करीब 1 से 1.5 लाख तक रहेगी। इस मशीन में चराई के दौरान मिल्किंग के बाद दूध ऑटोमेटिक ही ठंडा और स्टोर हो जाएगा। यह सौर ऊर्जा पर आधारित है, जोकि रेगिस्तान में भरपूर मात्रा में मिलती है। टीएमयू के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन इस एक्सक्लूसिव पेटेंट डिजाइन पर डॉ. मुकुल सैन को बधाई देते हुए कहते हैं, यह पेटेंट ऊंटों और ऊंट पालकों के लिए बेशकीमती सौगात है। उन्होंने उम्मीद जताई, इस नवाचार से ऊंट के दूध का गुणवत्तापूर्ण संरक्षण के संग-संग बाजार का भी विस्तार होगा। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के डीन प्रो. प्रवीन कुमार जैन कहते हैं, कॉलेज के लिए यह गौरव का विषय है। ऐसे प्रसंस्करण भविष्य में दूध के क्षेत्र में नई संभावनाएं और नवाचार के द्वार खोलेंगे।

पंजाब के अबोहर में जन्मे डॉ. सैन ने ऊंटों और ऊंट पालकों के दर्द को करीब से देखा है। छोटूपन में यह दंश तो वह नहीं समझ पाए लेकिन एग्रीकल्चर और डेयरी में उच्च शिक्षा-दीक्षा के दौरान उन्होंने ऊंटों के जीवन कल्याण की ठानी। सोचा एक ऐसा डिजाइन ईजाद किया जाए, जिससे इनके दिन बहुर जाएं। डॉ. सैन नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिटयूट- एनडीआरआई, करनाल से डेयरी इंजीनियरिंग में पीएचडी हैं। राजस्थान के बीकानेर में प्रवास के दौरान उन्होंने ऊंट के दूध की गुणवत्ता के संरक्षण की ठानी, क्योंकि इसमें औषधीय गुण हैं। जैसे ऊंट का दूध बेनिफिसियल एक्टिव प्रोटीन से भरपूर है। डायबिटीज और पेट के रोगों में वरदान है। इसका प्रयोग ऑटिज्म रोगियों के लिए भी किया जाता है। अब तक इसका सर्वाधिक बाजार मिल्क पाउडर के रूप में है। अब उम्मीद की जाती है, यह लिक्विड रूप में भी मिल जाएगा। डॉ. सैन प्रतिभा के धनी हैं। नवाचार के प्रति उनका नजरिया बेमिसाल है। 2024 से लेकर 2026 तक 12 आईपीआर ग्रांटेड हैं। इनमें से 10 आईपीआर भारतीय हैं, कनाडा से 01 कॉपीराइट भी उनकी उपलब्धियों में शुमार हैं। डॉ. सैन की झोली में आधा दर्जन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस हैं। 28 शोध पत्र देश-विदेश में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. सैन की 2020 में नेचुरल फाइबर कंपोजिस्ट्स, 2023 में फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड फूड साइंसेज पब्लिश हो चुकी हैं। इसके अलावा वेलेराइजेशन ऑफ वेस्ट राइस स्ट्रा और एडवांसेज इन इंडीजीनियस डेयरी प्रोडक्ट्स की पांडुलिपियां प्रकाशकों के पास हैं। इन पुस्तकों को स्प्रिंजर सरीखे इंटरनेशलन पब्लिशर्स प्रकाशित करेंगे। इसके अलावा आठ इंटरनेशनल बुक चैप्टर समेत एक लैब मैन्युअल भी उनकी झोली में है। डॉ. सैन भविष्य की प्लानिंग बताते हुए कहते हैं, दूध हमेशा से उनके चिंतन और मनन का विषय है। वह अब दूध के उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की तकनीकों पर भी रिसर्च करेंगे।

कानपुर में महिलाओं के गुप्त वीडियो बनाने का सनसनीखेज मामला, आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण कानपुरः उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने एक 24-25 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि वह अपने ही परिवार की महिलाओं और युवतियों के बाथरूम में नहाते समय चोरी-छिपे आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करता था और उन्हें अपने गूगल ड्राइव पर सुरक्षित रखता था।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संदिग्ध आपत्तिजनक सामग्री का पता चलने पर इसकी सूचना भारतीय एजेंसियों को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग

पोर्टल के माध्यम से मिली। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच, आईपी एड्रेस ट्रैकिंग और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई।

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन और डिजिटल डेटा जब्त कर जांच की, जिसमें कथित तौर पर कई आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिले हैं। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया।

पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इस प्रकार की हरकत कब से की और क्या आपत्तिजनक सामग्री कहीं साझा भी की गई थी।

'नया सवेरा 3.0' के तहत बड़ी कार्रवाई, पांच पीड़ित महिलाओं का रेस्क्यू, चार गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

11 जुलाई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित विशेष अभियान 'नया सवेरा 3.0' के तहत मानव तस्करी, बाल श्रम, देह व्यापार तथा इससे जुड़े अपराधों के विरुद्ध जिले में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 10 जुलाई को बहादुरगंज थाना क्षेत्र के प्रेम नगर इलाके में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 के नेतृत्व में विशेष छापेमारी की गई।

पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान कथित रूप से संचालित एक अवैध गतिविधि के अड्डे से पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न स्थानों की पांच पीड़ित महिलाओं का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सभी पीड़िताओं को संरक्षण में लेकर उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। इसके बाद उन्हें नियमानुसार न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आशा बेगम (35 वर्ष), पति स्व. मो. सलमान, निवासी प्रेम नगर, थाना बहादुरगंज, जिला किशनगंज, दिवाकर पंडित (20 वर्ष), पिता विनोद पंडित, निवासी मछली मार्केट, खुशीर्पाड़, भिलाई, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़), मो. असद (28 वर्ष), पिता मो. नसीम, निवासी लोहागाड़ा, थाना बहादुरगंज, जिला किशनगंज तथा नासीर आलम (20 वर्ष), पिता नाजिम, निवासी जनता कन्हैयाबाड़ी, थाना बहादुरगंज, जिला किशनगंज को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में बहादुरगंज थाना में कांड संख्या 434/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के अलावा पॉक्सो अधिनियम एवं अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस कथित गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। जांच के आधार पर आगे आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किशनगंज पुलिस ने स्पष्ट किया है कि 'नया सवेरा 3.0' अभियान के तहत मानव तस्करी, महिलाओं एवं बच्चों के शोषण, देह व्यापार तथा अन्य संगठित अपराधों के विरुद्ध आगे भी लगातार सघन अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

40 लीटर कोडीनयुक्त कफ सिरप के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 100 एमएल की 400 बोतल (कुल 40 लीटर) कोडीन फॉस्फेट एवं ट्रिप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड युक्त कफ सिरप तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 10 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपालगढ़ कॉलोनी स्थित एक किराये के मकान में कोडीनयुक्त कफ सिरप का भंडारण कर उसकी खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 के नेतृत्व में एएनटीएफ, जिला आसूचना इकाई तथा किशनगंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान दिलखुश कुमार यादव (19 वर्ष), पिता बिरेंद्र प्रसाद यादव, निवासी दुगार्पुर, थाना रौटा, जिला पूर्णिया, को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से 100 एमएल की 400 बोतल प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप तथा एक मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या BR37AF-4983) बरामद की गई।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पश्चिम बंगाल से कोडीनयुक्त कफ सिरप लाकर किशनगंज में किराये के मकान में भंडारण करता था और उसकी खरीद-बिक्री करता था। मामले में शामिल अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही तस्करी के नेटवर्क के बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने इस मामले में संलिप्त अपराधियों की अवैध संपत्ति का पता लगाकर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई करने की बात कही है।

इस संबंध में किशनगंज थाना में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किशनगंज पुलिस ने कहा है कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। आम नागरिक मादक पदार्थों से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी एएनटीएफ हेल्पलाइन 9031816150 पर दे सकते हैं। सूचनादाता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। आपात स्थिति में नागरिक डायल 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त, नावें ध्वस्त

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

11 जुलाई। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर शनिवार को अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। जिला खनन विभाग की टीम ने स्थानीय प्रशासन के साथ संयुक्त रूप

से पोठिया प्रखंड क्षेत्र में महानंदा एवं डोंक नदी घाट के विभिन्न स्थलों पर कार्रवाई की। अभियान में थानाध्यक्ष पोठिया, थानाध्यक्ष पहाड़कट्टा, छत्तरगाछ प्रभारी, चीचुआबाड़ी प्रभारी, अंचलाधिकारी किशनगंज तथा राजस्व अधिकारी, पोठिया शामिल रहे।

छापेमारी के दौरान अवैध बालू परिवहन में संलिप्त एक बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर पहाड़कट्टा थाना में रखा गया। वहीं डोंक नदी स्थित सतनहरी पुल के समीप अवैध खनन में प्रयुक्त थमोकोल से निर्मित 11 नाव एवं लोहे से निर्मित एक नाव को ध्वस्त कर दिया गया।

इसके अतिरिक्त सतनहरी पुल के आसपास डोंक नदी किनारे चार अलग-अलग स्थानों से लगभग 2500 सीएफटी बालू जब्त किया गया। जब्त बालू को सुरक्षा की दृष्टि से पोठिया थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

प्रशासन ने बताया कि सभी मामलों में संबंधित लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा।

65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप यू-17 बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

11 जुलाई। खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (BSSA), पटना एवं जिला प्रशासन, किशनगंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप यू-17 बालक फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 का शनिवार को भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता 11 जुलाई से 14 जुलाई 2026 तक किशनगंज में आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, किशनगंज तथा डीआईजी, बीएसएफ, किशनगंज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर एडीएम (आपदा), एसडीएम सहित प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से पौधा भेंट कर किया गया।

किशनगंज में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पहले ही दिन राज्य के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन दिवस पर 20 से अधिक टीमों ने विभिन्न मुकाबलों में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे खेल मैदान में खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की तालियों से खेलमय वातावरण बना रहा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच मुजफ्फरपुर और सारण की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबला पेश किया, जिसे देखने के लिए मौजूद दर्शकों और अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन जिला खेल पदाधिकारी आदित्य कुमार सिंह की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के रहने, खाने, आवागमन तथा खेल मैदान की सभी व्यवस्थाएं बेहतर मानकों को ध्यान में रखकर की गई हैं, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि "खेल हमें केवल जीतना ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना भी सिखाता है। सभी खिलाड़ी निष्पक्षता और खेल भावना के साथ खेलें। हार और जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर खिलाड़ी मैदान पर अपना शत-प्रतिशत योगदान दे।"

वहीं, डीआईजी, बीएसएफ ने खिलाड़ियों को खेल के माध्यम से राज्य और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है और इससे अनुशासन, आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमें भाग ले रही हैं। आने वाले दिनों में कई और रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे, जिनका खेल प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है।

नबीनगर : गौतम बुद्ध नगर भवन में पुलिस-पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर के गौतम बुद्ध नगर भवन में शनिवार को पुलिस-पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच समन्वय बढ़ाकर क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना था।गोष्ठी में हाल ही में नगर पंचायत क्षेत्र में चलाए गए अतिक्रमण मुक्त अभियान पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क और सार्वजनिक जगहों को अतिक्रमण मुक्त कराने से यातायात सुगम हुआ है और आम लोगों को आवागमन में सुविधा मिली है।इस दौरान स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं को पुलिस पदाधिकारियों के समक्ष रखा। शराब तस्करी, सड़क जाम, चोरी और रात्रि गश्त बढ़ाने जैसे मुद्दों पर भी बातचीत हुई। पुलिस पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। गोष्ठी में जदयू के सूर्यवंश सिंह,कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संतन सिंह,भाजपा के उदय प्रताप सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता प्रो सुनील बोस,उमेश सिंह और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। वही पुलिस पदाधिकारी में थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय, एस आई राजू कुमार, ए एस आई सुधीर कुमार, महादेव विद्यार्थी, पीटीसी रूपकमल सिंह ,संतोष कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। वहीं नबीनगर प्रखंड के कई थानों में भी लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया।

एससी/एसटी कांड के प्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के नरारीकला खुर्द थाना पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने थानांतर्गत ग्राम महुआरी में छापेमारी की। इस दौरान एससी/एसटी एक्ट के तहत थाना कांड कांड संख्या 53/26 में नामजद अभियुक्त नीतीश कुमार उर्फ वीरा पिता अमरीका मेहता को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज है और वह काफी दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

खास महल में बड़ा सड़क हादसा टला: बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में पेड़ से टकराया तेज रफ्तार ट्रक, चालक घायल

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर के टाटानगर स्थित खास महल क्षेत्र में शनिवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार से गुजर रहा एक ट्रक अचानक सामने आए दो बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक पेड़ से जा टकराया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई और ट्रक चालक को केवल मामूली चोटें आईं, जबकि दोनों बाइक सवार सुरक्षित बच निकले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या JH05DL-3966 शनिवार सुबह करीब चार बजे खास महल इलाके से होकर गुजर रहा था। उस समय सड़क पर वाहनों की आवाजाही काफी कम थी। बताया जाता है कि इसी दौरान अचानक दो बाइक सवार ट्रक के सामने आ गए। बाइक सवारों को सामने देखकर चालक ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए ट्रक को मोड़कर उन्हें बचाने का प्रयास किया। लेकिन तेज रफ्तार होने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक सीधे सड़क किनारे लगे एक बड़े पेड़ से जा टकराया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर की आवाज काफी तेज थी, जिसे सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने देखा कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। हादसे के बाद कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि ट्रक चालक सुरक्षित था और उसे केवल हल्की चोटें आई थीं। स्थानीय लोगों ने चालक को वाहन से बाहर निकालने में मदद की और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया।

दुर्घटना के दौरान ट्रक के सामने आए दोनों बाइक सवार भी पूरी तरह सुरक्षित रहे। यदि चालक समय रहते वाहन को मोड़ने का प्रयास नहीं करता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी और बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। स्थानीय लोगों ने चालक की सतर्कता और सूझबूझ की सराहना की, जिसकी वजह से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

घटना की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। साथ ही सड़क पर यातायात व्यवस्था को प्रभावित होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई और उसे सड़क से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

समाचार लिखे जाने तक ट्रक को सड़क से हटाने का कार्य जारी था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के बावजूद यातायात व्यवस्था पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा और वाहनों की आवाजाही सामान्य रूप से चलती रही। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की।

प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और अचानक ट्रक के सामने आ जाने वाले बाइक सवारों को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बाइक सवार किस दिशा से आ रहे थे और उन्होंने यातायात नियमों का पालन किया था या नहीं।

यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वाहन चालकों को विशेष रूप से सुबह और देर रात के समय अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कम यातायात के कारण अक्सर वाहन तेज गति से चलाए जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

नबीनगर: बारुण-जपला मुख्य मार्ग पर भारी जाम से हलकान राहगीरों की बढ़ी परेशानी

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के तेतरिया मोड़ के समीप बारुण-जपला मुख्य मार्ग पर इन दिनों दिनभर जाम की स्थिति बनी रह रही है। औरंगाबाद जाने वाली दोमुहान पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण औरंगाबाद से झारखंड चलने वाली भारी वाहनों का परिचालन इसी मार्ग से किया जा रहा है, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित है।जाम के कारण स्कूली बच्चे, आम राहगीर, व्यापारी और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं भारी वाहनों का ओवरलोड होने के कारण सड़क पर जगह-जगह गड्ढे उभर आने से दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ रही है और छोटे वाहनों का चलना भी मुश्किल हो गया है। घंटों तक वाहनों की लंबी कतार लगी रह रही है।स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि जाम की वजह से ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वहीं मरीजों को अस्पताल ले जाने में और जिला मुख्यालय में आने जाने वाले लोगों को भी काफी समय लग जा रहा है ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत जल्द कराई जाए और तेतरिया मोड़ पर पुलिस की व्यवस्था की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

चांडिल पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद की, दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः विगत दिनों चांडिल थाना क्षेत्र के बाजार से चोरी हुई एक मोटरसाइकिल को चांडिल पुलिस ने बरामद कर लिया है। मामले में चोरी की घटना में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, वादी मिलन प्रामाणिक की हीरो होंडा पैशन प्रो (रजिस्ट्रेशन संख्या JH05BT-1692) मोटरसाइकिल बाजार से चोरी हो गई थी। इस संबंध में चांडिल थाना में कांड संख्या 92/26 दिनांक 3 जुलाई 2026 को धारा 303(2) बीएनएस-2023 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चांडिल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गई मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया। साथ ही घटना में संलिप्त दो आरोपितों चंदन बागती उर्फ चंदू बागती (19 वर्ष) तथा शिवा सरदार (20 वर्ष), दोनों निवासी बागुनहातु, डी ब्लॉक, रोड नंबर-7, थाना सिदगोड़ा, जिला पूर्वी सिंहभूम, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

संस्कृत विभागों को बंद करना भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार : मृत्युंजय कुमार

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर हिन्दू नववर्ष यात्रा के संस्थापक मृत्युंजय कुमार ने झारखंड सरकार द्वारा क्लस्टर सिस्टम के नाम पर राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों में संस्कृत विभागों को बंद किए जाने के निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे केवल एक शैक्षणिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परंपरा पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की आत्मा है और इसके अस्तित्व पर संकट पैदा करना देश की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने जैसा है।

मृत्युंजय कुमार ने कहा कि संस्कृत केवल एक विषय या भाषा भर नहीं है, बल्कि यह भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा की आधारशिला है। देश के वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत तथा अनेक धार्मिक और दार्शनिक ग्रंथ संस्कृत भाषा में ही रचे गए हैं। भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों की जड़ें संस्कृत में समाहित हैं। ऐसे में संस्कृत विभागों को बंद करना आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से दूर करने का प्रयास प्रतीत होता है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत को विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषाओं में गिना जाता है। आधुनिक भाषाविद् भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप की अधिकांश भाषाओं की उत्पत्ति और विकास में संस्कृत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी सहित अनेक भारतीय भाषाओं के शब्द भंडार और व्याकरण पर संस्कृत की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। यदि संस्कृत के अध्ययन और शिक्षण को कमजोर किया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल एक भाषा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारतीय भाषाई और सांस्कृतिक संरचना पर भी पड़ेगा।

मृत्युंजय कुमार ने आरोप लगाया कि क्लस्टर सिस्टम की आड़ में चुन-चुनकर संस्कृत विभागों को बंद किया जा रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के नाम पर यदि पारंपरिक और सांस्कृतिक विषयों को समाप्त किया जाएगा, तो यह समाज के लिए दूरगामी और नकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। सरकार को शिक्षा सुधार और संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ-साथ सांस्कृतिक और भाषाई संरक्षण को भी समान महत्व देना चाहिए।

उन्होंने कहा, संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी आस्था और हमारी परंपरा का प्रतीक है। जब किसी समाज की भाषा कमजोर होती है, तो उसकी संस्कृति और इतिहास भी धीरे-धीरे विलुप्त होने लगते हैं। इसलिए संस्कृत विभागों का बंद होना केवल विद्यार्थियों या शिक्षकों का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज और राष्ट्र से जुड़ा विषय है।

समाज के सभी वर्गों से अपील करते हुए मृत्युंजय कुमार ने कहा कि यह समय जागरूक और संगठित होने का है। उन्होंने अभिभावकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों से इस विषय पर गंभीरता से विचार करने और संस्कृत भाषा के संरक्षण के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि आज समाज मौन रहा, तो भविष्य में अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचा पाना कठिन हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह संघर्ष किसी एक कॉलेज, विश्वविद्यालय या जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे झारखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और पहचान से जुड़ा हुआ प्रश्न है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार करे तथा बंद किए गए संस्कृत विभागों को पुनः संचालित करने की दिशा में सकारात्मक पहल करे।

मृत्युंजय कुमार ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही संस्कृत विभागों को बहाल नहीं किया गया, तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि संस्कृत और संस्कृति पर किसी भी प्रकार का प्रहार समाज स्वीकार नहीं करेगा। यदि बंद किए गए संस्कृत विभागों को जल्द से-जल्द पुनः बहाल नहीं किया गया, तो व्यापक और उग्र आंदोलन खड़ा किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी।

उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। यदि समाज अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सजग रहेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों तक भारत की गौरवशाली विरासत सुरक्षित रूप से पहुंच सकेगी।

सातोमहुआ में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के सातोमहुआ स्थित धन्वंतरि हॉस्पिटल के समीप हाइवे पर शुक्रवार की देर रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर लगने के बाद युवक

सड़क पर औंधे मुंह गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसा देर रात उस समय हुआ जब बाइक सवार वाराणसी से बाबतपुर, कुवार की ओर जा रहा था। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और तत्काल यूपी-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही हरहुआ पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक के.के. वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल हरहुआ पीएचसी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान विवेक जायसवाल (35 वर्ष) निवासी कुआर बाजार, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी के रूप में हुई।मृतक हेलमेट नहीं लगाया था बल्कि पीछे गाड़ी में लटका रखा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी अमृता जायसवाल व एक पुत्र आरव जायसवाल है। मृतक के पिता रतन जायसवाल माता अनिता जायसवाल छोटा भाई अभिषेक जायसवाल एक छोटी किराना की दुकान से परिवार की परवरिश करते हैं। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अज्ञात वाहन व चालक की पहचान करने के लिए आस पास के सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर विधिक कार्यवाही में जुट गई है।

जमीन विवाद में दो पर केस दर्ज

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के कुरसातों गांव की एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता इन्द्रावती देवी का आरोप है कि गांव के दुलचन्द्र पटेल और हरिश्चन्द्र पटेल ने जमीन विवाद को लेकर उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की, घर की खिड़की तोड़ दी और जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 की दोपहर करीब एक बजे दोनों आरोपी अपने दो अन्य साथियों के साथ उनके घर पहुंचे। कहासुनी के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्द कहे और पुराने मकान की खिड़की क्षतिग्रस्त कर दी। विरोध करने पर एक आरोपी फावड़ा लेकर मारने के लिए दौड़ा, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जाते समय पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, लखनऊ से की थी। आयोग के निर्देश के बाद जंसा थाना पुलिस ने शुक्रवार देर की देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जायेगी।

अवैध पेट्रोल कटिंग की सूचना पर छापेमारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के कन्नाडाड़ी में बेलवाबीर बाबा मंदिर के पास अवैध पेट्रोल कटिंग की शिकायत पर एसडीएम राजातालाब के निर्देश पर नायब तहसीलदार संग्राम सिंह ने टीम के साथ छापेमारी की, लेकिन मौके से कुछ बरामद नहीं हुआ।नायब तहसीलदार ने बताया कि सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होने के कारण आरोपी पहले ही अलर्ट हो गए होंगे, इसलिए अभी कुछ नहीं मिला। अब कुछ दिन बाद फिर कार्रवाई की जाएगी। उधर ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस और आपूर्ति विभाग की मिलीभगत से यहां लंबे समय से अवैध पेट्रोल कटिंग का धंधा चल रहा है, जिसके चलते विभागीय कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

झमाझम बारिश से पटना हुआ बेहाल

एम्स रोड से रामकृष्ण नगर तक बनीं झीलें, घरों और दुकानों में घुसा पानी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ शनिवार की सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने राजधानी पटना और आसपास के इलाकों की जलनिकासी व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। मात्र कुछ घंटों की झमाझम बारिश से पटना एम्स रोड, नेशनल हाईवे-98, फुलवारी शरीफ, संपतचक, बेऊर और रामकृष्ण नगर सहित दर्जनों इलाके जलमग्न हो गए। सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं और कई रिहायशी इलाकों में स्थिति बाढ़ जैसी भयावह हो गई। सबसे खराब स्थिति एम्स रोड की रही, जहाँ सड़क पर घुटने से अधिक पानी जमा हो गया। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। सड़कों के दोनों ओर की नालियां ओवरफ्लो होने के कारण पानी घरों और दुकानों में घुस गया। फुलवारी शरीफ थाना, नगर परिषद कार्यालय के सामने, चुनौती कुआं, शहीद भगत चौक और सदर बाजार के निचले इलाकों में पानी घुसने से लोगों का घरेलू सामान और दुकानों में रखा माल बर्बाद हो गया। लोग अपना सामान सुरक्षित करने के लिए बेड और ऊंचे स्थानों पर रखते दिखे।बेऊर गांव और आसपास की कॉलोनियों में स्थिति बेहद गंभीर बनी रही। यहाँ के स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने और दबंगों द्वारा रास्तों पर पिलर डालकर किए गए अतिक्रमण के कारण पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो गई है। वार्ड संख्या 12 में खोजा इमली मजार के पास मुख्य मार्ग पर गहरे गड्ढे बारिश के पानी में छिप गए हैं, जिससे अब तक कई बाइक सवार गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

राजेश्वरी बालिका इंटर कॉलेज में शिक्षा संवाद समारोह संपन्न, मेधावी छात्राएं सम्मानित

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ स्थानीय राजेश्वरी बालिका इंटर कॉलेज के सभागार में शिक्षा संवाद समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करियर काउंसलर डॉ राजीव ओबेरॉय ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास को ध्यान में रखकर बच्चों को आगे बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हर बालक के अंदर विशिष्टता होती है जिसे पहचान कर अवसर में बदलने की आवश्यकता है।

विद्यालय के प्रबंधक कौशलेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि यूपी बोर्ड के बच्चे कमजोर परिवेश से निकलकर देश एवं प्रदेश में अपना योगदान दे रहे हैं। आज हमें लक्ष्योंमुख होकर जीवन को केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने बच्चों के भविष्य की शुभकामना दी।

समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य शेर बहादुर विश्वकर्मा ने कहा कि शिक्षा में समर्पण ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने आए अतिथिगण का धन्यवाद ज्ञापित किया। वर्ष 2026 में यूपी बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में मोहिनी यादव, सबा परवीन, प्राची सिंह एवं प्रियंका को पुरस्कृत किया गया।

कलाम इंस्टीट्यूट का आठवां स्थापना दिवस मनाया गया

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क डेवलपमेंट ऐक्शन (KISWADA) की स्थापना 10 जुलाई 2019 को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाज कार्य विभाग के पूर्व डीन एंड हेड प्रोफेसर महेंद्र मोहन वर्मा द्वारा की गई थी। पिछले आठ वर्षों में संस्थान अपने उद्देश्यों के अनुरूप समाज के उत्थान में अपनी भूमिका निभाता रहा है। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर स्थापित यह संस्था एक ऐसे विकसित एवं शक्तिशाली भारत के लिए काम करती है, जहां सभी का बिना किसी भेद भाव के समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाए और लोगों में वैज्ञानिक सोच का विकास हो। इसी ध्येय को लेकर यह संस्थान अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु लगातार कार्यरत है।

उपरोक्त विचार संस्थापक प्रो. एम. एम. वर्मा ने संस्था की जनरल बाडी मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित व आनलाइन जुड़े हुए 'किश्वाडा मेंबर्स' व किश्वाडा-साहित्य पथ के बैनर तले उपस्थित साहित्यकारों एवं कवियों तथा अन्य प्रतिभागियों के समक्ष संस्थान की वित्त वर्ष 26-26 की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस वर्ष संस्थान के पांच जिला चैप्टर क्रियाशील हो गये हैं। ये सभी चैप्टर लोगों के शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण व सर्वांगीण विकास के मुद्दों पर केंद्रित होकर काम कर रहे हैं। पूरे वर्ष संचालित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने संस्था का आय-व्यय का ब्योरा भी प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

इस अवसर पर मंच पर यू. पी. कालेज के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. राम सुधार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में डा0 अब्दुल कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा इस बात पर प्रसन्नता जताई कि यह संस्था उनके विचारों को अमल में लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने ' एक सुनहली किरण उसे भी दे दो, जो भटक रहा है अंधियारे वन में ' शीर्षक युक्त अपनी रचना का पाठ भी किया।

इस अवसर पर डॉ0 प्रभाष कुमार झा, डॉ0 अशोक कुमार सिंह, श्री प्रकाश श्रीवास्तव तथा डॉ कंचन सिंह परिहार ने सभा को संबोधित किया तथा समाज हित में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों हेतु संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर वर्मा के अथक प्रयासों की सराहना की।

वक्ताओं ने डाक्टर कलाम साहब के व्यक्तित्व, कृतित्व व उनके प्रखर विचारों तथा राष्ट्र सेवा में पूर्ण समर्पण हेतु उन्हें याद किया तथा अनेक रोचक जानकारियां दीं।

इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में हरेन्द्र पांडेय, संतोष कुमार 'प्रीत', बुद्धदेव, मासूम जी, रामजतन 'सज्जन' , सह अध्यक्ष सूर्य प्रकाश मिश्र, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव,डॉ रामानंद दीक्षित, प्रो. महेंद्र मोहन वर्मा, विशिष्ट अतिथि द्वय डॉ. कंचन सिंह परिहार एवं डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ प्रभाष कुमार झा तथा डॉ. विनोद कुमार वर्मा आदि ने विभिन्न विषयों पर केंद्रित अपनी रचनाओं का पाठ किया।। कार्यक्रम समाप्ति पर वाराणसी राजकीय जिला पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ. कंचन सिंह परिहार ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

राजस्थान में करंट लगने से निगोहां के युवक की मौत, शव गांव पहुंचते ही मचा कोहराम

समाज जागरण संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। रोजगार की तलाश में राजस्थान गए निगोहां क्षेत्र के एक युवक की बिजली के करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जब युवक का शव उसके पैतृक गांव पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि ग्रामीणों की भीड़ पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने के लिए उनके घर पहुंची। युवक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।निगोहां थाना क्षेत्र के राती गांव निवासी मजदूर परीलाल का सबसे छोटा पुत्र 23वर्षीय इंद्रपाल राजस्थान की एक क्रेशर कंपनी में मजदूरी करता था। परिवार के मुताबिक वह घर की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और परिवार का सहारा बनने के उद्देश्य से बीते मंगलवार को राजस्थान के लिए रवाना हुआ था। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि घर से कमाने निकला बेटा कुछ ही दिनों बाद तिरंगे में लिपटकर वापस लौटेगा।परिजनों ने बताया कि बुधवार शाम इंद्रपाल की छोटी बहन इंद्रानी ने भाई का हालचाल जानने के लिए उसके मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद उसने कंपनी मालिक मोहित शर्मा से संपर्क कर भाई से बात कराने को कहा। आरोप है कि कंपनी मालिक ने उसी दौरान फोन पर इंद्रपाल की मौत की सूचना देते हुए बताया कि काम के दौरान बिजली के बोर्ड में प्लग लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन सदमे में आ गए और तत्काल राजस्थान के लिए रवाना हुए। स्थानीय पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो मां, बहनों और भाइयों का विलाप सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। मिली जानकारी के मुताबिक इंद्रपाल पांच भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को संभालने के लिए वह मजदूरी करने राजस्थान गया था। उसकी मौत से परिवार का सहारा छिन गया है। गांव में शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण परीलाल के घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।घटना के बाद परिजनों में कंपनी प्रबंधन के प्रति भी नाराजगी है। उनका आरोप है कि कंपनी मालिक ने हादसे की तत्काल जानकारी परिवार को नहीं दी। यदि समय रहते सूचना दी जाती तो वे मौके पर जल्दी पहुंच सकते थे। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

वृक्षों के बगैर जल जीवन और जमीन की कल्पना भी नहीं: सुरेंद्र कुमार मौर्य

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। रविवार जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण महायज्ञ के लिये जनपद के सहकारिता विभाग ने सारी तैयारियाँ पूरी कर ली है।आठ विकासखंडो और सहकारी संस्थाओ के लिए 4100 पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा करने की रणनीति के बीच ब्लाक स्तरीय व जनपद स्तरीय नोडल अधिकारियो की नियुक्ति कर दी गई है। पौधारोपण की पल पल की मानिटरिंग हेतु जनपद मुख्यालय मे कंट्रोलरूम गठित कर दिया गया है ।शनिवार को काशी विद्यापीठ और चोलापुर विकासखंडो के बीपैक्स सचिवो ने सरकारी पौधशालाओ से पौधो का उठान कर लिया। इसतरह पौधो के उठान का कार्य शतप्रतिशत पूरा हो गया।सहायक आयुक्त एवंसहायक निबंधक सहकारिता सुरेंद्र कुमार मौर्य ने सभी बीपैक्स सचिवों,एडीओ और एडीसीओ को निर्देश दिए है कि रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम अपनी सतत निगरानी मे सफलतापूर्वक संपन्न करायें।

सहायक आयुक्त ने कहा कि पौधारोपण करके हम एक तरह से प्रकृति के ऋण को भी चुकाते है। पेड़ो के बगैर जल जीवन और जमीन की कल्पना नही की जा सकती। उल्लेखनीय है कि सहकारिता विभाग द्वारा सभी बीपैक्स के अतिरिक्त जिलासहकारीबैंक, डीसीएफ, पीसीएफ, क्रय विक्रय समेत सभी सहकारी संस्थाओ को पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है।

बकरी चोरों के भी खिलाफ कार्यवाही में शिवली में तीन शातिर गिरफ्तार, बकरा, नकदी और बाइक बरामद

सुनील बाजपेई

कानपुर । अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मुलाकात खोले कानपुर देहात की शिवली थाना पुलिस को बकरा बकरी चुराने वाले गिरोह का भी भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है।

बकरा और बकरी चोरी की अनेक घटनाओं को पहले भी अंजाम दे चुके इस गिरोह के पास से चोरी किया गया बकरा बरामद करने के साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है, जिनके पास से घटना में प्रयोग की जाने वाली मोटरसाइकिल, नगदी और मोबाइल आदि भी बरामद किया गया है। पकड़े गए कि गिरोह के सदस्यों के खिलाफ अनेक मुकदमे पहले भी दर्ज कराई जा चुके हैं।

अपनी नियुक्त वाले अब तक के लगभग हर थाना क्षेत्र में पीड़ितों की सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ भी प्रभावी कार्रवाई में अग्रणी तथा शिवली थाना क्षेत्र में अपने अब तक के कार्यकाल में हुई छोटी बड़ी सभी घटनाओं का सटीक खुलासा करने वाले तेजतर्रार ,व्यवहार कुशल जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह को बकरा -बकरी चोर गिरोह के शातिर नमन पुत्र सुनील बाल्मीकि निवासी ग्राम दिलीपनगर थाना चौबेपुर जनपद कानपुर नगर,अर्जुन पुत्र अजय निवासी खुमान निवादा थाना शिवली और शनी पुत्र मुनेश निवासी ग्राम काशीपुर थाना रूरा जनपद कानपुर देहात को गिरफ्तार करने में सफलता तब मिली जब वह कानपुर नगर व कानपुर देहात बॉर्डर पर पाण्डु नदी पुल शिवली-चौबेपुर मार्ग पर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे।

की गई पूछताछ में गिरफ्तार चोरों ने पुलिस को बताया कि ग्राम दिलीपनगर निवासी नन्हे लाल पुत्र भरोसे के घर के पास से चुपचाप चुराए गए उसके बकरे को मोटरसाइकिल से लाद कर गांव से दूर जंगल में बांध दिया था और गिरफ्तारी के समय उसको बेचने के लिये कन्नौज ले जा रहे थे। साथ ही यह भी बताया कि ग्राम अजयपुर, थाना रूरा, जनपद कानपुर देहात से भी चुराई गई दो बकरियों को रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति को 25,000 रुपये में बेच दिया था। जानवर चोरों को गिरफ्तार करने इस वाली टीम में सब इंस्पेक्टर आनंद कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल अभिषेक कुमार प्रशिक्षणार्थी कांस्टेबल प्रशान्त और गौरव भी शामिल रहे।

लापता हुई 26 वर्षीय युवती, परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका........

विवेक कुमार
समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज।लखनऊ, पीजीआई थाना क्षेत्र के कल्ली चौकी क्षेत्र डलौना गांव की रहने वाली छब्बीस वर्षीय युवती सोनम उर्फ सोनी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से निकलने के बाद लापता हो गई। काफी तलाश और रिश्तेदारों से संपर्क करने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने पीजीआई थाने में गुमशुदगी की तहरीर देकर बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार डलौना गांव निवासी राम रतन पुत्र राम अवतार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री सोनम उर्फ सोनी बीते गुरुवार की सुबह करीब ग्यारह बजे घर से यह कहकर निकली थी कि वह पुराने घर जा रही है। लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी देर तक इंतजार करने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया गया, लेकिन युवती का कोई पता नहीं चल सका।परिजनों के अनुसार घर से निकलते समय सोनम ने हल्के काले रंग का सलवार-कुर्ता, जिस पर हल्के पीले रंग के फूल बने थे, तथा सफेद दुपट्टा पहन रखा था। उसकी लंबाई करीब 5 फीट 3 इंच, रंग गेहुआ और शरीर छरहरा है।युवती के अचानक लापता होने से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों ने आशंका जताई है कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। मामले को लेकर पीजीआई थाने में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस से शीघ्र तलाश की मांग की गई है।युवती के पिता राम रख ने बताया कि, "हमने बेटी को हर संभावित जगह तलाश किया, सभी रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। परिवार बेहद परेशान है। पुलिस से हमारी अपील है कि बेटी को जल्द से जल्द सकुशल तलाश कर हमें सौंपा जाए।"पीजीआई थाना प्रभारी ने बताया कि, परिजनों की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। युवती की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा सभी संबंधित थानों को सूचना भेजी गई है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है और जल्द ही युवती का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।"

बिहार/झारखंड

पटना से अपहृत युवक का शव अथमलगोला में मिला, पुलिस कार्यशैली पर उठे सवाल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र से पांच दिन पूर्व अपहृत युवक का शव बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में फोरलेन सड़क के किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बंटी के रूप में हुई है, जिसके अपहरण की प्राथमिकी पांच दिन पहले ही दर्ज कराई गई थी। शव मिलने की सूचना के बाद अथमलगोला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को सूचित किया और घटनास्थल को सील कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि बंटी का अपहरण बीते मंगलवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के टाटा पार्क के पास से हुआ था। उस समय परिजनों ने बीसी उर्फ रविश कुमार, रोहित कुमार समेत सात लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि मामला दर्ज होने के दो दिन बाद भी पुलिस ने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जिसके विरोध में परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन भी किया था। बावजूद इसके पुलिस की सुस्ती ने बंटी की जान ले ली, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी बीसी उर्फ रविश और मोनी किन्नर मिलकर करबिगहिया इलाके में कथित तौर पर सेक्स रैकेट संचालित करते थे। मृतक बंटी अक्सर इस अवैध धंधे का विरोध किया करता था, जो उसकी हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। सूत्रों की मानें तो बंटी भी पूर्व में मोनी किन्नर का करीबी था और उस पर भी कुछ आपराधिक मामले दर्ज हैं। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक किराना दुकान के पास बंटी और रविश के बीच हाथापाई होती साफ देखी जा सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी रविश ने कुछ महीने पहले ही बंटी के घर के पास उसकी बेरहमी से पिटाई कर हाथ-पैर तोड़ दिए थे, लेकिन पुलिस ने तब भी उसे गंभीरता से नहीं लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए बाढ़ रउ्ढड-1 रामकृष्ण ने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। बहरहाल, इस निर्मम हत्या ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

एनएच 139 पर काल बनकर दौड़ा हाईवा

भीषण सड़क हादसे में दंपती समेत चार लोगों की मौत, चालक गंभीर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ अरवल/ जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर संडा स्थित एनएच 139 पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की असमय मौत हो गई। राइस मिल के समीप एक तेज रफ्तार हाईवा और सवारी टेंपो के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर इतनी भयावह थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को टेंपो सवार यात्री किसी कार्यवश अरवल की ओर आ रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित हाईवा ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो सड़क के किनारे जा गिरा। घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में एक दंपती भी शामिल है, जो बैंक में पैसा निकालने के लिए अपने घर से निकले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान पारसी थाना क्षेत्र निवासी राजगीर राम और उनकी पत्नी मनीषा देवी, भदासी गांव निवासी रामजी राजवंशी तथा गुल्ली बीघा निवासी अमरजीत कुमार के रूप में की गई है। वहीं, टेंपो चालक वलीदाद निवासी सुनील कुमार हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है, जहाँ उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत सदर अस्पताल पहुँचाया। हादसे के बाद एनएच 139 पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात को सामान्य कराया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हाईवा चालक महेंद्र राम (बल्लभपुर निवासी) के संबंध में पुलिस गहन छानबीन कर रही है।इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम था या तकनीकी खराबी का। फिलहाल पुलिस मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है।

स्कूल में जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति व महिला सुरक्षा की दी जानकारी

समाज जागरण, संवाददाता

तिरूलडीह, चांडिलः चांडिल अनुमंडल के तिरुलडीह थाना क्षेत्र में थाना

प्रभारी कौशल कुमार एव पुलिस बल द्वारा शनिवार को मध्य विद्यालय डाटम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, महिला संबंधी अपराध, बाल विवाह निषेध तथा महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा डायल-112 तथा साइबर ठगी से बचाव के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी देते हुए इनके उपयोग के बारे में बताया। साथ ही बच्चा चोरी से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की गई।

इसके अलावा छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, नशे से दूर रहने और समाज में जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं के बीच कॉपी एवं कलम का वितरण भी किया गया।

जिला पंचायत का अजब कारनामा आखिर एक पखवाड़े में ही पूर्व पंचायत की की सौंप दी चाबी

समाज जागरण

उमरिया -- उमरिया जिले में तबादला नीति तमाशा बनकर रह गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा एक महीने के अंदर जारी किए गए दो आदेशों में 2 सचिवों को 23 दिन के भीतर ही उनकी पूर्व पदस्थ ग्राम पंचायतों में वापस भेज दिया गया है जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी अभय सिंह ओहरिया के व्दारा जारी आदेश दिनांक 15 जून 2026 और 8 जुलाई 2026 के आदेशों ने न सिर्फ तबादला नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि एक जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी की कार्यशैली को भी कठघरे में ला खड़ा किया है। जब छोटे-छोटे मसले पर

प्रशासनिक अधिकारियों की इस तरह की कार्य शैली ने अपने ही आदेशों को लागू करने और कराने में जिस तरह की ढुल मुल रवैया से जिला पंचायत की साख को दांव पर लगा कर रख दिया है। जब जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ही अपने आदेशों को ही कपड़ों की तरह बदलते देखे जाते हैं, तब मातहत अधिकारियों और निचले स्तर के कर्मचारियों के व्दारा किये जा रहे "नंगे नाच" पर आखिर रोक कौन लगाएगा ? 23 दिन में वापसी के 2 मामले-- जिला पंचायत उमरिया के व्दारा जारी 15 जून को जारी आदेश में श्याम लाल विश्वकर्मा को सलैया -13 से चांद पुर किया गया था जिसे उच्च न्यायालय जबलपुर के पारित आदेश के चलते पुनः सलैया - 13 में पदस्थ किया गया है, जिससे साफ जाहिर होता है कि पहले किया गया तबादला आदेश नियम विरूद्ध था,। इससे भी आश्चर्य जनक आदेश कमलेश चौधरी का देखने में आया है, जिसमें पहले आदेश में पठारी ग्राम पंचायत से हटा कर दुलहरी ग्राम पंचायत किया गया है, फिर दुसरे आदेश में दुबारा पठारी ग्राम पंचायत में तैनात कर दिया गया है। पल पल बदलते आदेशों से जिला पंचायत की किरकिरी करके रख दिया है।

"तबादला उद्योग" का आरोप

जानकार सूत्रों का मानना है कि जिला पंचायत में तबादला नीति उद्योग बनकर रह गई है। आप अपनी मर्जी से पसंदीदा ग्राम पंचायत में तबादला करा सकते हैं, बशर्ते "आपकी मुराद के साथ हमारी मुराद पूरी होनी चाहिए" ।जिला पंचायत के इस तबादला सूची के प्रकाश में आने के बाद यह साबित हो गया है कि किसी सचिव को दो-दो ग्राम पंचायत का प्रभार, तो किसी को जनपद में तैनाती के आदेशों ने जिला पंचायत की "ढोल की पोल" खोल कर रख दी है। अब देखना होगा कि ऐसे हर पल आदेशों पर कलेक्टर और प्रदेश स्तरीय पंचायत विभाग इस "आवा गमन" वाले तबादला खेल पर क्या कार्रवाई करते हैं।

सरपंच-सचिव पर ठेकेदारी का आरोप, ग्रामीणों ने रोका काम*

समाज जागरण

उमरिया -- विकासखंड मानपुर की ग्राम पंचायत बड़खेरा के वार्ड क्र. 19 में बन रही पुलिया की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों की शिकायत और मौके के वायरल वीडियो में आरोप है कि पुलिया में अच्छी रेत की जगह नाली की मिट्टी मिली सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि सरिया के ऊपर मशीन से पतला मसाला डाला जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह काम सरपंच पुष्पमनी सिंह और सचिव धीरज लाल की मिलीभगत से उनके करीबी ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पंचायत में कुआं खनन समेत सभी काम ठेके पर हो रहे हैं।

मौके पर ग्राम पंचायत के जागरूक नागरिक बड़ी संख्या में जुटे और उन्होंने इस गुणवत्ता हीन काम को रोकने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि "इस तरह की पुलिया एक बारिश

में बह जाएगी और शासकीय राशि का दुरुपयोग होगा । बताया जाता है कि इस पुलिया की लागत अनुमानित दस लाख है इतनी धन राशि में गुणवत्ता युक्त और टिकाऊ पुलिया का निर्माण हो सकता है, जो ग्रामीणों के लिए दशकों का सहारा बनेगी,लेकिन यह पुलिया बेहद घटिया युक्त सामग्री और गुणवत्ता हीन बनायी जा रही है।

ग्रामवासियों ने कलेक्टर उमरिया और मानपुर के मुख्य कार्य पालन अधिकारी से मांग की है पुलिया निर्माण की तत्काल जांच और दोषियों पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की गयी है।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी सफाई कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

समाज जागरण विजय तिवारी

उमरिया। मध्य प्रदेश श्रमजीवी सफाई कर्मचारी संघ, संबंध भारतीय मजदूर संघ की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक दिनांक 10 जुलाई 2026 को जिला अध्यक्ष जग्गू चौहथा के नेतृत्व में आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष विजय महतेल, प्रदेश संगठन मंत्री शारदा खुदीशा, मंडल अध्यक्ष उमेश महतेल (बिरसिंहपुर पाली), जिला संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार, मंडल अध्यक्ष प्रेमलाल लालपुरी सहित नगर पालिका उमरिया, बिरसिंहपुर पाली, नरोजाबाद, चंदिया एवं नगर

परिषद मानपुर के सफाई कर्मचारी और संगठन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में पांचों नगर निकायों के सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित कर्मचारियों ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं एवं योजनाओं का लाभ आज भी अधिकांश सफाई कर्मचारियों तक नहीं पहुंच रहा है। संगठन द्वारा कई बार ज्ञापन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है ।बैठक में यह भी कहा गया कि कोरोना काल में सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा की, लेकिन आज भी उन्हें उनके अधिकारों और सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। कर्मचारियों ने संबंधित अधिकारियों पर लापरवाही एवं अनियमितताओं के आरोप लगाए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मध्य प्रदेश श्रमजीवी सफाई कर्मचारी संघ, संबंध भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले जिले की पांचों नगर निकायों के सफाई कर्मचारी शीघ्र ही एक विशाल रैली निकालकर माननीय कलेक्टर, जिला उमरिया को अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

रैली की तिथि एवं समय की घोषणा शीघ्र की जाएगी।बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से सफाई कर्मचारी भाइयों, माताओं एवं बहनों को संगठन में विभिन्न दायित्व सौंपते हुए नए पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई।

बंगवार खदान में 41 कर्मचारियों की तैनाती पर उठे सवाल

समाज जागरण

एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार भूमिगत खदान से जुड़ा एक विभागीय आदेश सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल पत्र के अनुसार, 41 स्थायी कर्मचारियों को लंबे समय से सतही (सरफेस) कार्यों में रखा गया था, जबकि भूमिगत खदान में श्रमिकों की आवश्यकता बनी हुई थी। अब इन कर्मचारियों को अंडरग्राउंड ड्यूटी के लिए निर्देशित किया गया है।

मामले को लेकर स्थानीय लोगों और श्रमिकों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों की सिफारिश के कारण कई कर्मचारी जोखिमपूर्ण भूमिगत कार्य से दूर रहे, जबकि वास्तविक मजदूर कठिन परिस्थितियों में काम करते रहे। उनका कहना है कि यदि पर्याप्त मानवबल समय पर भूमिगत कार्यों में लगाया जाता, तो सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सकती थी।

बंगवार खदान पहले भी हादसों के कारण चर्चा में रही है, इसलिए इस आदेश के सामने आने के बाद सुरक्षा और प्रबंधन की जवाबदेही पर बहस तेज हो गई है। मुख्य प्रबंधक बी.के. जेना, उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रमिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तथा भविष्य में पारदर्शी कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

विकलांग की फरियाद पर भी नहीं पिघला सिस्टम ! आगजनी के आरोपियों के नाम रिपोर्ट से गायब, एसपी के बाद अब आईजी शहडोल से लगाई न्याय की गुहार

समाज जागरण

जमुना कोतमा जिले के भालूमाड़ा थाना अंतर्गत फुनगा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम प्यारी नंबर-01 निवासी 65 वर्षीय दिव्यांग (विकलांग) ललुआ चौधरी ने न्याय की आस में अब पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शहडोल कार्यालय का दरवाजा खटखटाया है। पीड़ित का आरोप है कि उसके घर में आग लगाने वाले नामजद आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शी गवाह और वीडियो उपलब्ध कराने के बावजूद आज तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। मामले में आईजी शहडोल ने पीड़ित की शिकायत सुनकर उसे शीघ्र न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।

पीड़ित द्वारा आईजी को दिए गए आवेदन के अनुसार 21 जून 2026 की रात लगभग 9:45 बजे ग्राम प्यारी नंबर-01 स्थित उसके घर पर सुरेश केवट, गोविंद केवट, सारथ केवट, जगदीश केवट, गोपाल केवट सहित अन्य लोगों ने कथित रूप से लकड़ियों में कपड़ा बांधकर आग लगा दी। घटना में घर के भीतर रखा पंखा, गद्दा, तकिया, कुर्सी, कपड़े सहित अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान होने का दावा किया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि घटना के समय पीड़ित की पत्नी की आवाज सुनकर परिवार जागा और हल्ला मचाने पर आरोपी वहां से भाग गए। जाते-जाते आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित का कहना है कि उसके पुत्र सहित आसपास के लोगों ने पूरी घटना देखी है तथा उसके पास घटना के वीडियो और अन्य साक्ष्य भी मौजूद हैं।

ललुआ चौधरी का सबसे गंभीर आरोप फुनगा पुलिस चौकी की कार्यप्रणाली पर है। उनका कहना है कि घटना के तुरंत बाद जब वह रिपोर्ट दर्ज कराने चौकी पहुंचे तो उन्होंने आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से बताए, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट में उनके नाम दर्ज नहीं किए। अगले दिन जब उन्होंने इस संबंध में आपत्ति जताई तो पुलिस ने उल्टा यह कह दिया कि रिपोर्ट में किसी आरोपी का नाम नहीं लिखा गया है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी से बिना पढ़ाए हस्ताक्षर भी करा लिए गए और वास्तविक तथ्यों के विपरीत रिपोर्ट तैयार कर दी गई। न्याय नहीं मिलने पर पीड़ित ने अनूपपुर पुलिस अधीक्षक विक्रांत उरांव से शिकायत की। एसपी द्वारा मामले की जांच के आदेश दिए गए, लेकिन पीड़ित का कहना है कि कई दिन बीत जाने के बाद भी मामला केवल जांच तक सीमित है और किसी आरोपी के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लगातार न्याय के लिए भटक रहे दिव्यांग ललुआ चौधरी अंततः आईजी शहडोल के समक्ष पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच एवं आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की मांग की। आईजी ने उन्हें पूरे मामले में न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।

अब क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों और उच्च अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद भी कार्रवाई कब तक होगी। फिलहाल पीड़ित परिवार को आईजी स्तर से निष्पक्ष कार्रवाई और न्याय मिलने की उम्मीद है।

एक वर्ष पूरा होने पर राहुल गांधी एकता संगठन ऑल इंडिया की बैठक संपन्न, समाजसेवा के लिए कई अहम निर्णय

समाज जागरण

जमुना कोतमा। राहुल गांधी एकता संगठन ऑल इंडिया के गठन का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार दिनांक 10 जुलाई 2026 को जमुना कॉलोनी के पाथरखेड़ा दफाई स्थित शासकीय स्कूल के समीप संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत किया गया तथा नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। बैठक में संगठन के माध्यम से समाजहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। तय किया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा में सहयोग, निर्धन परिवारों के विवाह में सहायता, जरूरतमंद लोगों की हरसंभव मदद तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। साथ ही संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन की नियमित समीक्षा के लिए प्रत्येक माह प्रत्यक्ष बैठक आयोजित की जाएगी, जबकि प्रत्येक 15 दिन में जूम मीटिंग के माध्यम से पदाधिकारियों की बैठक लेकर सामाजिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम में गुड्डू मिश्रा (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बदरा-जमुना), संतोष

चौरसिया पत्रकार गुलाब रजक पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव, सत्येंद्र कुमार, मोहनलाल पाव, शंकर लाल यादव, आनंद राम सिंह, मुकेश नामदेव, संदीप सोनी, रामकुमार शर्मा, लालू प्रसाद नापित, पदम दास, चित्र दास, मोहम्मद इलियास, वेद प्रकाश ओझा, रवि प्रधान सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल पद बांटना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सामाजिक सहयोग और मानव सेवा को प्राथमिकता देते हुए संगठन लगातार जनहित के कार्य करेगा तथा सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू मिश्रा ने कहा कि समाज की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। संगठन द्वारा लिए गए निर्णयों को जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा और

जरूरतमंद परिवारों, गरीब बच्चों तथा कमजोर वर्ग के लोगों की हरसंभव मदद करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे। उन्होंने नियमित बैठकों के माध्यम से संगठन को और मजबूत बनाने की बात कही।

जनसुनवाई में राज्यमंत्री लखन पटेल ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने शनिवार को दमोह के जटाशंकर स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने सड़क, बिजली, पेयजल, राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत तथा अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं और मांगें राज्यमंत्री के समक्ष रखीं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना

और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़े।

जनसुनवाई के दौरान राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि "जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।" उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही उनका प्रमुख उद्देश्य है और क्षेत्र के विकास के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी शिकायतों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाए, ताकि लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया गया।

पुलिस अभिरक्षा से फरार आरोपी तीन दिन बाद गिरफ्तार, सायबर सेल की मदद से मिली सफलता

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

हटा/रनेह थाना रनेह पुलिस ने पुलिस अभिरक्षा से फरार हुए आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध नया प्रकरण दर्ज कर लगातार तलाश अभियान चलाया, जिसके बाद शनिवार को उसे हटा थाना क्षेत्र के हारट पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार थाना रनेह के अपराध क्रमांक 37/26 में धारा 105 बीएनएस एवं 24 म.प्र.

आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण की विवेचना के लिए आरोपी लीलाधर चौधरी पिता नन्हेभाई चौधरी, निवासी ग्राम बमनपुरा, थाना पटेरा को न्यायालय की अनुमति से उपजेल हटा से पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

इसी दौरान 7 जुलाई 2026 की रात्रि लगभग 3:14 बजे आरोपी पुलिस की वैध अभिरक्षा से हथकड़ी तोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद आरोपी के विरुद्ध थाना रनेह में अपराध क्रमांक 51/26, धारा 262 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए गए। पुलिस अधीक्षक दमोह श्री आनंद कलादगी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुजीत सिंह भदौरिया के निर्देशन तथा डीएसपी (एजेके) श्री सौरभ त्रिपाठी एवं एसडीओपी हटा श्री कृष्णपाल सिंह के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम में उपनिरीक्षक चंदन सिंह निरंजन, आरक्षक तेजेन्द्र, हर्षवर्धन पटैल एवं भूपेन्द्र शामिल थे। टीम ने सायबर सेल दमोह के आरक्षक मयंक दुबे के सहयोग तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर 11 जुलाई 2026 को हटा थाना क्षेत्र के हारट पुल के पास से आरोपी लीलाधर चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र भरत कुमार दुबे का MPPSC में चयन, बने खनिज निरीक्षक - विद्यालय व क्षेत्र में हर्ष

समाज जागरण

अनूपपुर /बिजुरीमप्र लोकसेवा आयोग (MPPSC) की परीक्षा में बिजुरी के होनहार युवा भरत कुमार दुबे ने सफलता का परचम लहराते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद भरत कुमार दुबे का चयन मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत खनिज निरीक्षक के पद पर हुआ है। उनकी इस गौरवमयी उपलब्धि से उनके माता-पिता, गुरुजनों सहित समूचे क्षेत्र और विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। संस्कार और शिक्षा की मिली दोहरी सफलता भरत कुमार दुबे स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजुरी के पूर्व छात्र रहे हैं। वे आदिम जाति सहकारी समिति में लैम्प्स (LAMPS) प्रबंधक और विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ओंकार प्रसाद दुबे के

सुपुत्र हैं। भरत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया है।

नगर की जनता सहित विद्यालय परिवार ने दीं शुभकामनाएं

भरत की इस शानदार सफलता नगर की जनता विभिन्न संगठनों के लोग सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें और उनके पूरे परिवार को बधाई संदेश प्रेषित किए गए हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहाशिशु मंदिर केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं,

बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का केंद्र है। यहाँ मिलने वाले संस्कार और मजबूत आधार ही छात्रों को जीवन के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुँचने की प्रेरणा देते हैं। भरत ने अपनी सफलता से पूरे विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है।" खनिज निरीक्षक के पद पर चयनित होने पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, मित्रों और शुभचिंतकों ने भरत कुमार दुबे को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी: 2030 का रोडमैप

भारत और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों ने 11 जुलाई 2026 को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में मुलाकात की और भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी बनाने की घोषणा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले चार वर्षों में संयुक्त कार्रवाई का मार्गदर्शन करने और भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक साझा ढांचे के रूप में 2030 के रोडमैप को मंजूरी दी। इस रणनीतिक साझेदारी में, इस रोडमैप के निम्नलिखित स्तंभों में बताए गए क्षेत्र और पहल शामिल हैं, हांलाकि यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

स्तंभ क राजनीतिक और राजनयिक भागीदारी क्षेत्रीय और बहुपक्षीय कार्यक्रमों के दौरान सहित, संबंधित प्रधानमंत्रियों और कैबिनेट मंत्रियों के बीच नियमित रूप से बैठकें और आपसी दौरे आयोजित करने का प्रयास करना। विदेश मंत्रियों की नियमित बातचीत के जरिए प्रभावी उच्च-स्तरीय सहयोग सुनिश्चित करना। साझा हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए संबंधित मंत्रालयों और सरकारी विभागों के बीच बैठकों और वाताओं को तेज करना। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नियमित संसदीय आदान-प्रदान और आधिकारिक यात्राओं को बढ़ावा देना। भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव स्तरीय और न्यूजीलैंड के विदेश मामलों और व्यापार मंत्रालय के बीच उप-सचिव (अमेरिका और एशिया) स्तर पर सालाना बैठकें करने की प्रक्रिया को मजबूत करना, ताकि रणनीतिक साझेदारी

और 2030 के रोडमैप को लागू करने के कार्य को दिशा दी जा सके और उनमें तालमेल बिठाया जा सके। स्तंभ क्क रक्षा और सुरक्षा सहयोग सैन्य गतिविधियों जैसे कि युद्धाभ्यास, इकाईयों के दौरे (समुद्री, हवाई, जमीनी), कम समय के लिए कर्मियों का आदान-प्रदान, खेल-कूद से संबंधित दौरे, डिफेंस स्टाफ कॉलेज के बीच आदान-प्रदान और उच्च-स्तरीय रक्षा बातचीत के जरिए सैन्य संपर्क बनाए रखना।

रक्षा से जुड़े मामलों पर बातचीत को और बढ़ाना, जिसमें मंत्री स्तरीय वार्ता भी शामिल है।

पौधारोपण महाभियान की तैयारियों की मंडलायुक्त ने की समीक्षा

सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध ढंग से करें पौधारोपण

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद में आयोजित होने वाले पौधारोपण महाभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त एवं जनपद के नोडल अधिकारी श्री राजेश प्रकाश ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागवार पौधारोपण लक्ष्य, तैयारियों, जनभागीदारी तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने निर्देश दिए कि सभी विभाग शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पौधारोपण सुनिश्चित करें। प्रत्येक पौधारोपण स्थल की जियो टैग फोटोग्राफी निर्धारित समय पर उपलब्ध कराई जाए तथा अभियान के प्रत्येक चरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा, संरक्षण एवं नियमित देखभाल की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पौधों के जीवित रहने की दर अधिकतम हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप वृहद स्तर पर पौधारोपण करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों तथा आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर इसे सफल बनाया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि मंडलायुक्त द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जाएगा। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण करेंगे तथा जियो टैग फोटोग्राफ सहित सभी आवश्यक सूचनाएं समय से उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिला धिकारी(न्यायिक) सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड में विकास कार्यों में प्रदेश में द्वितीय रैंकिंग पर आयुक्त ने जिलाधिकारी एवं अधिकारियों को दी बधाई

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। विंध्याचल मंडल, मीरजापुर के आयुक्त एवं जनपद के नोडल अधिकारी श्री राजेश प्रकाश ने कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के फ्लैगशिप कार्यक्रमों, आईजीआरएस जनशिकायतों, निमार्णा धीन परि योजनाओं तथा राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त ने निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। सभी अधिकारी प्रतिदिन स्वयं पोर्टल का अवलोकन करें तथा लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमित रूप से प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करें तथा मुख्यालय पर निवास करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। आयुक्त ने निमार्णाधीन परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए विकास कार्यों में निरंतर प्रगति बनाए रखें। समीक्षा के दौरान आयुक्त राजेश प्रकाश ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विकास कार्यों के अंतर्गत जनपद सोनभद्र को प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ सहित समस्त अधि कारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी इसी प्रकार टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद की उपलब्धियों को और बेहतर बनाने का प्रयास करें तथा शासन की प्राथमिकताओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें।

बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, सहित राजस्व, विकास एवं निर्माण कार्यों से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना ओबरा में नव निर्मित मिशन शक्ति केन्द्र एवं साइबर हेल्प डेस्क भवन का किया लोकार्पण

समाज जागरण

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण तथा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज दिनांक 11.07.2026 को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा थाना ओबरा परिसर में नव निर्मित मिशन शक्ति केन्द्र एवं साइबर हेल्प डेस्क भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण उपरांत अधिकारियों द्वारा मिशन शक्ति केन्द्र एवं साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं साइबर अपराध के पीड़ितों की शिकायतों का त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्ता रण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मिशन शक्ति केन्द्र महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, उनके अधिकारों, विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा महिला हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में जागरूक करने एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनेगा। वहीं साइबर हेल्प डेस्क के माध्यम से साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों का तत्काल पंजीकरण, उचित मार्गदर्शन तथा समयबद्ध सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन समुदाय से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी अथवा महि लाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें तथा आपात कालीन एवं हेल्पलाइन सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। इसके उपरान्त जिला धिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा "वन महोत्सव-2026" वृक्षारोपण महा यज्ञ के अंतर्गत थाना ओबरा परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर अपर पुलिस उपा धीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय, प्रभारी निरीक्षक थाना ओबरा सदानन्द राय सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सोनभद्र पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, जनसहयोग, पर्यावरण संरक्षण एवं साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।

साइबर थाना भवन का निर्माण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल राजेश प्रकाश ने शनिवार को रॉबर्ट्सगंज स्थित निमार्णाधीन साइबर थाना भवन का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि लगभग 310.80 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस दो मंजिला भवन का लगभग 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्य भवन का स्ट्रक्चर तैयार है तथा प्लास्टर एवं फर्श (कोबा) का कार्य प्रगति पर है। पम्प हाउस का निर्माण जारी है, बोरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा चाहरदीवारी एवं मुख्य गेट का अधिकांश कार्य संपन्न हो गया है। मंडलायुक्त ने निर्माण की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए शेष कार्यों में तेजी लाने, नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन पूर्ण होने के बाद साइबर अपराधों की जांच एवं पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध होगी।

मंडलायुक्त ने ग्राम्य विकास संस्थान के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में तेजी लाकर समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने शनिवार को मेडिकल कॉलेज के समीप निमार्णाधीन ग्राम्य विकास संस्थान, सोनभद्र के आवासीय एवं अनावा सीय भवनों के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और पाया कि निर्माण कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है। इस पर उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्य में तत्काल तेजी लाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली इस परियोजना को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि आवासीय भवन, प्रशासनिक भवन, छात्रावास, बाउंड्री वॉल, आंतरिक सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, ड्रेनेज एवं अन्य सभी सहायक कार्यों को तय कार्ययोजना के अनुसार शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला को ब्लैकमेल कर ₹05 लाख की मांग करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय के

नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-134/2026, धारा 351(2), 352, 308(5), 319(2), 336(3), 336(4), 61(2)(क) बीएनएस से संबंधित प्रकरण में एक महिला को ब्लैकमेल कर उससे ₹05 लाख की मांग करने वाले अभियुक्त दीपक शाह पुत्र चंद्रबली शाह, निवासी माजन खुर्द, थाना नवानगर, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र लगभग 26 वर्ष को दिनांक 11.0.2026 को दुद्धीचुआ एनसीएल स्टेडियम के पास मुख्य मार्ग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना ओबरा पर सुनी जनसमस्याएं, जनपद के समस्त थानों पर आयोजित हुआ "थाना समाधान दिवस"

समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से थाना ओबरा पर जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में जनसुनवाई कर शिकायतों के निस्तारण की कार्यवाही की गई।

थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त अनेक शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधि कारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी सोनभद्र एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि भूमि संबंधी विवादों का निस्तारण पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रत्येक प्रकरण का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

कल्पवृक्ष व कामधेनु का करें सरंक्षण, तभी पृथ्वी बनेगी स्वर्ग : पारस नाथ मिश्र

पूज्य संत मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज का मना जन्मोत्सव

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। गुप्त काशी विकास परिषद, उत्तर प्रदेश तथा ईश्वर प्रसाद पीजी कॉलेज एवं ईश्वर प्रसाद लॉ कॉलेज, देवरा राजा (पसही) के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को पूज्य संत मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज का जन्मोत्सव आध्यात्म, साहित्य और पर्यावरण के समन्वय के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पाँच आम के पौधे रोपित किए गए। इसके उपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन भी हुआ।

मुख्य अतिथि साहित्यकार पंडित पारस नाथ मिश्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कल्पवृक्ष और कामधेनु समृद्धि एवं जीवन के प्रतीक हैं। यदि हम वृक्षों और गौवंश का संरक्षण करें तो यही पृथ्वी स्वर्ग के समान बन सकती है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का आह्वान किया। कार्यक्रम की झलकियां: कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, माँ सरस्वती एवं स्वर्गीय ईश्वर प्रसाद पाण्डेय के चित्र पर पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अध्यक्षता प्रबंध समिति के संरक्षक पंडित हेमनाथ पाण्डेय ने की। स्वागत भाषण डॉ. विमलेश कुमार तिवारी ने दिया और संचालन भोलानाथ मिश्र ने किया। गुप्त काशी विकास परिषद के संस्थापक निदेशक आलोक कुमार चतुर्वेदी ने पूज्य संत के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए परिषद के उद्देश्यों की जानकारी दी। डॉ. विमलेश त्रिपाठी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। साहित्यिक रंग: व्यंग्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी ने अपनी रचनाओं से हँसाया, तो गीतकार जगदीश पंथी ने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महाविद्यालय के प्रबंधक मनीष पाण्डेय ने मुख्य अतिथि पारस नाथ मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि जगदीश पंथी को अंगवस्त्र व स्मृति-चिह्न देकर सारस्वत सम्मान किया। उन्होंने संत महाराज के समाज के प्रति योगदान पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुरेश शुक्ल, अनूप तिवारी, बृजेश शुक्ल, राजेश द्विवेदी, मृत्युंजय पाठक, विमलेश कुमार पाठक, गीता मौर्या, बृजेश सिंह पटेल, विनय प्रजापति,

विनीत पाण्डेय, संदीप, सरिता सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सलखन से बेलछ-रुदौली मुख्य सम्पर्क मार्ग गढ्डों में तब्दील, मरम्मत की मांग

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सदर विकास खण्ड के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र सलखन से बेलछ-रुदौली मुख्य मार्ग लगभग 6 किमी सड़क सम्पूर्ण जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गया है जबकि इस सम्बंध में क्षेत्रीय वनबंधु प्रबुद्ध लोगों ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से वर्ष 2024-25 से ही सार्वजनिक निर्माण विभाग से दर्जनों बार लिखित मौखिक समेत समाचार पत्रों के माध्यम से अवगत कराया गया, बावजूद इसके आज तक विभाग की तरफ से कोई सार्थक पहल नहीं किया है। जिससे आदिवासी वन-बंधुओ में सड़क मरम्मत को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है।

इस सम्बंध में पूर्व प्रधान चुनमुन प्रसाद, श्याम नारायण सिंह गौड, श्रीराम गौड, शिवशंकर, कृष्ण कुमार, राम लखन, सुभाष, राजेश शिवकुमार इत्यादि

लोगों ने जिलाधिकारी से स्थलीय निरीक्षण कर उचित कार्रवाई करने की मांग किया है।

बलुई बांध-अदलगंज माइनर मार्ग पर शराबी मचा रहे हैं उत्पात, चोर-उच्चके कर रहे छिनैती

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के बलुई बांध से अदलगंज माइनर मार्ग पर इन दोनों शराबी काफी उत्पात मचा रहे हैं वही चोर उचक्के राह चलते राहगीरों से छिनैती करने से कदापि बाज नहीं आ रहे है। सुरक्षा का कोई व्यवस्था न होने के कारण असमाजिक, अराजकतत्वो के हौसले काफी बुलंद हैं। इससे उक्त मार्ग से आने-जाने में लोगों को काफी भय सताने लगा है। इससे लोगों में तीव्र नाराजगी व्याप्त है। इस संबंध में समाजसेवी एवं भाजपा युवा नेता मनोज पाठक बबलू ने बताया कि बलुई बांध से अदलगंज माइनर आवागमन वाले मार्ग पर शराबियों का काफी संख्या मे जमघट लगने लगा है। राह चलते राहगीरों, महिलाओं को अपशब्दों का प्रयोग करते हुए छिंटाकशी करने से बाज नहीं आते हैं। वहीं दूसरी तरफ शाम ढलते ही चोर उचक्के किस्म के असामाजिक अराजकतत्वों द्वारा राहगीरों से छिनैती की घटना को अंजाम देने से कदापि बाज नहीं आते हैं। इससे लोगों का राह चलना काफी मुश्किल सा हो गया है। लोग भय के साए में आवागमन करने के लिए पूर्ण रूप से विवश है। इससे आम जनमानस सेमत प्रबुद्ध नागरिकों में काफी तीव्र आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराते हुए अभिलंब ही उचित कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

मानव तस्करी एवं नाबालिग बालिका की खरीद-फरोख्त प्रकरण में सोनभद्र पुलिस को एक और बड़ी सफलता

₹1.२० लाख में नाबालिग की खरीद कर जबरन विवाह कराने वाले गिरोह का एक और आरोपी गिरफ्तार, पूर्व में दुष्कर्म के मुकदमे में भी है आरोपित

समाज जागरण/ सोनभद्र।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (AHT) एवं थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने मानव तस्करी एवं नाबालिग बालिका की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़े चर्चित प्रकरण में एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-177/2026 धारा 137(2), 143(4), 351(3), 61(2) सहपठित धारा 64(2)(एम), 98, 99 बीएनएस, व धारा 16/17 एवं 5L/6, 5J(II)/6 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में वांछित अभियुक्त अमित कुमार पुत्र अशोक पंडित, निवासी पक्की सराय, वार्ड नं. 34, थाना सासनीगेट, जनपद अलीगढ़ की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा विशेष टीम गठित की गई थी। गठित टीम द्वारा लगातार दबिश, तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर दिनांक 10.07.2026 को अभियुक्त को रेलवे स्टेशन सोनभद्र स्थित बीएसएनएल गेट के पास से गिरफ्तार किया गया।

विवेचना के दौरान पीड़िता द्वारा धारा 180 बीएनएसएस तथा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के अंतर्गत दिए गए बयानों में अभियुक्त अमित कुमार की सक्रिय भूमिका स्पष्ट रूप से सामने आई है। संकलित साक्ष्यों से यह

प्रमाणित हुआ कि पीड़िता को मानव तस्करी के माध्यम से अवैध रूप से खरीदकर उसका जबरन विवाह कराया गया तथा उसके साथ गंभीर शोषण किया गया।

सीसीटीएनएस के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना सासनीगेट, जनपद अलीगढ़ पर मु0अ0सं0-111/2018, धारा 323, 376, 506 भादवि का अभियोग भी पंजीकृत है, जिसमें विवेचना पूर्ण कर आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित किया जा चुका है तथा मामला वर्तमान में विचाराधीन है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि सहअभियुक्त बिन्दु, सोनी एवं शिव सिंह उर्फ रामलाल के माध्यम से नाबालिग पीड़िता को अलीगढ़ लाया गया था तथा उसके पिता अशोक पंडित के साथ मिलकर लगभग ₹1,20,000/- देकर पीड़िता को खरीदा तथा उसका जबरन विवाह अपने छोटे भाई राहुल कुमार से कराया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह लगातार फरार चल रहा था।

बागपत में किन्नरों के विवाद में अवैध हथियार की एंट्री,एसपी से शिकायत कर सौंपी वीडियो

नोएडा के एक किन्नर ने तमंचे के साथ बनाया धमकी भरा वीडियो

समाज जागरण बागपत।

बागपत में किन्नरों के दो गुटों के बीच बधाई मांगने के क्षेत्र को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। मीणा जाटनी किन्नर ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर शिकायत दर्ज कराई और अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की। मीणा का आरोप है कि एक किन्नर ने सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ वीडियो वायरल करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी है। मीणा ने वायरल वीडियो पुलिस को सौंपते हुए बागपत के मुस्तकिम, लोनी की निक्की, मीनाक्षी और नंदनी किन्नर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पूरा विवाद बधाई मांगने के क्षेत्र के बंटवारे को लेकर चल रहा है। फिलहाल खेकड़ा थाना पुलिस वायरल वीडियो और शिकायत के आधार पर पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।एसपी ऑफिस पहुंची मीणा जाटनी किन्नर ने एसपी से मुलाकात कर जान माल की सुरक्षा की मांग उठाई।सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ वीडियो वायरल करते हुए एक किन्नर ने मीणा को हत्या करने की दी थी धमकी।वायरल वीडियो को लेकर एसपी से मिलकर किन्नर ने की शिकायत।बागपत के मुस्तकिम,लोनी की निक्की,मीनाक्षी, नंदनी किन्नर के खिलाफ की शिकायत। बागपत की खेकड़ा थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। दरअसल,बधाई मांगने के लिए इलाके सीमा को लेकर किन्नरों के बीच विवाद चला आ रहा है।

बागपत में किन्नरों के विवाद में अब अवैध हथियार की एंट्री हो गई है।नोएडा के एक किन्नर ने तमंचे के साथ धमकी भरा वीडियो बनाया है जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बधाई मांगने को लेकर गाजियाबाद , नोएडा और बागपत के किन्नरों का विवाद चला आ रहा है।

लेकिन इसी बीच प्रदेश सरकार के सख्त आदेश के बाद भी अवैध हथियारों का खेल रुकनेका नम नहीं ले रहा है।अवैध हथियार का वीडियो वायरल होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। बागपत पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना खेकड़ा पुलिस द्वारा प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के दौरान ज्ञात हुआ है कि तमंचे के साथ वायरल वीडियो जनपद गौतमबुद्धनगर का है।

साथ ही किन्नर समुदाय के दो पक्षों के मध्य क्षेत्राधिकार/सीमा को लेकर विवाद चल रहा है।उक्त प्रकरण की थाना खेकड़ा पुलिस द्वारा गहनता से जांच की जा रही है। जांच में प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

"आँखें" के पर्यावरण रक्षकों ने तिलवाड़ा में नाथ सम्प्रदाय की समाधि स्थल पर रोपे बरगद-पीपल के पौधे

वन महोत्सव अभियान के तहत श्मशान भूमि में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण को बताया नैतिक कर्तव्य

समाज जागरण

छपरौली। सामाजिक संस्था "आँखें" मीडिया सोशल नेटवर्क द्वारा संचालित वन महोत्सव अभियान के तहत क्षेत्र के गांव तिलवाड़ा में नाथ सम्प्रदाय की समाधि स्थल यानी श्मशान भूमि पर बरगद और पीपल के पौधे रोपे गए। "आँखें" के पर्यावरण रक्षकों ने इस अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर और समाजसेवी आर०आर०डी० उपाध्याय ने कहा कि वन महोत्सव में पौधारोपण प्रकृति की दृष्टि से अच्छा है। लेकिन ऐसे समय में 24 घंटे ऑक्सीजन देने वाले बरगद, पीपल सहित अन्य औषधीय पौधों का रोपण पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्राम

सेवा संगठन के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सरोहा ने कहा कि पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन के साथ दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली बहुत सी वस्तुएं प्रदान करते हैं। चेयरमैन धूम सिंह ने कहा कि पौधारोपण हमारी औप चारिकता नहीं, हमारा नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम में चेयरमैन धूम सिंह, प्रधानाचार्य योगेंद्र कुमार सरोहा, प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार आर्य, रविकुमार एडवोकेट, अमित कुमार हुड्डा, सुधीर कुमार खोखर, अनुज, भोला, युवराज सूर्या उपाध्याय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जनसंख्या वृद्धि आज भी दुनिया की सबसे बड़ी समस्या": अभिमन्यु गुप्ता

विश्व जनसंख्या दिवस पर उद्योग व्यापार मण्डल ने की बैठक, जनजागरण अभियान चलाने की मांग

समाज जागरण

बागपत। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई द्वारा अग्रवाल धर्मशाला, अग्रवाल मंडी टटीरी पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता, जिला महामंत्री हंसराज गुप्ता और पंकज गुप्ता ने कहा कि 11 जुलाई 1987 को विश्व की जनसंख्या 5 अरब हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसी दिन को विश्व जनसंख्या दिवस घोषित किया था। आज विश्व की जनसंख्या 8 अरब से अधिक हो चुकी है। गुप्ता ने कहा कि जनसंख्या बढ़ने से बेरोजगारी, भूखमरी, संसाधनों की कमी और विकास की धीमी गति जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। हमारे देश के पास विश्व का केवल 2.4 प्रतिशत भूभाग और 4 प्रतिशत जल है, जबकि विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है। जनसंख्या वृद्धि आज भी दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। उन्होंने बताया कि देश की 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या में 65 प्रतिशत लोग 25 से 35 वर्ष की आयु के हैं। जनपद बागपत में पिछले 10 वर्षों में 20 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या बढ़ी है और यहां की आबादी 15 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। जनसंख्या बढ़ने के साथ संसाधनों और विकास की कमी के साथ-साथ वाहनों की संख्या बढ़ने से पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता के समय भारत की जनसंख्या 36 करोड़ थी जो आज 140 करोड़ से अधिक हो गई है। जनसंख्या किसी भी देश के लिए वरदान है, लेकिन जब वह अधिकतम सीमा पार कर जाती है तो अभिशाप बन जाती है। देश के उज्जवल भविष्य के लिए तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन की चुनौतियों को सरकार को गंभीरता से लेना होगा। बैठक में वक्ताओं ने जनसंख्या वृद्धि को रोकने

के लिए परिवार नियोजन, जनसंख्या हतो त्साहन और एक उपयुक्त जनसंख्या नीति की आवश्यकता पर जोर दिया। केन्द्र व राज्य स्तर पर जनसंख्या परिषद स्थापित करने, वर्षभर जनजागरण अभियान चलाने और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इस दिशा में काम करने का सुझाव दिया गया।बैठक में जिला कोषाध्यक्ष ईश्वर अग्रवाल, युवा जिला अध्यक्ष संजय गर्ग, मनोज गोयल, राकेश बंसल, डॉ. मयंक गोयल, पवन गोयल, रमेश, भोपाल सैनी,

अनिल गर्ग, मनोज गुप्ता, राजीव अग्रवाल, आशुतोष मित्तल, अभिषेक अग्रवाल, मुरली शर्मा, संजीव वर्मा, सचिन सिंघल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एल मोरा ज्वेलर्स का हुआ भव्य शुभारंभ

समाज जागरण बागपत।

पीर मुच्छल्ला स्थित एससीओ-3, सेक्टर-20 के समीप एल मोरा ज्वेलर्स का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, परिवारजनों तथा बड़ी संख्या में ग्राहकों ने पहुंचकर नए शोरूम की शुरूआत पर शुभकामनाएं दीं। शोरूम में सोने, चांदी, डायमंड एवं आधुनिक डिजाइनों के आकर्षक आभूषणों की विशेष रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही सिल्वर के आकर्षक फर्नीचर, ट्रेडिशनल एवं मॉडर्न ज्वेलरी की विशेष गैलरी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। उद्घाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में ग्राहकों ने नई कलेक्शन की सराहना करते हुए खरीदारी भी की। संचालकों ने बताया कि एल मोरा ज्वेलर्स का उद्देश्य ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता, शुद्धता, विश्वसनीयता, आधुनिक डिजाइनों और किफायती मेकिंग चार्ज के साथ बेहतरीन सेवा उपलब्ध कराना है, ताकि हर वर्ग के ग्राहक अपनी पसंद के आभूषण उचित मूल्य पर खरीद सकें। कार्यक्रम का संचालन दीपक पंडित आचार्य एवं शिव कोटी ने किया। इस अवसर पर संचालक माणिक जैन, रजनीश जैन, सनी जैन, विषु जैन एवं यतिन जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और भविष्य में भी उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं बेहतर सेवाओं के साथ इस विश्वास को कायम रखा जाएगा। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने एल मोरा ज्वेलर्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नए प्रतिष्ठान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

कलाम खिदमत ट्रस्ट के रक्तदान शिविर में लोगों ने लिया बढ़- चढ़कर हिस्सा

समाज जागरण बागपत/ बड़ौत।

बड़ौत के चौधरी मैरिज होम में कलाम खिदमत ट्रस्ट की ओर से आयोजित विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मानव सेवा का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। शिविर में लगभग 180 महिला एवं पुरुषों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की जिंदगी बचाने का संकल्प लिया। शिविर में थाना कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी के निर्देश पर कई दरोगाओं और पुलिसकर्मियों ने भी रक्तदान किया। पुलिसकर्मियों की भागीदारी ने लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में एकत्रित रक्त को चंद्रो देवी ब्लड सेंटर को सुरक्षित रूप से सौंपा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अभिनव तोमर (एमबीबीएस, एमडी) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. इरफान मलिक (अध्यक्ष, खिदमत सोसायटी), समाजवादी नेता चिराग चौधरी, देशखाप चौधरी, संजीव चौधरी तथा प्रशांत बावली मौजूद रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। कलाम खिदमत ट्रस्ट के अध्यक्ष सुवेब अली ने कहा कि "रक्तदान सबसे बड़ा महादान है। एक यूनिट रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है। ट्रस्ट का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर या जरूरतमंद मरीज को रक्त के लिए कभी भटकना न पड़े। शिविर में एकत्रित रक्त पूरी तरह जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। हम भविष्य में भी ऐसे जनहित के अभियान लगातार चलाते रहेंगे।" महताब अल्वी ने कहा कि "समाज में रक्तदान के प्रति जाग रूकता बढ़ाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। युवाओं को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी भी मरीज की जान केवल रक्त की कमी के कारण न जाए। आज जिस उत्साह के साथ लोगों ने भाग लिया, वह समाज में सेवा और भाईचारे की मजबूत भावना को दशार्ता है।"शिविर के सफल आयोजन में जुल्फाम कश्सार, इरफान राणा एडवोकेट, हाशिम अली, डॉ. दाऊद, नाजिम, आरिफ सहित ट्रस्ट के पदाधिकारियों, स्वयं सेवकों और सामाजिक कार्य कताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थाना अनपरा पुलिस द्वारा दुष्कर्म एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

इसी क्रम में थाना अनपरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 151/2026, धारा 64(1), 351(3) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त प्रदीप पाल पुत्र भागवत पाल, निवासी ग्राम पोड़ी, थाना गढ़वा, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र लगभग 22 वर्ष को दिनांक 11.07.2026 को समय 10:57 बजे लोझरा चढ़ाई क्षेत्र से गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। घटना का संक्षिप्त

विवरण- वादिनी द्वारा थाना अनपरा पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था कि अभियुक्त ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा जान से मारने की धमकी दी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0 151/2026, धारा 64 (1), 351(3) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना एवं साक्ष्य संकलन के उपरांत पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई।

सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्य वाही सतत जारी है।

कानूनी सहायता के लिए निशुल्क परामर्श देंगे एडवोकेट गजेंद्र सिंह कुंडू

समाज जागरण बागपत।

सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं कुंडू खाप के उत्तर प्रदेश चौधरी एडवोकेट गजेंद्र सिंह कुंडू सेवाभाव के उद्देश्य से जिला एवं सत्र न्यायालय बागपत परिसर के जी ब्लॉक, चेंबर नंबर 26 मे सीनियर एडवोकेट साथी स्वर्ण सिंह ढाका के साथ स्थाई रूप से वकालत का कार्य कर रहे है।उनकी टीम में बहुत ही अनुभवी अधिवक्ता सहयोगी एडवोकेट सतवीर सिंह यादव व एडवोकेट

अफसरुण चौधरी भी उनके साथ हैं। एडवोकेट गजेंद्र सिंह कुंडू ने कहा कि वैसे तो वह परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते है कि हमारे किसी भी मित्र, रिश्तेदार एवम सहयोगी को किसी भी कानूनी सहायता की आवश्यकता ही न पड़े। सभी खुशहाल रहे, स्वस्थ रहे, लेकिन फिर भी किसी भी कानूनी विषय में आवश्यकता पड़ने पर उनकी अनुभवी टीम से कोई भी व्यक्ति कानूनी सहायता के लिए परामर्श ले सकता हैं। बताया कि कानूनी सहायता के लिए परामर्श बिल्कुल निशुल्क होगा, इसमें वह किसी भी व्यक्ति से कोई शुल्क नहीं लेंगे। उनके इस कार्य की सभी लोग सराहना कर रहे हैं।

खट्टा प्रहलादपुर के प्राथमिक विद्यालय में अहिंसा सेवा ट्रस्ट ने किया पौधारोपण

अध्यक्ष राकेश जैन ने बच्चों को दिया पर्यावरण और स्वच्छता का संदेश, जन्मदिन पर पौधा लगाने की अपील

समाज जागरण

बागपत। खट्टा प्रहलादपुर स्थित प्राइमरी पाठशाला नंबर 2 में शुक्रवार को अहिंसा सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश जैन ने विद्यालय

परिसर में पौधा लगाकर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर राकेश जैन ने सभी शिक्षकों और बच्चों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन और अन्य शुभ अवसरों पर पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण में योगदान दें। विद्यालय के प्रधान अध्यापक ने कहा कि पेड़-पौधे लगाने से हमें आत्मसंतुष्टि के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण और जीवन के लिए ऑक्सीजन मिलती है। कार्यक्रम में अंजू देवी, अरुण कुमार, विकास राठी, राजेंद्र कुमार, योगिता श्रीवास्तव, सरिता तोमर सहित विद्यालय का स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

थाना विण्ढमगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ सोनभद्र।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष विण्ढमगंज संतोष कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना विण्ढमगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त अजय मेहता को दिनांक 10.07. 2026 को समय 21:20 बजे दशरथ मोड़ तिराहा, हरनाकछार,

थाना विण्ढमगंज क्षेत्र से गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।

नीति आयोग ने शांति अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की

नीति आयोग ने 10 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के समरसता सभागार में शांति अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की। इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों, नीति निमार्ताओं ने भाग लिया और इस महत्वपूर्ण अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया। हितधारकों के साथ इस परामर्श बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर अभय करंदीकर (सदस्य, नीति आयोग) ने की। अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्री पंकज अग्रवाल (सचिव, एमओपी), श्री घनश्याम प्रसाद (अध्यक्ष, सीईए), श्री गुरदीप सिंह

(सीएमडी, एनटीपीसी लिमिटेड), डॉ. अंशु भारद्वाज (कार्यक्रम निदेशक, नीति आयोग), श्री राजनाथ राम (सलाहकार, नीति आयोग), डॉ. गरिमा शर्मा (प्रमुख, एसएसएसडी, डीएई) और श्री हरि कुमार (एईआरबी के विशिष्ट वैज्ञानिक और निदेशक) शामिल थे।

वृक्षारोपण प्रकृति के अनुदानों के प्रति हमारी कृतज्ञता का ज्ञापन : अमित कुमार पांडेय

•~ सहकारिता विभाग मे पूर्ण हुआ पौधो का शत-प्रतिशत उठान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद के सहकारिता विभाग ने रविवार 12 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण महायज्ञ के लिये सारी तैयारियाँ पूरी कर ली है। सभी दस विकासखंडो और सहकारी संस्थाओ के लिए 18500 पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा करने की रणनीति के बीच ब्लाक स्तरीय व जनपद स्तरीय नोडल अधिकारियो की नियुक्ति कर दी गयी है।पौधारोपण की पल पल की मानिटरिंग हेतु जनपद मुख्यालय मे कंट्रोलरूम गठित कर दिया गया है।राबर्टसगंज,कोन और घोरावल विकासखंडो के बीपैक्स सचिवो ने सरकारी

पौधशालाओ से शनिवार को पौधो का उठान कर लिया है। इस तरह पौधो के उठान का कार्य शतप्रतिशत पूरा हो गया। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अमित कुमार पांडेय ने सभी बीपैक्स सचिवों, एडीओ और एडीसीओ को निर्देश दिए है कि रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम अपनी सतत निगरानी मे सफलतापूर्वक संपन्न करायें। सहायक आयुक्त ने कहा कि पौधारोपण करके हम एक तरह से प्रकृति के ऋण को भी चुकाते है। पेड़ो के बगैर जल जीवन और जमीन की कल्पना नही की जा सकती।उल्लेखनीय है कि सहकारिता विभाग द्वारा सभी बीपैक्स के अतिरिक्त जिला सहकारी बैंक, डीसीएफ, पीसीएफ, क्रय विक्रय समेत सभी सहकारी संस्थाओ को पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण किया

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है राष्ट्र निर्माण और उसे वैभव दिलाने वाली हर गतिविधि का मूल है ज्ञान और विवेक, और यह केवल पुस्तकालय ही दे सकता है 'बोलने से पहले सोचना चाहिए, और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए' - यह संस्कार केवल पुस्तकालय ही दे सकता है

गृह मंत्री जी ने युवाओं से आह्वान किया कि - एक बार पुस्तकालय से जुड़िए, पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा निःशुल्क 1 करोड़ ई-बुक्स से युक्त यह पुस्तकालय, सुनी-सुनाई बातों के बजाय अपनी रुचि के विषयों को गहराई से पढ़ने का अवसर देगा दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में और स्कूलों के साथ जोड़ें, इससे ग्रंथागार और अधिक समृद्ध होंगे दिनकर जी को पढ़े बिना इस देश की आत्मा, संस्कृति, स्वाभिमान और संघर्ष को नहीं जाना जा सकता, और पुस्तकालय इसमें सबसे मजबूत जरिया बन सकता है

लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री की सत्ता-पिपासा और आपातकाल का किया डटकर विरोध और बिहार के गांधी मैदान से पूरे देश को 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान दिया

आपातकाल में जब हर विपक्षी नेता जेल में और अखबारों पर ताला था, तब 'जय प्रकाश' का नारा ही बना एकमात्र प्रकाश - परिणामस्वरूप तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वयं रायबरेली से चुनाव हार गईं गांधीनगर के प्रत्येक गाँव में पुस्तकालय खोल उन्हें बड़े पुस्तकालय से लिंक किया गया, अब गाँव का बच्चा पुस्तकालय में जिस पुस्तक का नाम लिखता है, वह पुस्तक उसी गाँव में उसे उपलब्ध हो जाती है केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार में मंत्री श्री प्रवेश वर्मा, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) के अध्यक्ष श्री केशव चंद्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। श्री अमित शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। गृह मंत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के माध्यम से कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि ह्लबोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते।ह्व उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है। श्री अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय का उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गाँव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3-4 हजार पुस्तकें हैं। इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मँगवाने का अनुरोध करते हैं, और हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है।

गृह मंत्री ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए।

उन्होंने जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय के कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे नई दिल्ली के आसपास के 10 विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों से संपर्क कर युवाओं को पुस्तकालय से जोड़ें और उन्हें यहाँ आने के लिए प्रेरित करें। एक बार जब युवा पढ़ने की आदत बना लेंगे, तो वह स्वयं आगे बढ़ेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान सागर में गोता लगाने का साहस देता है और सागर के नीचे पड़े मोतियों व रत्नों को चुनकर ऊपर लाने की प्रेरणा भी देता है। ज्ञान सागर के गोते से निकले ये मोती और रत्न ही व्यक्तित्व को निखारते हैं, देश को आगे बढ़ाते हैं, देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाते हैं

पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्त भारत अभियान में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी: महंत श्री राजेंद्र दास महाराज

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

झज्जर, 11 जुलाई। समाज में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति और पर्यावरण असंतुलन को दूर करने के संकल्प के साथ स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन द्वारा स्थानीय अनाज मंडी में तपोभूमि जटेला धाम आश्रम के पीठाधीश्वर महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्य वाणी सत्संग, नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत साइकिल यात्रा, तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृहद पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया गया।

महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के उद्बोधन की मुख्य बातें:

सत्संग को संबोधित करते हुए महंत श्री राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि देश को स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण दोनों अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि आज युवा पीढ़ी नशे की चपेट में आकर अपना और अपने परिवार का भविष्य बर्बाद कर रही है। नशे से न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब होता है, बल्कि समाज में अपराध और पारिवारिक विघटन भी बढ़ता है।

महंत जी ने कहा कि पेड़ ही जीवन हैं। बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जल संकट से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।

उन्होंने आह्वान किया कि नशा मुक्त भारत और हरित भारत के निर्माण में हर नागरिक को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियां:

1. दिव्य वाणी सत्संग: हजारों श्रद्धालुओं ने सत्संग में भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। सत्संग में जीवन मूल्यों, संस्कारों और सेवा भावना पर विशेष चर्चा हुई।

2. नशा मुक्त भारत साइकिल यात्रा: नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने के लिए आश्रम से सैकड़ों युवाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर साइकिल यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान "नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें" के नारे लगाए गए। 3. पौधारोपण एवं पौधा वितरण: पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ बड़ी संख्या में छायादार, फलदार और औषधीय पौधों का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने आश्रम परिसर में सामूहिक रूप से पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के पदाधिकारियों, संतों, सामाजिक कार्यकताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। फाउंडेशन ने घोषणा की कि यह अभियान आगे भी जिले के गांव-गांव में चलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और पर्यावरण के महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर नशा मुक्त और हरित भारत बनाने का संकल्प लिया।

लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर की धर्मपत्नी मुन्नी देवी व उनके पुत्र मोहित चौधरी ने किया कैबिनेट मंत्री आरती राव का सम्मान

सांसद के निवास पर पहुंचे धर्म सेना के कार्यकर्ताओं ने भी किया मंत्री का भव्य स्वागत व सम्मान

: सांसद के आवास पर बोली आरती राव, पीएम भिवानी व कोरियावास मेडिकल कॉलेज की देंगे सौगात

: जींद से एशिया की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी : आरती राव

: सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश बढ़ रहा है आगे

भिवानी में स्वास्थ्य सुविधाओं पर 56.80 करोड़ रुपये खर्च, 1100 डॉक्टरों की भर्ती से सेवाओं में सुधार : आरती राव

दैनिक समाज जागरण। जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 11 जुलाई। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव भिवानी पहुंचीं। उन्होंने महम रोड स्थित सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के निवास पर बड़ी संख्या में पहुंचे धर्म सेना के कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम में आमजन को शामिल होने का निमंत्रण दिया। वहीं धर्म सेना से जुड़े कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का पगड़ी व पुष्प गुच्छ द्वारा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के निवास स्थान पर भव्य स्वागत किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से भिवानी तथा महेंद्रगढ़ जिले के कोरियावास में बनकर तैयार हुए नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन करेंगे। इसी अवसर पर प्रधानमंत्री एशिया की पहली हाइड्रोजन से संचालित ट्रेन को भी जींद से हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश के स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे को नई दिशा देंगी।

आरती राव ने बताया कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष में भिवानी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर लगभग 56 करोड़ 80 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। जिला नागरिक अस्पताल के नवीनीकरण पर 7.61 करोड़ रुपये, तीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट पर 1.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा ओबरा, बलियाली, दुल्हेड़ी, बामला और सुई में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए जा रहे हैं तथा 26 उप-स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण भी जारी है। लोहारू उपमंडल अस्पताल में नया भवन और स्टाफ क्वार्टर बनाए जा रहे हैं, जबकि तोशाम अस्पताल को 50 से बढ़ाकर 100 बेड का किया जा रहा है। अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले डेढ़ साल के दौरान लगभग 1100 चिकित्सकों की भर्ती की गई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर न जाना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वदेशी खान-पान अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए पारंपरिक भोजन और जीवनशैली को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 7.21 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं तथा आयुष्मान भारत योजना के तहत 1.55 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज किया गया है।

कार्यक्रम में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, विधायक कपूर वाल्मीकि,सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मुन्नी देवी, सांसद के पुत्र मोहित चौधरी,भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार,पूर्व जिलाध्यक्ष नंदराम धानिया, महेंद्र सिंह कैरू, चेयरमैन सुधीर चाँदवास, शिक्षाविद सावित्री यादव, डॉ विनोद अंचल, डॉ आर बी गोयल, सिविल सर्जन अधिकारी डॉ रघबीर शांडिल्य, डॉ राजेश कुमार, रामकिशन हालवासिया ,महिपाल बड़दू, पंकज कौशिक, पीआरओ ऋषि शर्मा, धर्म सेना अध्यक्ष बलवान आर्य, पवन पंघाल, बलवान तालु, प्रदीप बाढ़डा, नरेश गर्ग,सुनील सुरा,अश्वनी मास्टर,टोनी चेयरमैन, अजय चाहर, जेपी कौशिक, राजकुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं धर्म सेना के सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा प्रदेशभर में बेहतरीन चिकित्सा मुहिया करवाए जाने पर उनका आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री की सोच विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति है। उनकी सोच गांव की हर महिला तक बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने की है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल ने हमें फिर से देसी दवाई और पूर्वजों द्वारा अपनाया जाने वाला खानपान याद दिलाया है। मोहित चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश से तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उन्होंने बड़ी संख्या में पहुंचे धर्म सेना के कार्यकर्ताओं का भी आभार जताया।

पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किया पौधारोपण अभियान का शुभारंभ

अलाउद्दीनपुर की फिरनी पर 1500 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

विजय ने पिता मेजर रामनिवास की स्मृति में शुरू की मुहिम, जेपी दलाल ने की सराहना

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

ढिगावा। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने शनिवार को गांव अलाउद्दीनपुर पहुंचकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत विजय ने अपने स्वर्गीय पिता मेजर रामनिवास की स्मृति में गांव की फिरनी पर 1500 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने विजय की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम दो पौधे अवश्य लगाने चाहिए और केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी स्वयं उठानी चाहिए।

जेपी दलाल ने कहा कि लगातार हो रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। यदि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना है तो अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल, सरपंच प्रतिनिधि पवन शर्मा, डॉ सुमित श्यामकला, भादरचंद शर्मा, सरपंच धर्मबीर नेहरा, मुरारी लाल, पार्षद महेंद्र शर्मा, मनोज, सुरेश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा मौजूद रहे।

सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधारोपण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बीजेपी में बड़ा यू-टर्न! जिन पर लगाए थे गंभीर आरोप, अब उन्हीं के चरण छूकर मांगी माफी वायरल VIDEO से मचा सियासी भूचाल

समाज जागरण

कालांवाली 11जुलाई (सुरेश जोरा सिया) स्थानीय भाजपा राजनीति में पिछले कुछ दिनों से चल रहे विवाद ने शनिवार को ऐसा मोड़ लिया, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। जिन कथित भाजपा प्रधान ने कुछ समय पहले जिला भाजपा अध्यक्ष रेणु शर्मा पर गंभीर आरोप लगाकर संगठन में हलचल मचा दी थी, वही अब सार्वजनिक रूप से अपने सभी आरोपों से पीछे हटते दिखाई दिए। उनका माफी मांगने और चरण स्पर्श करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, कथित प्रधान ने वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. भीम शर्मा तथा जिला अध्यक्ष रेणु शर्मा के चरण स्पर्श कर हाथ जोड़ते हुए माफी मांगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि रेणु शर्मा उनके लिए "मां के समान" हैं और उनसे बड़ी भूल हो गई। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर उन्होंने ऐसे बयान दिए, जिन पर अब उन्हें पछतावा है।

माफी के दौरान कथित प्रधान ने कहा कि यदि उन्हें किसी बात की शिकायत या गलतफहमी थी, तो उन्हें सीधे जिला अध्यक्ष से बातचीत करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उनका इस्तेमाल किया और उन्हें गलत दिशा में ले गए, जिसके कारण विवाद खड़ा हुआ।

गौरतलब है कि इसी कथित प्रधान ने कुछ समय पहले यह आरोप लगाया था कि जिला भाजपा अध्यक्ष का पद हटवाने और नगरपालिका अध्यक्ष पद का टिकट दिलाने के नाम पर 60 लाख रुपये की मांग की गई थी। इन आरोपों ने उस समय

राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने अपने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

इस घटनाक्रम के बाद सबसे बड़ा सवाल उन लोगों पर उठने लगा है, जिनका नाम लिए बिना कथित प्रधान ने कहा कि उन्होंने उन्हें गुमराह किया। राजनीतिक हलकों और आम लोगों के बीच अब यही चर्चा है कि आखिर वे लोग कौन थे, जिन्होंने पूरे विवाद को हवा दी। सोशल मीडिया पर भी इस यू-टर्न को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि व्यक्तिगत स्तर पर माफी का मामला समाप्त होता दिखाई दे रहा है, लेकिन संगठनात्मक कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि कथित प्रधान को संगठन विरोधी टिप्पणियों के कारण पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। उनका कहना था कि व्यक्तिगत माफी स्वीकार करना जिला अध्यक्ष का अधिकार हो सकता है, लेकिन नोटिस पर निर्णय संगठन करेगा और अनुशासनात्मक प्रक्रिया अपने नियमानुसार आगे बढ़ेगी। उधर, माफी का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, पूरे घटनाक्रम का विस्तृत वीडियो भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत दिखाई दे रही है।

अब सबकी नजर भाजपा संगठन के अगले कदम पर टिकी है। क्या संगठन केवल चेतावनी देकर मामला समाप्त करेगा या अनुशासनात्मक कार्रवाई आगे बढ़ेगी, इसका फैसला आने वाले दिनों में राजनीतिक चचाओं का केंद्र बना रहेगा। फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय भाजपा की राजनीति में एक नया मोड़ जरूर ला दिया है।

तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन का संयुक्त वक्तव्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर तीसरे ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 8-10 जुलाई, 2026 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। यह शिखर सम्मेलन मेलबर्न, नार्म में आयोजित किया गया था। यह शिखर सम्मेलन कुलिन राष्ट्र के वुरुंडजेरी वॉई-वुरुंग और बुनुरोंग/बून वुरुंग लोगों की पारंपरिक भूमि है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता, ऐतिहासिक संबंधों, जन-जन के बीच संपर्कों, साझा रणनीतिक हितों और एक-दूसरे के लिए आपसी सम्मान को याद करते हुए, दोनों नेताओं ने तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक वातावरण में उभरती चुनौतियों का समाधान करने और शांति के लिए परस्पर लाभकारी सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) को और मजबूत और विस्तारित करने के लिए हमारी समृद्धि और स्थिरता को लेकर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूती

दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस बात की पुष्टि की कि रक्षा और सुरक्षा सहयोग तेजी से जटिल होते रणनीतिक वातावरण में साझेदारी की आधारशिला है। उन्होंने रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा-पत्र को आकार दिया, जो द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों की गहराई और महत्वाकांक्षा में एक कदम के बदलाव और क्षेत्रीय ताकत एवं सुरक्षा में योगदान को दशार्ता है। प्रधानमंत्रियों ने परामर्श और सहयोग बढ़ाने के लिए एक प्रणाली के रूप में रक्षा मंत्रियों के वार्षिक संवाद की स्थापना का स्वागत किया। उन्होंने पारस्परिक रसद सहायता व्यवस्था के तहत रक्षा अभ्यासों और आदान-प्रदान की बढ़ती आवृत्ति और जटिलता पर संतोष व्यक्त किया। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रक्षा साझेदारी अब सभी क्षेत्रों में फैली हुई है और उन्होंने बहुपक्षीय भागीदारों सहित पारस्परिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपने साझा दृष्टिकोण के लिए समुद्री सहयोग को केंद्रबिंदु के रूप में स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के माध्यम से समुद्री सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। इसके माध्यम से, भारत और ऑस्ट्रेलिया एक शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं और यह स्वीकार करते हैं कि क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए प्रभावी समुद्री सहयोग आवश्यक है। वे सूचना साझा करने, क्षमता विकास, क्षमता निर्माण और संचालन के क्षेत्र में समन्वय के क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमत हुए। दोनों नेताओं ने सुरक्षित समुद्री वातावरण का समर्थन करने के लिए समुद्री सीमा कमान और भारतीय तटरक्षक बल के बीच एक समझौता ज्ञापन के समापन का स्वागत किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने रक्षा उद्योग,

अनुसंधान और सामग्री सहयोग के महत्व को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने रक्षा वस्तुओं और रक्षा सेवाओं के प्रावधान के लिए एक समझौता ज्ञापन विकसित करने के लिए चल रहे काम और भारत में ऑस्ट्रेलिया के पहले रक्षा व्यापार मिशन और ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा उद्योग गोलमेज सम्मेलन सहित ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के प्रयासों का स्वागत किया।

भविष्य के लिए तैयार सैन्य कर्मियों के लिए पेशेवर सैन्य शिक्षा, संयुक्त अनुसंधान, युद्ध और क्षमता निर्माण पहल के महत्व को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्रियों ने पेशेवर सैन्य शिक्षा पर सहयोग को मजबूत करने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के सैन्य शिक्षा संस्थानों के बीच संबंधों को निरंतर मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। दोनों नेताओं ने 2028-2029 में ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस कॉलेज में भारत के एक सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति के प्रति रुचि दिखाई। उन्होंने जनरल रावत भारत-ऑस्ट्रेलिया युवा अधिकारी आदान-प्रदान कार्यक्रम के चौथे आयोजन की ऑस्ट्रेलिया की आगामी मेजबानी का स्वागत किया।

प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के इकोसिस्टम को जोड़ने और सरकारों, उद्योग, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग में तेजी लाने के लिए एक द्विपक्षीय नवाचार ढांचे की स्थापना का पता लगाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने उन्नत क्षमता प्राथमिकताओं के लिए अभिनव समाधानों को बढ़ावा देने के लिए नए क्षेत्रों में रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान सहयोग का विस्तार करने के महत्व पर जोर दिया। आर्थिक सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा प्रधानमंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और

व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत दोतरफा व्यापार में निरंतर वृद्धि का स्वागत किया और दोनों देशों में व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए इसके ठोस लाभों को ध्यान में रखते हुए गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया।

काले कंबल वाले बाबा के आरोग्य शिविर में दूसरे दिन भी उमड़ी भारी भीड़

दिन-प्रतिदिन बढ़ रही मरीजों और श्रद्धालुओं की संख्या, सैकड़ों लोगों ने लिया निशुल्क उपचार का लाभ

16 जुलाई तक चलेगा सात दिवसीय शिविर, दूर-दराज के क्षेत्रों से भी पहुंच रहे मरीज

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल। बहल की नई अनाज मंडी में काले कंबल वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध गणेश यादव के सान्निध्य में आयोजित सात दिवसीय निशुल्क आरोग्य शिविर के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में मरीजों एवं श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन शिविर में आने वालों की संख्या और अधिक बढ़ गई। क्षेत्र के अलावा आसपास के जिलों और गांवों से भी सैकड़ों लोग उपचार के लिए पहुंचे। शिविर के आयोजक रामचन्द्र टांडी (वाइस चेयरमैन, मार्केट कमेटी बहल) ने बताया कि लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया है। पार्किंग, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, अलग-अलग पंडाल एवं उपचार स्थल पर स्वयंसेवकों की टीम लोगों की सुविधा के लिए लगातार सेवाएं दे रही है।

आयोजकों के अनुसार शिविर में लकवा, जोड़ों का दर्द, गठिया, सर्वाइकल, कमर दर्द, उच्च रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित सैकड़ों लोगों ने उपचार प्राप्त किया। उपचार के बाद अनेक मरीजों एवं उनके परिजनों ने राहत महसूस होने का दावा करते हुए शिविर की सराहना की। गणेश यादव ने बताया कि प्रत्येक मरीज की समस्या के अनुसार उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को प्रारंभिक उपचार के बाद ही राहत महसूस होती है, जबकि कई मरीजों को बेहतर परिणाम के लिए शिविर के दौरान लगातार कुछ दिनों तक उपचार लेने की सलाह दी जाती है।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी प्रवीन गोदारा ने शिविर का निरीक्षण करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस निशुल्क आरोग्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा के ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। आयोजकों ने बताया कि सात दिवसीय आरोग्य शिविर 16 जुलाई तक प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से समय पर पहुंचकर शिविर का लाभ लेने तथा व्यवस्थाओं में सहयोग करने का आग्रह किया। विशेषः शिविर में उपचार के प्रभाव को लेकर मरीजों और उनके परिजनों ने राहत मिलने के अनुभव साझा किए हैं। ये उनके व्यक्तिगत अनुभव हैं और इन दावों का स्वतंत्र चिकित्सीय सत्यापन नहीं किया गया है। किसी भी गंभीर या लगातार बनी रहने वाली स्वास्थ्य समस्या के लिए योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है।

रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणापत्र

हम, भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, अपने घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों से प्रेरित होकर, अपने राष्ट्रों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट होकर और एक खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर इस संयुक्त घोषणा के प्रति संकल्पबद्ध हैं। हम 2020 में स्थापित अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की जीवंतता की पुष्टि करते हैं। सीएसपी के शुभारम्भ के बाद से, हमारा रणनीतिक सम्मिलन तेज हुआ है, हमारे आर्थिक संबंध गहरे हुए हैं और दोनों देशों के बीच जीवंत सेतु का काम करने वाले लोगों से लोगों के बीच संबंध और भी मजबूत हुए हैं। हम यह मानते हैं कि क्वाड और अन्य बहुपक्षीय संस्थानों जैसे क्षेत्रीय मंचों के माध्यम से अन्य भागीदारों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों स्तरों पर हमारी घनिष्ठ भागीदारी दोनों देशों के लिए लाभकारी है और हमारे साझा क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि में योगदान देती है। हम भारत-ऑस्ट्रेलिया सुरक्षा सहयोग पर 2009 की संयुक्त घोषणा से पोषित अपनी साझेदारी में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर भी विचार करते हैं। हम विदेश मंत्रियों के संरचना संवाद (एफएमएफडी), 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय संवाद और रक्षा मंत्रियों के संवाद सहित विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से साझेदारी में किए गए समृद्ध योगदान की सराहना करते हैं।

हम भू-रणनीतिक अनिश्चितता और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए खतरों पर चिंता व्यक्त करते हैं। हम सभी पक्षों को शांतिपूर्ण ढंग से मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और विवादों के समाधान बल प्रयोग या किसी दबाव के बिना और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निकालने का आह्वान करते हैं। हम एक खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर केंद्रित नियम-आधारित संरचना; संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान; नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता सहित 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर आधारित एक खुला, स्थिर और सुरक्षित समुद्री क्षेत्र और प्रभावी, समावेशी तथा पारदर्शी संस्थाओं पर आधारित हैं। हम हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए), आसियान और आसियान-केंद्रित क्षेत्रीय संरचना तथा प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि करते हैं, जो इन क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रमुख मंच हैं। हम मानते हैं कि बदलती रणनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप हमारी साझेदारी को विकसित होना आवश्यक है, और हम अपनी उन्नत, एकीकृत और उच्च स्तरीय रक्षा एवं सुरक्षा साझेदारी को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम रणनीतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना जारी रखेंगे और नियमित मंत्रिस्तरीय बैठकें करेंगे जो हमारे रणनीतिक हितों के सम्मिलन को दशार्ती हैं। हम सामूहिक शक्ति को बढ़ाने के लिए रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग की दीर्घकालिक विजन को स्वीकार करते हैं। यह सहयोग दोनों देशों की सुरक्षा में योगदान देगा और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हम व्यापक रक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने, रणनीतिक संवाद को गहराई देने और सहयोग को तीव्र करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: 1. साझा हितों को प्रभावित करने वाले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा संबंधी घटनाक्रमों पर परामर्श करना; 2. साझेदारों सहित अपने रक्षा अभ्यासों की सटीकता को बढ़ाना;

3. रक्षा बलों के बीच अंतर संचालनीयता और सूचना साझाकरण को बढ़ावा देने के प्रयासों में तेजी लाना; 4. एक-दूसरे के क्षेत्रों से विमानों की तैनाती का विस्तार करना; 5. आदान-प्रदान, शिक्षा और प्रशिक्षण तथा संपर्क भूमिकाओं के माध्यम से रक्षा बल कर्मियों के बीच संबंधों को गहरा करना; और 6. कुशल रक्षा कार्यबल की भर्ती में सहयोग के अवसरों का पता लगाना। हम अपने रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए समुद्री क्षेत्र की सीमा को पहचानते हैं और समुद्री सुरक्षा सहयोग की गहराई, परिष्कार और नियमितता को बढ़ाएंगे। हम भारत-ऑस्ट्रेलिया समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के माध्यम से समुद्री सहयोग को मजबूत करेंगे।

हम एकीकरण, उद्योग सहभागिता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करके दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों की बढ़ती क्षमता को अपनाएंगे।